हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 12.04.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 255 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

जंगली हाथी के कुचलने से एक की मौत

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल अनुमंडल अंतर्गत कुकडू प्रखंड के तिरुलडीह पंचायत स्थित सापारुम गांव में शनिवार सुबह जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान राधा तंतुबाई के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह एक जंगली हाथी अचानक गांव में घुस आया। ग्रामीण कुछ समझ पाते, इससे पहले ही हाथी ने राधा तंतुबाई को अपनी चपेट में ले लिया और उन्हें कुचल दिया। हमले की भयावहता ऐसी थी कि मौके पर मौजूद लोग डर के कारण कोई बचाव नहीं कर सके और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, एक गंभीर

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम जिले में सड़क दुर्घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र के नुरदा टोला कुदापी गांव का है, जहां शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, मृतकों में विपिन सिंकु (17), पिता गारदी सिंकु एवं विक्रम सिंकु (18), पिता माना सिंकु शामिल हैं। वहीं भीम सिंह सिंकु (23 वर्ष) गंभीर रूप से घायल है, जबकि चौथ चंद्र मोहन सिंकु को हल्की चोट आई है और वह फिलहाल अपने गांव में ही है।

ईरान से 312 भारतीय मछुआरे सुरक्षित स्वदेश लौटे

नयी दिल्ली : ईरान में फंसे 312 भारतीय मछुआरे आर्मेनिया के रास्ते सुरक्षित स्वदेश लौटे हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर बताया कि ईरान से 312 भारतीय मछुआरों को सुरक्षित भारत लाया गया है। उन्होंने आर्मेनिया सरकार और वहां के विदेश मंत्री अरारात मिजोर्यान का विशेष आभार जताया। जयशंकर ने कहा कि आर्मेनिया के सहयोग से ही यह कठिन अभियान संभव हो पाया। यह पूरा ऑपरेशन विदेश मंत्रालय, भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन सहित कई एजेंसियों के समन्वय से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। ये मछुआरे लंबे समय से ईरान में विभिन्न कारणों से फंसे हुए थे। भारत सरकार ने उनकी सुरक्षित वापसी के लिए लगातार प्रयास किए। पहले उन्हें ईरान से निकालकर आर्मेनिया पहुंचाया गया, जहां से विमान के जरिए भारत लाया गया। इस दौरान सभी जरूरी कागजी प्रक्रिया और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया। यात्रा के दौरान उनके खाने-पीने, स्वास्थ्य जांच और अन्य सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने वीर शहीद सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि, कहा

सिदो-कान्हू का संघर्ष हमें स्वाभिमान की प्रेरणा देता है

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने हूल विद्रोह के महानायक वीर शहीद सिदो-कान्हू की जयंती के अवसर पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मोरहाबादी स्थित सिदो-कान्हू उद्यान पहुंचकर उन्होंने अमर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनके आदर्शों को याद किया।

इतिहास के पन्नों में अमिट योगदान

मुख्यमंत्री ने सिदो-कान्हू की जयंती को भारत के इतिहास का एक गौरवशाली दिन बताया। उन्होंने कहा कि इन महान विभूतियों का समर्पण और अदम्य साहस आज भी लाखों लोगों के दिलों में जीवित है। आज पूरे राज्य और देश में लोग आदर और सम्मान के साथ उनकी जन्मस्थली और शहादत स्थल पर नमन कर रहे हैं। इन वीर सपूतों ने संपूर्ण व्यवस्था को एक ऐसी दिशा दी है जो कभी समाप्त नहीं होगी।

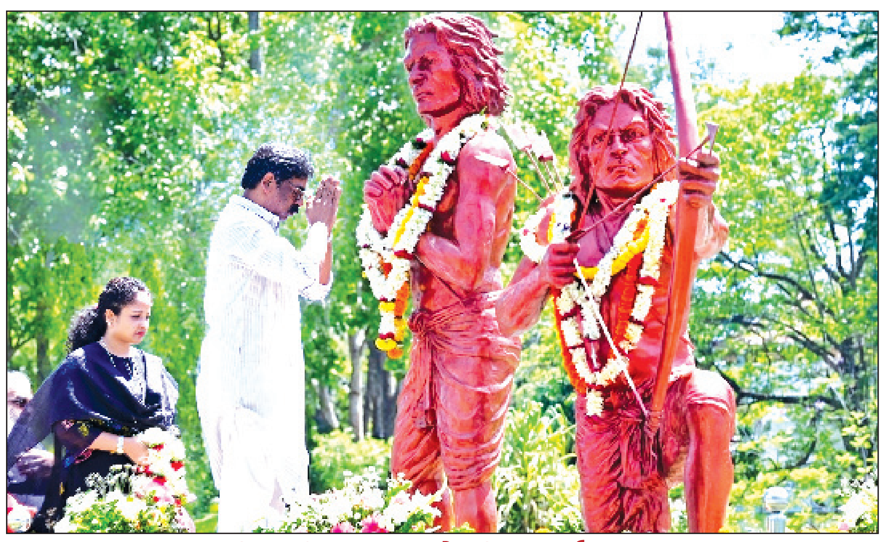

आदिवासी समुदाय के लिए गर्व का क्षण

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन न केवल आदिवासी समुदाय बल्कि पूरे देशवासियों के लिए गर्व का विषय है। वीर शहीदों ने राज्य के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए खुद को समर्पित कर दिया, जिसका परिणाम है कि आज हम अपनी पहचान और हक-अधिकारों के साथ खड़े हैं।

झारखंड की भूमि ने देश को अनेक वीर सपूत दिए

इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड एक ऐसी पावन भूमि है जिसने देश को अनेक वीर सपूत दिए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा झारखंड के आदिवासियों और मूलवासियों ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए तब लड़ाई शुरू की थी, जब देश में आजादी का सपना भी ठीक से नहीं देखा गया था। सिदो-कान्हू ने शोषण और अत्याचार के खिलाफ जो ऐतिहासिक बिगुल फूंका, वह आज भी हमें साहस और स्वाभिमान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

मप्र : ऑटो पर पलटा ट्रक दूल्हा-दुल्हन समेत 4 की मौत

एजेंसी

शिवपुरी : मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के सिरसौद थाना क्षेत्र में शनिवार को दोपहर में मुर्गी दाना से भरा ट्रक टोंगरा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़े ऑटो पर पलट गया। इस हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत चार लोगों की मौत हो गई। तेंदुआ थाना क्षेत्र के राजगढ़ गांव निवासी वीरेंद्र शाक्य (25) की शादी शुक्रवार को शिवपुरी की संजय कॉलोनी निवासी राजेश्वरी शाक्य से हुई थी। दोनों ने संजय कॉलोनी के एक मंदिर में परिवार की मौजूदगी में विवाह किया था। शादी के बाद दूसरे दिन शनिवार को दूल्हा-दुल्हन, दूल्हे की मां अन्वेश शाक्य (50), भाभी राजो शाक्य (22) बहन भूरिया शाक्य (19) ऑटो से राजगढ़ गांव के लिए रवाना हुए थे। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब 12 बजे टोंगरा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास ऑटो चालक ने ऑटो रिक्शा खड़ा किया था। इस दौरान ऑटो चालक और दूल्हे की बहन पास की दुकान पर चले गए थे। तभी मुर्गी दाना से भरा तेज रफ्तार से आ रहा ट्रक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़े ऑटो पर पलट गया, जिससे ऑटो में बैठे दूल्हा-दुल्हन, दूल्हे की मां और भाभी ट्रक के नीचे दब गए।

महाराष्ट्र : पिकअप वाहन में लगी आग, 4 की मौत

एजेंसी

मुंबई, : महाराष्ट्र के नासिक जिले के सिन्नर तहसील में स्थित पंचाले-शहा रोड पर एक ट्रक और पिकअप ट्रक में जोरदार टक्कर के बाद पिकअप वाहन में आग लग जाने से चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो महिला और दो पुरुष हैं। इस हादसे में दो घायलों का इलाज सिन्नर जिला उप अस्पताल में जारी है।

भाजपा की सरकार बनी तो घुसपैठियों को छोड़ना होगा बंगाल : पीएम मोदी

एजेंसी

कोलकाता/कटवा : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कटवा में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नागरिकता, घुसपैठ और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर कड़ा रुख अपनाते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा।

प्रधानमंत्री ने मतुआ और नामशूद्र शरणार्थी समुदायों को आश्वस्त करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही नागरिकता देने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। पीएम ने आरोप लगाया कि ममता सरकार लोगों में डर पैदा कर रही है, जबकि केंद्र का लक्ष्य शरणार्थियों को उनका अधिकार देना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतुआ और नामशूद्र समाज के लोग संविधान के संरक्षण में हैं और उन्हें नागरिकता मिलना तय है।

उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर प्रहार करते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में बंगाल में केवल डर और असुरक्षा का माहौल रहा है। पीएम ने घोषणा की कि सत्ता में आने पर टीएमसी सरकार के भ्रष्टाचार पर श्वेतपत्र जारी किया जाएगा और राजनीतिक हिंसा के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए घमासान जारी है। राज्य में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान होना है, जिसके नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री की इस रैली ने दक्षिण बंगाल के राजनीतिक समीकरणों को और गरमा दिया है।

घुसपैठियों को चेतावनी और भ्रष्टाचार पर प्रहार

अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने सख्त लहजे में कहा घुसपैठियों को अब अपना सामान बांध लेना चाहिए। बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही उन्हें राज्य छोड़ना होगा।

आयुष्मान भारत और महिला सशक्तिकरण

महिलाओं और किसानों से अपील करते हुए प्रधानमंत्री ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। भाजपा की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट बैठक में 'आयुष्मान भारत' योजना को पूरे बंगाल में लागू किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य की मौजूदा लोक-कल्याणकारी योजनाएं बंद नहीं होंगी, बल्कि उनमें व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म कर पारदर्शिता लाई जाएगी। आलू किसानों की दुर्दशा के लिए उन्होंने राज्य सरकार की गलत नीतियों को जिम्मेदार ठहराया।

रैली में उमड़ी भीड़ का मोदी ने जारी किया वीडियो

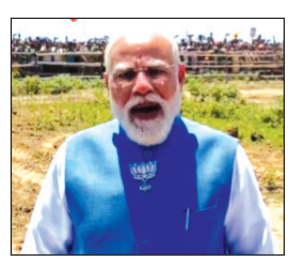

पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव के दौरान कटवा रैली को संबोधित करने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनसभा में आई भीड़ को रेखांकित करते हुए राज्य का मिजाज बताया। उन्होंने कहा कि आप भीड़ को देखकर इस राज्य का मिजाज समझ सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के पूरबा बर्धमान जिले के कटवा में जनसभा के दौरान सभा में उमड़ी भीड़ का एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। इस वीडियो में उन्होंने सभा से पहले का दृश्य दिखाया। वीडियो रिकॉर्ड करते समय उन्होंने कहा कि भाजपा की रैलियों में उमड़ी भीड़ 4 मई के नतीजों की झलक है और पश्चिम बंगाल बदलाव के लिए तैयार है।

बस और पिकअप की जोरदार टक्कर 8 की मौत, 24 घायल

एजेंसी

कटिहार : बिहार के कटिहार जिले में एक भीषण सड़क हादसे में 8 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा कोढ़ा थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-31 पर बासगढ़ा चौक के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार बस और पिकअप वैन के

बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयावह थी कि पिकअप वैन के परखच्चे उड़ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम करीब 6:30 बजे एनएच-31 पर एक वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश में बस और पिकअप वैन आपस में टकरा गईं। इस दौरान वहां से गुजर रहे कुछ मोटरसाइकिल सवार भी दोनों गाड़ियों की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया।

इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान और पाकिस्तान के बीच त्रिपक्षीय वार्ता शुरू, अगले 48 घंटे अहम

एजेंसी

नयी दिल्ली : इस्लामाबाद में अमेरिका, ईरान और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित त्रिपक्षीय वार्ता शुरू हो गई है। यह वार्ता ऐसे समय हो रही है जब क्षेत्र में तनाव चरम पर है और दुनिया की नजर इस बैठक पर टिकी हुई है। वार्ता से पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। इस बैठक में स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनेर भी शामिल रहे।

दूसरी ओर, ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने भी अलग बैठक में प्रधानमंत्री से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मोहम्मद बगेर गालिबफ कर रहे हैं, जबकि अब्बास अराघची भी उनके साथ हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने उम्मीद जताई कि दोनों देश रचनात्मक बातचीत करेंगे और एक स्थायी समाधान की दिशा में आगे बढ़ेंगे। पाकिस्तान खुद को इस पूरे घटनाक्रम में मध्यस्थ के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है।

भारत केवल पूंजी या पॉलिसी के दम पर 10 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनोमी नहीं बन सकता : मुख्य न्यायाधीश

एजेंसी

नयी दिल्ली : मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अब भारत को ऐसे निवेश की जरूरत है जो जल्दी मुनाफा कमाने के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय तक टिके रहने वाले हों और भरोसे पर आधारित हों। जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर में पेंशन फंड का पैसा लगाना, टेक कंपनियों का अपना ज्ञान साझा करना या बड़ी विदेशी कंपनियों का सप्लाई चेन बनाना, ये सब लंबे समय की जिम्मेदारियां होती हैं।

उन्होंने कहा कि निवेशक सबसे पहले ये देखते हैं कि जिस देश में वे पैसा लगा रहे हैं, वहां का कानून आगे भी ईमानदार, स्थिर और

भरोसेमंद रहेगा या नहीं। उनके मुताबिक असली बात सिर्फ कॉन्ट्रैक्ट निभाने की नहीं है, बल्कि पूरे रिश्ते में भरोसा बनाए रखने की है।

उन्होंने ये भी बताया कि पिछले 20 साल में बिजनेस विवादों का नेचर बदल गया है। पहले झगड़े आम तौर पर पेमेंट या सामान की सप्लाई जैसे सीधे मुद्दों पर होते थे, लेकिन अब ये लंबे और जटिल कारोबारी रिश्तों से जुड़े होते हैं, क्योंकि अर्थव्यवस्था भी बड़ी और जटिल हो गई है।

सीजेआई ने कहा कि अब कानून की जिम्मेदारी सिर्फ समझौते के वक्त तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि पूरे कारोबारी रिश्ते के दौरान भी न्याय बना रहना चाहिए।

कानून में स्थिरता ताकि अलग-अलग हालात में भी एक जैसे सिद्धांत लागू हों। विवाद होने से पहले ही उन्हें रोकने की संस्कृति, जिसमें गुड फेथ यानी ईमानदारी से अनुबंध निभाने की भावना हो। उन्होंने कहा कि अगर मध्यस्थता को बढ़ावा दिया जाए और विवादों को पहले ही सुलझाने की संस्कृति बने, तो इससे भारत की आर्थिक प्रतिस्पर्धा को बहुत फायदा होगा।

सरकार ने डीजल और एटीएफ निर्यात पर बढ़ाया 'विंडफॉल टैक्स' हवाई किराया हो सकता है महंगा, पेट्रोल की स्थिति सामान्य

एजेंसी

नयी दिल्ली : वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आए भारी उछाल के बीच भारत सरकार ने ईंधन के निर्यात पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में भारी वृद्धि की है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास आपूर्ति श्रृंखला में पैदा हुई बाधाओं के कारण वैश्विक तेल बाजार भारी दबाव का सामना कर रहा है।

कर की नई दरें: डीजल और एटीएफ पर भारी शुल्क

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल के निर्यात पर शुल्कों में भारी इजाफा किया गया है।

सरकार ने डीजल के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को 21.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। विमानन ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर टैक्स को 29.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 42 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। हालांकि, पेट्रोल के निर्यात पर

अभी भी पूरी तरह से छूट बरकरार रखी गई है।

भारत अपनी बेहतरीन रिफाइनिंग क्षमता के कारण एटीएफ का एक शुद्ध निर्यातक देश है। इसलिए, निर्यात शुल्क और घरेलू मूल्य निर्धारण में होने वाला कोई भी बदलाव देश के रिफाइनरों और एयरलाइंस, दोनों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

विमानन क्षेत्र पर दबाव और संभावित असर

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतों के कारण ईंधन की उच्च लागत का सामना कर रहा है। इन परिस्थितियों में सबसे बड़ा जोखिम यह है कि बढ़ती कीमतों का बोझ हवाई किराये के रूप में आम यात्रियों पर पड़ सकता है।

यात्रियों को महंगाई से बचाने के लिए सरकार के कदम

अधिकारियों के अनुसार, सरकार एयरलाइंस, यात्रियों और हवाई अड्डा संचालकों के हितों को संतुलित करने के लिए सक्रिय प्रयास कर रही है। इस दिशा में नागरिक उड्डयन मंत्रालय विभिन्न विभागों के संपर्क में है और राज्य सरकारों से मदद मांग सकता है।

एक नजर

ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

बरही : बरही चौक पर दोपहर करीब 12 बजे हुई सड़क दुर्घटना में बबलू राणा उम्र करीब 35 वर्ष पिता मनोज राणा, पंचमाधव निवासी की मौत इलाज के दौरान सदर अस्पताल हजारीबाग में हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक संख्या जे.एच.0.2.ए.जी 8582 हजारीबाग की ओर जा रही थी। इसी क्रम में ट्रक ने बाइक संख्या जेएच02बीबी 1710 अपाचे बाइक को अपने चपेट में ले किया, जिससे बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों के मदद से बाइक सवार घायल युवक को बरही अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

द्वितीय जिला योगासन चैंपियनशिप आज

हजारीबाग : जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार 12 अप्रैल को विनोबा भावे विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में "द्वितीय हजारीबाग जिला योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप" का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देते हुए एसोसिएशन के सचिव विनीत सिंह तथा सहसचिव सुरभी सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन और रिपोर्टिंग का समय सुबह 9:00 बजे निर्धारित किया गया है। इसके पश्चात सुबह 11:00 बजे कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन विभाविव के कुलपति के द्वारा किया जाएगा। इस चैंपियनशिप में जिले भर के विभिन्न स्कूलों और क्लबों के सैकड़ों खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। एसोसिएशन ने सभी अभिभावकों, शारीरिक शिक्षकों और खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर बच्चों का उत्साहवर्धन करें। जो खिलाड़ी इसमें भाग लेना चाहते हैं, वे कल सुबह 9:00 बजे सीधे विवेकानंद सभागार पहुंचकर अपना पंजीकरण सुनिश्चित करा सकते हैं। यह प्रतियोगिता 'योगासन भारत' के नियमों के आधार पर आयोजित की जा रही है।

फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर बीएलटीएफ बैठक कल

बरही : फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर 13 अप्रैल को बरही अनुमंडलीय अस्पताल की ओर से महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस सम्बंध में डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने प्रशासनिक अधिकारियों, प्रतिनिधियों जिनमें जिला परिषद उपाध्यक्ष, ज़िप प्रतिनिधि,प्रमुख, उपप्रमुख ,सांसद एवं विधायक प्रतिनिधि, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, सहित प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों के जनप्रतिनिधियों, एवं हॉस्पिटल मैनेजमेंट सोसायटी के सदस्यों को शामिल होने का अपील करते हुए पत्र जारी किया। उन्होंने बताया कि उक्त बैठक 13 अप्रैल को समय दोपहर 12 बजे प्रखंड कार्यालय सभागार होगा। इस सम्बंध में उपाधीक्षक ने सभी संबंधित लोगों से बैठक में उपस्थित होकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

अदाणी फाउंडेशन के विशेष स्वास्थ्य शिविर में 38 मरीजों की जांच

- महिलाओं में टीबी एवं मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर जागरूकता, 70 सैनिटरी पैड वितरित
- 33 हीमोग्लोबिन जांच में 12 में पाई गई कमी आयरन टैबलेट एवं संतुलित आहार की दी गई सलाह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : गोंदुलपारा खनन परियोजना के तहत अदाणी फाउंडेशन की ओर से बेस स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना एवं प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। इस शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आयुषी कमल, डॉ. सुधांशु शेखर और एएनएम संगीता कुमारी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों–साहेब राणा, राकेश भोक्ता, विद्यालय के प्रधानाध्यापक छत्री गोप एवं जीवन कुमार दास– की सक्रिय उपस्थिति रही। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शिविर का लाभ उठाया। इस दौरान कुल 38 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच सेवाओं में 33 हीमोग्लोबिन टेस्ट, 6 शुगर टेस्ट एवं 13 ब्लड प्रेशर जांच शामिल रहे। हीमोग्लोबिन जांच में 12 मरीजों में कमी पाई गई, जिन्हें संतुलित आहार अपनाने की सलाह के साथ आयरन की गोलियां भी प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त महिलाओं के बीच 70 सैनिटरी पैड का वितरण किया गया।

शिविर के दौरान महिलाओं को क्षय रोग (टीबी) एवं मासिक धर्म स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है और खांसने, छींकने या थूकने से फैलती है। लगातार दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, वजन घटना और रात में पसीना आना इसके प्रमुख लक्षण हैं। उन्होंने बताया कि टीबी पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है, बशर्ते मरीज पूरा उपचार कोर्स समय पर पूरा करे। साथ ही स्वच्छता, पौष्टिक आहार एवं नियमित दवा सेवन को आवश्यक बताया गया। अदाणी फाउंडेशन की ओर से बड़कागांव प्रखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका संवर्धन एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य शिविर, स्कूलों का उन्नयन, कौशल विकास प्रशिक्षण एवं सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में सार्थक प्रयास जारी हैं।

वकील दास एवं झूनिया देवी की निर्मम हत्या का जल्द होगा खुलासा

- दोषी पकड़ा जाएगा, हत्या करने वाले जेल जाएंगे : दीपक कुमार सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बादम के बाबूपारा में बीते 15 फरवरी 2026 को वकील दास और झूनिया देवी का गला रेतकर निर्मम हत्या कर दिया गया था। जिसका खुलासा अब तक नहीं हो सका है। मामले को लेकर वर्तमान थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने इसे प्राथमिकता से लेते हुवे कहा की दोषी पकड़ा जाएगा।बुजुर्ग की हत्या करने वाले जेल जाएंगे। कानून व्यवस्था ठीक करना हमारी प्राथमिकता। मौके पर मुख्य रूप से मुखिया प्रतिनिधि दीपक दास, रामविलास दास, एवं धनेश्वर दास सहित ग्रामीण भी उपस्थित थे।

बी.एम. मेमोरियल स्कूल में ज्योतिबा फुले के जयंती मनाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड के हजारीबाग रोड स्थित अंग्रेजी माध्यम से संचालित बीएम मेमोरियल स्कूल में निदेशक संदीप कुशवाहा और उपनिदेशक दिनकर कुशवाहा के नेतृत्व में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों व विद्यार्थियों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके नमन किया। मौके पर निदेशक संदीप कुशवाहा ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले एक महान समाज सुधारक एवं शिक्षाविद महात्मा थे। उनकी जयंती पर मैं शत-शत नमन करता हूं एवं उनके मार्गदर्शन पर हम सभी विद्यार्थियों को चलना चाहिए। उन्होंने रूढ़िवाद को चुनौती दी और

दलितों एवं महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। फुले को भारत में सामाजिक न्याय आंदोलनों की नींव रखने का श्रेय दिया जाता है। उपनिदेशक दिनकर कुशवाहा ने कहा कि महान समाज सुधारक एवं शिक्षाविद महात्मा ज्योतिबा फुले जी को उनकी जयंती पर सादर नमन करते है उन्होंने शिक्षा को समाज सुधार का सबसे प्रभावी माध्यम मानते थे। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा के लिए अभूतपूर्व कार्य किए तथा 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना कर समाज में समानता और न्याय की दिशा में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। मौके पर प्राचार्य कैलाश कुमार, उपप्राचार्य पूनम कुमारी, वरिष्ठ शिक्षक ब्रह्मदेव सिंह चौहान, शिक्षा अध्यक्ष रंजीत कुमार, ऋषभ अग्रवाल, अभिषेक कश्यप, एरिका टोप्पो, आनंदित दास, विकास ठाकुर,आदित्य कुमार सहित दर्जनों की संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

कुशवाहा महासभा की महत्वपूर्ण बैठक, उमेश दांगी बने संयोजक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा, हजारीबाग इकाई की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को डीवीसी परिषदन परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उमेश दांगी ने की। बैठक में समाज के संगठनात्मक विस्तार और मजबूती को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से जिला स्तरीय तदर्थ कमेटी का गठन किया गया। कमेटी के संयोजक पद की जिम्मेदारी उमेश दांगी को सौंपी गई, जबकि दिगम्बर मेहता को संरक्षक मनोनीत किया गया। इस मौके पर उपस्थित सदस्यों ने नवगठित कमेटी से समाज को नई दिशा देने की उम्मीद जताई। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि समाज को संगठित और सशक्त बनाए बिना उसकी पहचान स्थापित करना संभव नहीं है। इसलिए संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने की आवश्यकता है। इस दिशा में सभी सदस्यों को सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया

गया। समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। उपस्थित समाजसेवियों ने शिक्षा, सामाजिक एकता, रोजगार और राजनीतिक भागीदारी जैसे विषयों को प्रमुखता से उठाया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के लोगों को एकजुट कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत राजनीतिक पहचान दिलाना समय की मांग है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी 2 मई को एक अहम बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें संगठन के विस्तार, सदस्यता अभियान और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी। इसके लिए सभी सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्र से गणमान्य लोगों की सूची तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई। अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने समाज को संगठित करने और उसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया। बैठक में जिला परिषद सदस्य राम प्रसाद, अशोक मेहता, बबलू कुशवाहा, सुनील मेहता, कुशन चंद्र मेहता, कृष्णा कुशवाहा, ज्ञानी प्रसाद मेहता, संगीता कुमारी, इंद्र नारायण कुशवाहा समेत दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रौनक सिंह ने बनाई नमन विद्या स्कूल रोड, स्थानीय लोगों को मिली राहत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग में एक बार फिर यह साबित हो गया कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी काम असंभव नहीं है। जहां एक ओर जनप्रतिनिधियों ने वर्षों तक क्षेत्र की सड़क की गंभीर समस्या को नजरअंदाज किया, वहीं युवा रौनक सिंह ने अपनी मेहनत और लगन से इतिहास रच दिया। गौरतलब हो कि नमन विद्या स्कूल रोड की स्थिति काफी दयनीय थी। इस रास्ते से न तो गाड़ियां चल पाती थीं और न ही लोगों का पैदल आना-जाना आसान था। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती थी, जिससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। स्थानीय लोगों ने कई बार इस समस्या को लेकर नेताओं और प्रशासन से गुहार लगाई, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला। कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिससे लोगों में निराशा बढ़ती जा रही थी। ऐसे हालात में रौनक सिंह ने ठान लिया कि अब इंतजार नहीं, बल्कि खुद पहल करनी होगी। उन्होंने बिना किसी सरकारी मदद के अपने स्तर पर सड़क निर्माण का

कार्य शुरू किया। कड़ी मेहनत, समय और संसाधनों के सहयोग से उन्होंने इस सड़क को तैयार कर दिखाया। आज नमन विद्या स्कूल रोड पूरी तरह से चलने लायक बन चुकी है, जिससे क्षेत्र के लोगों को काफी राहत मिली है। बच्चों को स्कूल जाने में सुविधा हो रही है और आम लोगों का आवागमन भी सुगम हो गया है। रौनक सिंह का यह कदम न केवल एक सड़क निर्माण का कार्य है, बल्कि यह समाज के लिए एक मजबूत संदेश भी है कि बदलाव के लिए सिर्फ सरकार पर निर्भर रहना जरूरी नहीं, बल्कि आम लोग भी आगे आकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। युवा समाजसेवी रौनक सिंह ने बताया कि सड़क की स्थिति काफी खराब थी। इसलिए इसे अपने स्तर से बनाना ही सही समझा।

विद्यालयों में संचालित विभागीय कार्यक्रमों की समीक्षा को लेकर मासिक गुरु गोष्ठी की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सह समन्वयक प्रखंड संसाधन केंद्र बड़कागांव विजय राम की अध्यक्षता में सभी प्रधानाध्यापक/वार्डन सभी प्राथमिक विद्यालय ,उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, मध्य विद्यालय, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, उत्क्रमित उच्च विद्यालय, उच्च विद्यालय,+ टू उच्च विद्यालय, के.जी बी भी.बड़कागांव के समस्त प्रधानाध्यापक सह सचिव की उपस्थिति में विद्यालय में संचालित विभागीय कार्यक्रमों की समीक्षा एवं प्राप्त निदेशों के संप्रेषण को लेकर

कन्या मध्य विद्यालय बड़कागांव में मासिक गुरु गोष्ठी की बैठक आहूत की गई है। बीईईओ विजय राम ने कहां की प्रखंड के समस्त शिक्षकों के सहयोग से ही प्रखंड को शिक्षा के स्तर में जिला एवं राज्य में उबाल स्तर पर रखा जा सकता है सभी के सहयोग से ही सभी कार्य समय पर निष्पादित होंगे।सभी विद्यालयों में सभी शिक्षक आपस में सामंजस बनाकर एक दूसरे का सहयोग करते हुए सभी कार्यों को समय से निष्पादित करें। विद्यालय में संचालित कार्यक्रमों से संबंधित एजेंडावार प्रतिवेदन के साथ ससमय अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। इस बैठक का मुख्य एजेंडा था टीचर अटेंडेंस एंड स्टूडेंट अटेंडेंस, यू डाइस प्लस, प्रयास कार्यक्रम, प्रोजेक्ट रेल, बुनियादी साक्षरता सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम की समीक्षा , मध्यान भोजन , एमडीएम एसएमएस , एस एम - II 2 एग्जाम ईविद्यावाहिनी अपलोड , एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम पर चर्चा, एफ.एल.एन. किट का उपयोग पर चर्चा आदि मासिक प्रतिवेदन के साथ उपस्थित थे। मौके पर संकुल साधन सेवी, प्रखंड साधन सेवी, आर टी, रूम टू रीड, पिरामल फाऊंडेशन, डाटा एंट्री ऑपरेटर, एमडीएम ऑपरेटर, एमआईएस एवं बीपीएम बड़कागांव उपस्थित थे। बैठक में मुख्य रूप से बीईईओ विजय राम, बीआरपी धनंजय कुमार दास, सीआरपी दीपक कुमार ,तनवीर आलम, लखन महतो, सागर कुमार गुप्ता , शिक्षक अशोक कुमार, रवि शंकर पाठक, उमेश कुमार महतो , दीपक कुमार, नरेश यादव, त्रिभुवन महतो, प्रेम कुमार राणा सहित समस्त सीआरपी बीआरपी एवं सचिनगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में धूमधाम से मनाई गई कस्तूरबा गांधी जयंती

बरही : कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बरसोत में कसूरतबा गांधी जयंती पर शनिवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता वार्डन रौशनी बाड़ा एवं संचालन अविनाश गौतम ने किया। जिसमें मुख्य रूप से स्थानीय मुखिया मोतीलाल चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष मालती देवी शामिल हुए। इस दौरान सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वहीं मौके पर मौजूद अतिथियों एवं विद्यालय के शिक्षकों ने कस्तूरबा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्प एवं माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें संगीत एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। मोतीलाल चौधरी ने छात्रों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व के बारे में बताया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरित किया, साथ ही कार्यक्रम के दौरान वार्षिक परीक्षा एवं अन्य परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पांचवा स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जबकि नियमित उपस्थिति के लिए भी छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का समापन विद्यालय की वार्डेन रौशनी बाड़ा के प्रेरणादायक भाषण के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर लेखापाल फराह खान, संयुक्ता सिंह, पिंकी कुमारी, अशोक कुमार यादव, अनिल कुमार, उपेन्द्र कुमार, पायल कुमारी, पिंटू कुमार, उर्मिला देवी एवं गणेश कुमार सहित कई छात्र एवं छात्राएं मौजूद थे।

ग्राम कोदवे में दो मोटरसाइकिल की टक्कर में एक घायल

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के अंतर्गत ग्राम कोदवे में शनिवार के शाम लगभग पांच बजे केरेडारी– बड़कागांव रोड़ स्थित कोदवे के पास विपरीत दिशा से आ रहे दो बाईक चालक आपस मे जोरदार तरीके से टकरा गए जिससे बाइक चालक रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र अंतर्गत तिरी गांव निवासी नारायण महतो के पुत्र अजय महतो व केरेडारी थाना क्षेत्र के कंडाबेर निवासी सोहर साव के पुत्र सुरेश साव घायल हो गए। स्थानीय लोग दोनो को तुरत केरेडारी सीएचसी पहुँचाया जहां डॉक्टर ने गम्भीर रूप से घायल अजय महतो को सेखभीखरी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल हजारीबाग रेफर कर दिया है। बताया जा रहा है कि सुरेश केरेडारी से अपना गांव कंडाबेर लौट रहा था वहीं अजय देसवारी से पगार गांव जा रहा था इसी बीच कोदवे के पास दोनो बाइक में टक्कर हो गयी जिससे दोनो सड़क पर हिं गिर गए।

मदगोपाली में चोरों का आतंक, दान पेटी से नकदी गायब

चौपारण : प्रखंड के यवनपुर पंचायत अंतर्गत मदगोपाली स्थित देवी मंडप सह शनि मंदिर में शुक्रवार देर रात चोरी की घटना से क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। अज्ञात चोरों ने मंदिर की दान पेटी तोड़कर उसमें रखे करीब 15 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी देते हुए युवा विकास केंद्र, मदगोपाली के अध्यक्ष बैजनाथ प्रसाद गुप्ता, पिता स्व. शुकर साव ने थाना में लिखित आवेदन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 11 से 12 बजे के बीच चोर मंदिर परिसर में घुसे और दान पेटी उठाकर ले गए। बाद में पेटी को मंदिर के समीप ही फेंक दिया गया, जिसमें रखी पूरी राशि गायब थी। शनिवार सुबह पूजा के लिए पहुंचीं महिलाओं ने दान पेटी टूटी हुई देखी, तब घटना का खुलासा हुआ। इसके बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति दान पेटी ले जाते हुए नजर आया है।घटना के बाद ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि मंदिर में पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मामले की शीघ्र जांच कर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

केदारुत मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव ने विद्यार्थियों के बीच किया पोशाक का वितरण

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत केदारूत पंचायत स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय कजरा देवचन्दा एवं कटीऔन के 53 छात्र–छात्राओं के बीच जूता मौजा एवं ड्रेस का वितरण किया गया। पोशाक वर्ग पहला और दूसरा के छात्र–छात्राओं को दिया गया। इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव ने कहा कि सरकार द्वारा छात्र–छात्राओं के लिए मध्याह्न भोजन, पोशाक, छात्रवृत्ति व पुस्तक आदि दिया जाता है। उन्होंने कहा कि नियमित विद्यालय आकर पठन–पाठन कर। कहा कि इस जीवन में शिक्षा का बहुत ही महत्व है। पोशाक मिलने से छात्र–छात्राओं में हर्ष देखा गया। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव, पंचायत समिति सदस्य विकास सिंह, समाजसेवी इंद्रदेव ठाकुर ,प्रधानाध्यापक निर्मल राम, प्रधानाध्यापक देवचन्दा तुलेश्वर सिंह, प्रधानाध्यापक कटीऔन, रुपा देवी वार्ड सदस्य, ममता देवी पूर्व वार्ड सदस्य, अनिल राम, आशा देवी, मंजू देवी, मोनिका देवी सहित कई अभिभावक एवं विद्यालय के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

एक नजर

श्री श्याम इंटरप्राइजेज ने अल्ट्राटेक (यूबीएस) की 12वीं वर्षगांठ मनाई

सिल्ली: शनिवार के दिन श्री श्याम इंटरप्राइजेज ने अल्ट्राटेक (यूबीएस) की 12वीं वर्षगांठ पूरे धूमधाम से मनाई।इस वर्षगांठ में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो उपस्थित रहे साथ ही रांची जिला परिषद उपाध्यक्ष बिना चौधरी,जिप सदस्य लक्ष्मी कुमारी,प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बड़ाईक समेत आजसू के केंद्रीय संगठन सचिव जयपाल सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रामगोपाल केडिया ने किया।कार्यक्रम में अल्ट्राटेक कंपनी की ओर से स्वपनील मिश्रा,चैतन्य द्विवेदी, अजीत कुमार,राहुल सहदेव, प्रकाश महतो,सत्या पांडे, आकाश, राजकुमार उपस्थित रहे। अल्ट्राटेक के अधिकारियों ने उपस्थित अभियंताओं,संवेदकों, राजमिस्त्रियों एवं ग्राहकों को अल्ट्राटेक सीमेंट की गुणवत्ता और मजबूती के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। इसी क्रम में श्री श्याम इंटरप्राइजेज की ओर से आकर्षक क्विज प्रतियोगिता एवं हौजी खेल कराया गया और प्रतिभागियों के बीच आकर्षक उपहार वितरण कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का समापन नेटवर्क शर्मा के द्वारा उपस्थित लोगों के बीच संबोधन कर किया गया। इस मौके पर राजकुमार केडिया,विजय जलान,प्रवीण अग्रवाल,संजय भगत,राधेश्याम साहू,कृष्णा महतो,बबलू साव, नागेंद्र नाथ गोस्वामी,महिपाल महतो,उत्तम साहू,दिनेश साहू, मदन सिंघानिया,शिवप्रसाद एवं चंद्रमोहन महतो समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

महिला की हत्या के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

रांची : झारखंड की राजधानी रांची से एक सनसनीखेज हत्या मामले में अदालत ने सख्त रुख अपनाया है। प्रेम विवाह में बाधा बनने पर युवती की मां की कुल्हाड़ी से हत्या करने के आरोपित की जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी है। अपर न्यायायुक्त संजीव झा की अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपित को राहत देने से इनकार कर दिया। दरअसल, यह घटना 16 जनवरी 2026 की है, जिसके संबंध में तमाड़ थाना में कांड संख्या 6/2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस के अनुसार, तमाड़ थाना क्षेत्र के नावाडीह निवासी जम्बी कुमारी की शादी खूंटी जिले के टोटवादा निवासी लाचू पाहन से हुई थी। लेकिन शादी के महज दो महीने बाद ही एक सड़क दुर्घटना में लाचू पाहन की मौत हो गई, जिसके बाद जम्बी अपने मायके लौट आई थी।

आज हटिया कामगार यूनियन का सम्मेलन

रांची : हटिया कामगार यूनियन (एटक) का 17वां सम्मेलन 12 अप्रैल 2026 को केदार दास हॉल में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन रविवार सुबह नौ बजे से शुरू होगा, जिसमें यूनियन के सदस्य और पदाधिकारी बड़ी संख्या में भाग लेंगे। यूनियन के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सभी सदस्यों से समय पर उपस्थित होने की अपील की है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में देश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों के संदर्भ में मजदूर आंदोलन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके अलावा एचईसी में हुए विभिन्न आंदोलनों की समीक्षा करते हुए भविष्य की रणनीति और आंदोलन के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। यूनियन के आय-व्यय का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया जाएगा।

मातृ मृत्यु दर को शून्य के करीब लाना हमारा संकल्प : इरफान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर पर रांची में शनिवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने की।

डॉ. इरफान अंसारी ने इस अवसर पर कहा कि किसी भी मां की मौत स्वीकार्य नहीं है और मातृ मृत्यु दर को शून्य के करीब लाना सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में तीसरे स्थान से पहले स्थान पर लाना सरकार का लक्ष्य है, जिसके लिए व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के लिए राज्यभर में थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और कुपोषण की रोकथाम के लिए मेगा स्क्रीनिंग अभियान चलाया जाएगा। साथ ही डिजिटल हेल्थ सिस्टम को मजबूत करने के लिए 42,000 सहिया कार्यकर्ताओं को एक माह के भीतर टैबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकें। उन्होंने किशोरियों की शिक्षा, एनीमिया नियंत्रण और बाल विवाह रोकने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि स्वस्थ मातृत्व के लिए यह आवश्यक है। ममता वाहन सेवा और सहिया कार्यकताओं की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने संस्थागत प्रसव बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

इस अवसर पर अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि किसी राज्य के विकास का आकलन मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) और शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) जैसे सूचकों से किया जाता है। वहीं, यूनिसेफ की प्रतिनिधि पारुल शर्मा ने झारखंड को मातृ-शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में उभरता मॉडल बताया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों ने उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) की समय पर पहचान और प्रबंधन पर जोर दिया। सभी वक्ताओं ने सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

स्वस्थ ग्रामीण से स्वस्थ गांवः उषा मार्टिन फाउंडेशन ने 6000 ग्रामीणों तक पहुंचाई स्वास्थ्य सेवा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : स्वस्थ ग्रामीण से स्वस्थ गांव की पहल के तहत उषा मार्टिन फाउंडेशन ने इस वित्तीय वर्ष में एक मिसाल पेश की है। टाटीसिलवे स्थित कारखाने के आसपास के 18 गांवों में सघन स्वास्थ्य अभियान चलाकर हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया गया है।

जनजातीय क्षेत्रों पर विशेष फोकस

उषा मार्टिन फाउंडेशन के हेड डॉ. मयंक मुरारी ने जानकारी देते हुए बताया कि शालिनी अस्पताल के सहयोग से कुल 5668 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच और उपचार किया गया।

चलंत मेडिकल यूनिटः सुदूर वन क्षेत्रों में रहने वाले 4000 से अधिक जनजातीय लोगों को उनके घर के पास ही चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई।

बढ़ता दायराः पिछले वर्ष की तुलना में इस बार लाभार्थियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, जहाँ पिछले साल 2000 लोगों का इलाज हुआ था।

मोतियाबिंद मुक्त अभियान और पोषण सहायता

फाउंडेशन ने आंखों की देखभाल के लिए साल भर विशेष अभियान चलायाः

नेत्र ज्योतिः गरीब परिवारों के 217 लोगों का निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन कराया गया और उन्हें चश्मा वितरित किया गया।

टीबी एवं कुपोषणः कारखाने के समीपवर्ती गांवों के 50 टीबी मरीजों को नियमित रूप से पोषण किट उपलब्ध कराई गई।

एनीमिया और प्रसवः सिलवई, उलातु और अनगड़ा जैसे गांवों में किशोरियों में एनीमिया के खिलाफ जागरूकता और महिलाओं के लिए संस्थागत प्रसव को बढ़ावा दिया गया।

पेयजल और स्वच्छता के लिए ठोस कदम

स्वस्थ जीवन के लिए शुद्ध पानी की अनिवार्यता को देखते हुए बुनियादी ढांचे पर भी काम किया गयाः

चापाकल मरम्मतः पंचायत स्तर पर 29 चापाकल और जलमीनार की मरम्मत कराई गई।

सौर ऊर्जाः जल प्रणालियों को टिकाऊ बनाने के लिए उन्हें सौर ऊर्जा से संचालित किया गया, जिससे 500 घरों को शुद्ध पेयजल मिल रहा है।

स्वच्छताः ग्रामीण स्कूलों में छात्राओं के लिए सेनेटरी पैड की उपलब्धता सुनिश्चित की गई और आयुर्वेद जैसी भारतीय चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा दिया गया।

निरोग गांव का संकल्प

डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि संस्था का लक्ष्य ग्रामीणों की जीवनशैली में सुधार करना और उन्हें वैकल्पिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना है। इस पहल से न केवल बीमारियां कम हुई हैं, बल्कि ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है।

रांची बीसीआई टाइटेनियम की नई कार्यकारिणी का गठन

रांची : रांची बीसीआई टाइटेनियम की नई कार्यकारिणी का गठन शनिवार को एक स्थानीय होटल में आयोजित बैठक में औपचारिक रूप से किया गया। इस दौरान सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पदभार ग्रहण किया। बैठक में सर्वसम्मति से अनुज अग्रवाल को अध्यक्ष, संतोष सोनी को उपाध्यक्ष, सुदर्शन अग्रवाल को सचिव और अमिताभ भेंगराज को कोषाध्यक्ष चुना गया। शिव कुमार ने सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष अनुज अग्रवाल ने कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय और प्रभावशाली बनाने के लिए टीम भावना के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीसीआई टाइटेनियम व्यवसायिक हितों की रक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में भी सक्रिय भूमिका निभाएगा।

श्री श्याम मंदिर में 195वां भंडारे का आयोजन केसरिया लस्सी के भोग से तृप्त हुए श्रद्धालु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में शनिवार को श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा 195वें श्री श्याम भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। भक्ति और सेवा के इस समागम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने पूरे क्षेत्र को 'खाटू नरेश' के जयकारों से गुंजायमान कर दिया।

भंडारे की शुरूआत बाबा श्याम को विशेष भोग लगाने के साथ हुई। कल्पना अडूकिया एवं परिवार ने संयुक्त रूप से बाबा श्याम को केसरिया लस्सी का भोग लगाया। प्रथम पूज्य श्री गणेश जी महाराज के जयघोष के साथ भक्तों के बीच शीतल केसरिया लस्सी का वितरण प्रारंभ हुआ। मंदिर परिसर भक्तों से खचाखच भरा रहा और हरमू रोड पर प्रसाद ग्रहण करने के लिए भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच युद्ध की स्थिति के कारण वैश्विक स्तर पर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस का संकट बना हुआ है।

इसी संवेदनशीलता को देखते हुए मंडल ने फिलहाल हर शनिवार के 'भोजन भंडारे' को स्थगित कर उसके स्थान पर फल, शरबत और लस्सी जैसे अल्पाहार भंडारे की व्यवस्था की है।

खिजरी विधायक ने नामकुम प्रखण्ड परिसर में आधार सेवा केंद्र का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नामकुम प्रखण्ड परिसर में आधार सेवा केंद्र का आज विधिवत उद्घाटन खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप ने किया। मौके पर विधायक ने कहा कि आज के दिन में सभी को आधार का होना अनिवार्य है। अब नामकुम प्रखण्ड परिसर में आधार केन्द्र खुल जाने से सभी को सुविधा उपलब्ध हो जायेगा। उद्घाटन समारोह में निदेशक नीरज कुमार द्वारा के द्वारा बताया गया कि इस आधार केन्द्र में 18 साल के नीचे का सभी प्रकार काम होगा। सभा संबोधन करते हुए प्रखण्ड प्रमुख आशा कच्छप ने कहा कि प्रखण्ड वासियों को आधार केन्द्र खुलने से सुविधाएं मिलेंगी। आपको बताता दे कि यह आधार सेवा केंद्र क्षेत्र के नागरिकों को आधार नामांकन, अद्यतन एवं सुधार जैसी विभिन्न सेवाएं सुलभ एवं सुगम तरीके से उपलब्ध कराएगा। इससे नामकुम एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को काफी सुविधा होगी तथा डिजिटल सेवाओं की पहुंच को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने आधार की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए उरउ के माध्यम से अंतिम पंक्ति तक सेवाएं पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। यह पहल डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने और आम नागरिकों को सरकारी सेवाओं तक सहज पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मौके पर स्टेट हेड शंभू, प्रशांत कुमार सीएससी यूआईडीएआई अंचल अधिकारी कमल किशोर सिंह, प्रमुख आशा कच्छप, उपप्रमुख वीणा देवी, जिला परिषद सदस्य रामावतार केरकेट्टा, जिला परिषद सदस्य बिपिन टोप्पो, मुखिया कामेर्ला कच्छप,संतोष कुमार बड़ाइक, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

मैट्रिक-इंटर रिजल्ट का काउंटडाउन शुरू सीबीएसई से पहले आएगा परिणाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (खअउ) ने मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणामों को लेकर अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस साल झारखंड बोर्ड सीबीएसई (उइरए) से पहले रिजल्ट जारी कर एक नया कीर्तिमान स्थापित करने की तैयारी में है।

अगले हफ्ते जारी होगा रिजल्टः 15 से 20 अप्रैल के बीच की तारीख तय

जैक सचिव जयंत कुमार मिश्र के अनुसार, कॉपियों का मूल्यांकन कार्य संपन्न हो चुका है। बोर्ड 15 से 20 अप्रैल के बीच आधिकारिक तौर पर परिणाम घोषित कर सकता है। मैट्रिक के साथ-साथ इंटरमीडिएट विज्ञान और वाणिज्य संकाय के नतीजे एक साथ जारी होंगे। कला संकाय का रिजल्ट इसके कुछ दिनों बाद जारी किया जा सकता है। बोर्ड परीक्षाओं से पहले यानी 15 अप्रैल तक कक्षा 9वीं और 11वीं का रिजल्ट भी जारी कर दिया जाएगा।

परीक्षा के आंकड़ेः 7.48 लाख परीक्षार्थियों का इंतजार

राज्य में इस वर्ष 3 से 23 फरवरी तक आयोजित बोर्ड परीक्षाओं में भारी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया था। मैट्रिक परीक्षार्थीः 4,23,861, इंटरमीडिएट परीक्षार्थीः 3,24,321 । मैट्रिक के लिए 1232 और इंटर के लिए 757 केंद्र बनाए गए थे।

कहाँ और कैसे देखें परिणाम?

छात्र अपना रिजल्ट जैक की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकेंगे। इसके अलावा, तकनीकी सुगमता के लिए इस बार डिजीलॉकर पर भी मार्कशीट उपलब्ध कराई जाएगी। जैक सचिव ने आश्वस्त किया है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में एसओपी का कड़ाई से पालन किया गया है और कई स्तरों पर जांच की गई है ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि न रहे।

सीबीएसई से आगे, पर बिहार से पीछे

झारखंड बोर्ड ने इस बार समय से पहले रिजल्ट देने का लक्ष्य रखा है, जिससे छात्रों को उच्च शिक्षा के नामांकन में सुविधा होगी। हालांकि, पड़ोसी राज्य बिहार ने पहले ही अपने नतीजे घोषित कर दिए हैं, लेकिन जैक का यह कदम सीबीएसई परीक्षार्थियों की तुलना में झारखंड के छात्रों को बढ़त दिलाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सदर अस्पताल के रक्तदान शिविर में 25 लोगों ने किया रक्तदान

खूंटी : स्थानीय सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक के तत्वावधान में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस), की ओर से बहुउद्देशीय भवन तिरला सीएलएफ में शनिवार को स्वास्थ्य जांच सह रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ आनंद किशोर उरांव और जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनीषा सांचा ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे सखी मंडल, कर्मचारी एवं महिला समूहों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर डॉ आनंद किशोर उरांव ने कहा कि रक्तदान को महादान की श्रेणी में रखा गया है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को इस पुनीत कार्य के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने लोगों को नियमित रूप से रक्तदान के लिए प्रेरित किया। वहीं जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनीषा सांचा ने कहा कि जनहित में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी लगातार इस प्रकार के सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रही है और भविष्य में भी प्रखंड स्तर पर ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर में कुल 70 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिनमें से लगभग 25 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इनमें 9 महिलाओं की ओर से रक्तदान किया जाना समाज के लिए एक प्रेरणादायक पहल माना जा रहा है। काउंसलर निशांत झा ने रक्तदाताओं को आवश्यक परामर्श दिया। शिविर में बिनीता तिर्की, रमेश नायक, बिमल गुलशन एक्का, जयमशीह मुंडू, पुष्पा देवी, बिरंग कांडी, पास्कर कांडी सहित अन्य लोगों ने रक्तदान किया। शिविर को सफल बनाने में रमेश नायक, चंदन, सुषमा दीवार, ब्रजबीन कुमार, विजेंद्र कुमार सहित कई लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

सदर अस्पताल के उपाधीक्षक ने ऑन्कोलॉजी विभाग का किया औचक निरीक्षण

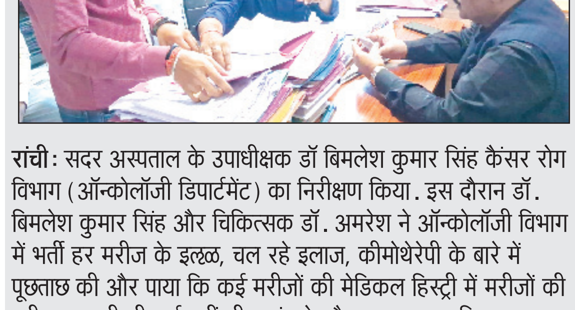

रांची: सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ बिमलेश कुमार सिंह कैंसर रोग विभाग (ऑन्कोलॉजी डिपार्टमेंट) का निरीक्षण किया. इस दौरान डॉ. बिमलेश कुमार सिंह और चिकित्सक डॉ. अमरेश ने ऑन्कोलॉजी विभाग में भर्ती हर मरीज के इल्ळ, चल रहे इलाज, कीमोथेरेपी के बारे में पूछताछ की और पाया कि कई मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री में मरीजों की पूरी जानकारी भी दर्ज नहीं थी. जांच के दौरान पाया गया कि सदर अस्पताल में जांच की व्यवस्था होने के बावजूद कई मरीजों से बाहर जांच करवाया गया. उपाधीक्षक ने ऑन्कोलॉजी विभाग की नर्सिंग हेड को उनके कमरे में एक निजी पैथोलॉजी और इमेजिंग सेंटर का विजिटिंग कार्ड मिलने पर फटकार लगाई. सदर अस्पताल के तीसरे फ्लोर पर ऑन्कोलॉजी विभाग के अंदर दवा की उपलब्धता की लिस्ट लगी हुई है. लिस्ट में दी गई कई दवाएं जनवरी, फरवरी या पिछले महीने मार्च में ही एक्सपायर हो चुकी थीं, फिर भी उन्हें स्टॉक में दिखाया जा रहा था. यह देखकर डॉ. बिमलेश कुमार भड़क गए. उन्होंने तुरंत डिस्प्ले बोर्ड को अपडेट करने के साथ सभी नर्सिंग स्टाफ, आयुष्मान मित्र और दूसरे कर्मचारियों को हर दिन सुबह 9:00 से 10:00 बजे के बीच मरीजों की सेवा करने का निर्देश दिया. उपाधीक्षक ने सभी स्टाफ को चेतावनी देते हुए कहा कि इस बार वे उन्हें चेतावनी देकर छोड़ रहे हैं, लेकिन अगली बार कार्रवाई की जाएगी.

नवनियुक्त कुरमाली विभागाध्यक्ष को छात्र नेता राजु महतो ने किया सम्मानित

सिल्ली : सिल्ली रांची विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर कुरमाली विभाग के नवनियुक्त विभागाध्यक्ष डॉ. तारकेश्वर मुंडा से शोधार्थी सह छात्र नेता राजू महतो उर्फ राजीव ने शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें पारंपरिक रूप से साल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राजू महतो ने कहा कि डॉ. तारकेश्वर मुंडा का विभागाध्यक्ष के रूप में नियुक्त होना कुरमाली भाषा एवं साहित्य के लिए गौरव का विषय है। उनके नेतृत्व में विभाग न केवल शैक्षणिक गतिविधियों में नई ऊर्जा प्राप्त करेगा, बल्कि शोध एवं भाषा संरक्षण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल करेगा। उन्होंने आगे कहा कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण वे विभाग द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में शामिल नहीं हो सके, जिसका उन्हें खेद है। बावजूद इसके, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर अपनी शुभकामनाएँ प्रकट कीं। मुलाकात के दौरान विभाग के समग्र विकास, विद्यार्थियों के हित एवं कुरमाली भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर सार्थक चर्चा हुई। मौके पर शोधार्थी जगतपाल महतो , नीरज महतो , चंचला कुमारी, संतोष टिडुआर, राजीव महतो , रेशमा मेहता, सुभाष महतो , जगजीवन, सलाबत समेत कोइ शोधार्थी और छात्र-छात्राएं मौजूद थे ।

सिल्ली के खेरडीह में श्री श्री तीन दिवसीय राम चरित्र मानस कथा का आयोजन

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड के खेरडीह ग्राम में तीन दिवसीय राम चरित्र मानस कथा का आयोजन किया गया है।प्रथम दिन खेरडीह ग्राम के सैकड़ो महिलाओं के द्वारा उरांव गढ़ा नदी से जल भर कर माथे में कलश लिए खेरडीह ग्राम बजरंग बली मंदिर पहुंची, और विधि विधान के साथ पूजा किया गया । पूजा विधिवत रूप से मनोरंजन पंडितजी द्वारा कराया गया। रात्री में रामायण कथा उत्वव के प्रथम दिन, हेमंती देवी नमिता पांडेय ,और उनके साथ रामायण मंडली के द्वारा राम कथा का आयोजन किया गया । दूसरा दिन शनिवार गीता देवी खेदाडीह अपने टीम के साथ कथा सुनाएंगी।ओर अंतिम दिन रबिवार को रातुली देवी अपने टीम के साथ राम कथा सुनाएंगी। इस कार्य में खेरडीह आयोजन समिति के,दिलीप महतो , नान्हु महतो, वासुदेव महतो, सावित्री देवी, लीलावती देवी , रामदास महतो, एवं समस्त रामायण मंडली खेरडीह के लोग सम्मिलित हुए।

एक नजर

अज्ञात वाहन की चपेट मे आने से एक हिरण की मौत

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत कानीकेंद मां चंचालनी धाम गेट स्थित पांच नंबर जंगल के समीप शनिवार करीब 11 बजे दिन अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक हिरण की दर्दनाक मौत हो गयी।घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर हिरण को अपने कब्जे में लिया। इसके बाद पोस्टमोर्टम के लिए कोडरमा भेज दिया गया है। इस घटना से क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है।लोगों का कहना है कि जंगल क्षेत्र के आस पास वाहनों की तेज रफ्तार पर रोक लगाने व वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है।

मसनोडिह में मानव तस्करी रोकथाम पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

कोडरमा : होली फैमिली एक यूनिट सेवा सदन के तत्वावधान में कोडरमा जिला अंतर्गत मसनोडिह पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र में एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय मानव तस्करी की रोकथाम एवं महिला एवं बच्चों के कानूनी अधिकार रहा। कार्यक्रम में अधिवक्ता के रूप में कुमार गौतम (कर्ण) ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मानव तस्करी के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त की और इससे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे जागरूकता, सतर्कता और कानूनी जानकारी के माध्यम से इस गंभीर अपराध पर रोक लगाई जा सकती है। साथ ही उन्होंने महिला एवं बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा कानूनों तथा सहायता के लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला में मसनोडिह पंचायत की मुखिया पुष्पा देवी, मसनोडिह निवासी परिजात सिंह , रंजन राय सिंह और आंगनबाड़ी केंद्र की संयोजिका पूनम देवी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए महिलाओं और बच्चों को आत्मनिर्भर एवं जागरूक बनने का संदेश दिया। वहीं होली फैमली यूनिट सेवा सदन की सहायिका सिस्टर रिया,संस्था के सहायक दिलीप कुमार पांडेय, फ्रांशीष मुर्मू ,सन्नी कुमार,अमर कुमार पांडेय सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी इस विषय पर अपने अनुभव साझा किए।

कबड्डी लीग सीजन-2: बी आर वॉरियर्स ने लहराया जीत का परचम

कोडरमा : झुमरी तिलैया में आयोजित कोडरमा कबड्डी लीग सीजन 2 में बी आर इंटरनेशनल स्कूल, चाराडीह की टीम बी आर वॉरियर्स ने शानदार और प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में लगातार बेहतरीन खेल दिखाते हुए फाइनल तक का सफर तय किया और अंत में विजेता बनकर उभरी। लीग चरण में बी आर वॉरियर्स ने अपने दोनों मुकाबलों में जीत हासिल कर अपनी मजबूत स्थिति बनाई। फाइनल मुकाबले में उनका सामना मॉडर्न मिरेकल्स से हुआ, जहां मैच बेहद रोमांचक और उतार-चढ़ाव से भरा रहा। मुकाबले के दौरान दो बार स्कोर बराबरी पर आ गया, जिससे दर्शकों के बीच रोमांच चरम पर पहुंच गया और यह अनुमान लगाना मुश्किल हो गया कि अंत में जीत किस टीम की होगी। दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन अंत में बी आर वॉरियर्स ने बेहतरीन तालमेल, तेज आक्रमण और सुदृढ़ रक्षा के दम पर 35 अंक बनाकर जीत हासिल की और ट्रॉफी अपने नाम कर ली। जीत के बाद टीम के ऑनर सह विद्यालय के निदेशक श्री ओम प्रकाश राय ने विद्यालय के प्रार्थना सभा में सभी खिलाड़ियों को अंगवस्त्र और मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

15 अप्रैल को कोडरमा में आप का धरना प्रदर्शन जनसमस्याओं को लेकर आंदोलन का एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आम आदमी पार्टी, कोडरमा जिला इकाई द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी गई है कि जिले में बढ़ती जनसमस्याओं, प्रशासनिक लापरवाही एवं अन्याय के खिलाफ दिनांक 15 अप्रैल 2026 को जिला मुख्यालय, कोडरमा में एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव ने जारी बयान में कहा कि कोडरमा में कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं एवं प्रशासनिक जवाबदेही की स्थिति अत्यंत चिंताजनक हो चुकी है। आम जनता न्याय के लिए भटक रही है, लेकिन जिम्मेदार पदाधिकारी मौन बने हुए हैं, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि थाना हाजत में संदिग्ध मौत, प्रसव के बाद स्वास्थ्य केंद्र की लापरवाही से महिला की मृत्यु, लंबित जांच वाले कई मामले एवं बुनियादी सुविधाओं की बदहाल स्थिति ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना एवं दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना ही इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य है। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह धरना 11 सूत्री मांगों के समर्थन में आयोजित किया जाएगा, जिसमें पीड़ितों को मुआवजा, दोषियों पर कार्रवाई, निजी विद्यालयों की मनमानी पर रोक, 24 घंटे बिजली एवं पेयजल आपूर्ति, किसानों के धान का भुगतान तथा महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं। जिला अध्यक्ष ने आम जनता से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस लोकतांत्रिक आंदोलन में भाग लेकर अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करें। साथ ही यह भी कहा गया है कि यदि समय रहते मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो आम आदमी पार्टी आंदोलन को और व्यापक एवं उग्र रूप देने को बाध्य होगी।

कोडरमा, झुमरीतिलैया, डोमचांच का सर्किट रेट घटा, अब कम लगेगा होल्डिंग टैक्स

लोगों ने विधायक डॉ नीरा यादव के प्रति जताया आभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राज्य सरकार द्वारा कोडरमा, झुमरीतिलैया और डोमचांच में सर्किल रेट कम किए जाने के बाद अब होल्डिंग टैक्स की दर भी कम हो जाएगी। यह 1 अप्रैल 2026 से प्रभावित होगा। इस आशय का पत्र और नए सर्किल रेट के आने के बाद लोगों ने इसके लिए स्थानीय विधायक डॉ नीरा यादव के प्रति आभार जताया है। ज्ञात हो कि कोडरमा, झुमरीतिलैया और डोमचांच में सर्किल रेट अधिक होने के कारण होल्डिंग टैक्स की दर कई अन्य बड़े शहरों से भी ज्यादा थी। विधायक डॉ नीरा यादव द्वारा विधानसभा में लगातार इस संबंध में आवाज उठाने, कई बार विरोध दर्ज करने के बाद राज्य सरकार ने सर्किल रेट को कम करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में सरकार के स्तर से पत्र भी निर्गत कर दिया गया है, जहां पहले 2360 रुपया सर्किल रेट था अब 1483, 6250 का 1648, 3900 का 2107, 6530 का 2481, 5860 का 3021, 6840 का 3372, 4890 का 2585, 7220 का 3039, 7020 का 3671 और 7810 का 4098 रुपया सर्किल रेट तय किया गया है। इसके साथ ही झुमरीतिलैया नगर परिषद, कोडरमा नगर पंचायत और डोमचांच नगर पंचायत तीनों जगहों पर एक समान सर्किल रेट हो गया है। इससे होल्डिंग टैक्स की दर भी कम होगी और लोगों को भुगतान करने में आसनी होगी। इस निर्णय पर भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों ने विधायक को बधाई देते हुए आभार जताया है। बधाई देने वालों में भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, महामंत्री विजय यादव, सूरज प्रताप, गोपाल कुमार गुतुल, युवा मोर्चा के प्रोफेसर राजेश सिंह, मंडल अध्यक्ष नवीन चौधरी, इंद्रदेव वर्णवाल, सुनील पंडित, प्रिया यादव, सुजीत मेहता, सुनील मेहता, संजय पासवान, सुनील यादव, सुनील भारती, सुरेंद्र यादव, शंभू सिंह, नरेश यादव, रोहित मेहता, सुभाष मेहता, नंदलाल मुर्मू, जयशंकर सिंह समेत अन्य लोग शामिल हैं।

रघुनियाडीह में भीषण आग, पुआल समेत लाखों की संपत्ति जलकर राख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जयनगर प्रखंड के नईटांड़ पंचायत अंतर्गत रघुनियाडीह गांव शनिवार की दोपहर में एक घर के पीछे बने पुआल के मचान में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया।घटना में पुआल, पानी की टंकी, करीब चार ट्रैक्टर लकड़ी, घर की बिजली वायरिंग एवं कपड़े समेत भारी मात्रा में संपत्ति जलकर राख हो गई। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। उसके बाद दमकल की गाड़ी पहुंची तब तक आग पर काबू पा लिया गया था। घटना केबाद भुक्तभोगी सिराज अंसारी एवं सरफुद्दीन अंसारी ने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है।ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो आग आसपास के घरों को भी अपनी चपेट में ले सकती थी। पंचायत समिति सदस्य इरशाद आलम ने कहा कि दमकल की गाड़ी जिला से आने में काफी समय लगता है इसलिए प्रखंड स्तर पर दमकल वाहन की सुविधा कराई जाए।

बिजली संकट से मिली राहत छत्तरमांडू में लगा नया ट्रांसफार्मर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के वार्ड संख्या 28 स्थित छत्तरमांडू असनाटोला में बीते कई दिनों से बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को आखिरकार राहत मिल गई। ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण इलाके में 3-4 दिनों तक बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित रही, जिससे दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया था। स्थानीय लोगों को पेयजल, बच्चों की पढ़ाई और घरेलू कार्यों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। जैसे ही इस समस्या की जानकारी विधायक ममता देवी को मिली, उन्होंने तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को निर्देश दिया और नए ट्रांसफार्मर की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। विधायक की पहल के बाद विभागीय टीम ने तेजी से कार्य करते हुए नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया। इससे क्षेत्र में पुनः बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। यह त्वरित कार्रवाई स्थानीय लोगों के लिए बड़ी राहत साबित हुई। ग्रामीणों के आग्रह पर विधायक ममता देवी स्वयं मौके पर पहुंचीं और फीता काटकर नए ट्रांसफार्मर का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से संवाद करते हुए उनकी अन्य समस्याओं को भी गंभीरता से सुना और जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। ममता देवी ने कहा कि क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की सुविधाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

श्री कृष्ण विद्या मंदिर में बच्चों को मिला नया पार्क, कला और खेल से गूंजा परिसर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : श्री कृष्ण विद्या मंदिर में शुक्रवार का दिन उत्साह, रचनात्मकता और खेल भावना के अद्भुत संगम के रूप में यादगार बन गया। विद्यालय परिसर में बच्चों के लिए अत्याधुनिक चिल्ड्रेन पार्क का उद्घाटन सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी और कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत से हुई, जहां विद्यालय परिवार ने पुष्पगुच्छ और स्वागत गीत के माध्यम से सभी का अभिनंदन किया। नव-निर्मित चिल्ड्रेन पार्क बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। आधुनिक झूले, स्लाइड और सुरक्षित खेल क्षेत्र से सुसज्जित यह पार्क बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक साबित होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजीव जायसवाल ने कहा कि शिक्षा संस्थानों का सुदृढ़ होना देश के भविष्य को मजबूत बनाता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सांसद मनीष जायसवाल की ओर से विद्यालय को आगे भी हर संभव सहयोग मिलता रहेगा। वहीं विद्यालय प्रबंधन अध्यक्ष आनंद अग्रवाल ने आभार जताते हुए कहा कि बच्चों के विकास के लिए हर जरूरी सुविधा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। इसी अवसर पर सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के तहत नर्सरी से कक्षा पांच तक के बच्चों के लिए आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई। छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और रंगों के अद्भुत संयोजन से सभी को प्रभावित किया। उनके द्वारा बनाए गए चित्रों में मासूमियत और सृजनात्मकता की झलक साफ दिखाई दी, जिसने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दूसरी ओर, कक्षा छह से बारह तक के छात्रों के बीच इंटर हाउस खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। नेहरू, पटेल, टैगोर और सुभाष हाउस के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल को रोमांचक बना दिया। तेज गति, रणनीति और टीम भावना का बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला। खेल के दौरान दर्शकों में उत्साह चरम पर रहा।

कुंदरू कला में आउटडोर स्टेडियम निर्माण को हरी झंडी, खेल क्रांति की शुरूआत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रजरप्पा : रामगढ़ प्रखंड के कुंदरू कला पंचायत में खेल और युवाओं के विकास को नई दिशा देने की पहल शुरू हो गई है। पंचायत भवन परिसर में आयोजित एक महत्वपूर्ण ग्रामसभा में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर में जिला स्तरीय आउटडोर स्टेडियम के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया। सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि स्टेडियम का निर्माण गांव के महथा बगीचा मैदान में किया जाएगा। ग्रामसभा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति ने इस निर्णय को और मजबूती दी। पंचायत के सभी वार्ड सदस्यों, स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने मिलकर इस परियोजना को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने की सहमति दी। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि यह स्टेडियम क्षेत्र के युवाओं के लिए खेल प्रतिभा को निखारने का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो और पंचायत मुखिया किसुन राम मुण्डा ने कहा कि ग्रामीणों की सहमति के बाद अब निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू कराने की दिशा में प्रयास तेज किए जाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस परियोजना को प्राथमिकता देते हुए प्रशासनिक स्तर पर हर संभव सहयोग लिया जाएगा। बैठक में उपस्थित लोगों ने कहा कि स्टेडियम बनने से गांव और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को खेलकूद की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इससे न केवल खेल प्रतिभाओं को पहचान मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में सामाजिक और शारीरिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीणों ने इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। इस अवसर पर पंचायत के पूर्व जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर इस निर्णय का समर्थन किया और इसे गांव के समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। ग्रामसभा में लिया गया यह निर्णय अब कुंदरू कला को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की ओर अग्रसर करता दिख रहा है। यदि निर्माण कार्य समय पर पूरा होता है, तो यह स्टेडियम न केवल स्थानीय बल्कि जिला स्तर पर भी खिलाड़ियों के लिए एक प्रमुख केंद्र बन सकता है।

संक्षिप्त खबरें

कस्तूरबा कॉलेज में जयंती समारोह, नारी शक्ति और त्याग को किया नमन

रामगढ़ : बरकाकाना रोड स्थित कस्तूरबा इंटर महिला महाविद्यालय में 11 अप्रैल को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की संगिनी और स्वतंत्रता संग्राम की अग्रणी महिला कस्तूरबा गांधी की जयंती श्रद्धा, सम्मान और प्रेरणा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में शिक्षकों, छात्राओं और गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने माहौल को विशेष बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत कस्तूरबा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। उपस्थित सभी लोगों ने उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनके जीवन, संघर्ष और देश के स्वतंत्रता आंदोलन में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि सुरेश पी अग्रवाल और व्याख्याता प्रनीत राय ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कस्तूरबा गांधी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कस्तूरबा गांधी केवल एक महान नेता की पत्नी ही नहीं थीं, बल्कि वे स्वयं एक सशक्त, साहसी और समाजसेवी महिला थीं, जिन्होंने महिलाओं के अधिकार और सामाजिक बदलाव के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर विशेष बल दिया कि आज के समय में कस्तूरबा गांधी के विचार और उनके आदर्श और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। महिलाओं की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समाज में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस आयोजन में महाविद्यालय की प्राचार्य उमा सेन गुप्ता सहित सभी शिक्षकों और छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकों और छात्राओं की भूमिका सराहनीय रही। पूरे परिसर में अनुशासन और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने कस्तूरबा गांधी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने छात्राओं के भीतर आत्मविश्वास, सेवा भावना और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत किया।

जयनगर झंडा चौक पर अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन सख्त, चला बुलडोजर

जयनगर : कोडरमा-कोवाड़ मुख्य मार्ग स्थित जयनगर झंडा चौक पर लगातार लगने वाले जाम की समस्या को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। अंचल अधिकारी सारांश जैन के नेतृत्व में अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया, जिसके तहत सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। अभियान के दौरान थाना मेन रोड पर घरों के बाहर सड़क पर बनी सीढ़ियां और दुकानों के आगे निकाले गए हिस्सों को जेसीबी मशीन से तोड़ा गया। कार्रवाई के दौरान कुछ ग्रामीणों के साथ हल्की नोंकझोंक भी हुई, हालांकि प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित रखा। इस अभियान में थाना प्रभारी विकास कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई थाना मेन रोड से लेकर पेठिया बागी तक चलायी गई। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क किनारे नाली पर ढक्कन लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि नालियों को ढका जाए तो जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती है।

श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई मंजुला शर्मा की 12वीं पुण्यतिथि

कोडरमा : डोमचांच नगर क्षेत्र स्थित मंजुला शर्मा मेमोरियल एकेडमी के प्रांगण में स्वर्गीय मंजुला शर्मा जी की 12वीं पुण्यतिथि एवं विद्यालय का स्थापना दिवस अत्यंत श्रद्धा, भावनात्मक वातावरण एवं गरिमामय तरीके से मनाया गया। विद्यालय में गायत्री परिवार, डोमचांच के सौजन्य से भजन-कीर्तन का भव्य आयोजन किया गया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक एवं स्वर्गीय मंजुला शर्मा जी के ज्येष्ठ पुत्र श्री रजनीश द्वारा अपने अनुज श्री मनीष के साथ उनकी छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि श्रीमती मधुलिका देव (सेवानिवृत्त विश्वविद्यालय प्रोफेसर, विनोबा भावे विश्वविद्यालय) एवं राजधनवार राज परिवार के रत्नेश्वरी प्रसाद नारायण देव ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक कुमार पांडेय, प्रशासक राम प्रवेश पाण्डेय सहित सभी शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं एवं उपस्थित आगंतुकों ने भी श्रद्धा-सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में प्राचार्य अभिषेक कुमार पांडेय ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का हार्दिक स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रशासक राम प्रवेश पाण्डेय ने विद्यालय के 20 वर्षों के गौरवपूर्ण सफर का विस्तृत चित्र प्रस्तुत किया तथा संस्था के भविष्य के विजन को साझा किया।

कोडरमा में सिधू-कान्हू जयंती मनाई गई श्रद्धा सुमन अर्पित

कोडरमा : झारखंड मुक्ति मोर्चा कोडरमा जिला समिति के तत्वावधान में कोडरमा जिले के लखी बागी स्थित सरना धर्मस्थल के प्रांगण में आज दिनांक 11 अप्रैल , दिन शनिवार समय 3 :00 बजे झारखंड के महानायक सिद्धू कान्हू की जयंती मनाई गई जयंती स्थल पर मौजूद झारखंड मुक्ति मोर्चा कोडरमा जिला समिति के कई एक पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद थे जिन्होंने झारखंड के महानायक के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा की अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ सन 1855 में जमींदारी सूदखोरी तथा जुर्म और अन्याय के खिलाफ इन महान वीर सपूतों ने क्रांति का बिल्कुल फूंक दिया था जो आज के दौर में साहिबगंज के भोगनाडीह गांव के रहने वाले थे उनके त्याग और बलिदान को देखते हुए आज भी आदिवासि समाज के मसीहा के तौर पर याद किया जाता है यह दो सगे भाइयों ने अंग्रेजी हुकूमत को कभी स्वीकार नहीं किया और आजीवन इसके खिलाफ संघर्ष करते रहे आज ये हमारे बीच नहीं है लेकिन उनकी यादें ताजा है इतिहास में आज भी वे जिंदा है जिलाध्यक्ष वीरेंद्र पांडे ने अपने संबोधन मे झारखंड के महान सपूतो के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि महान क्रांतिकारी मरकर भी अमर है धन्य है यह महान सपूत जो इतिहास के पन्नों में आज भी जिंदा है ।

एक नजर

डोभा में डूबने से एक व्यक्ति की मौत

खूंटी : रनिया थाना क्षेत्र के कनकलोया निवासी भोजो मुंडा की शनिवार को खेत में बने डोभा में डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद रनिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को डोभा से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भोजो मुंडा की मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही थी। परिजनों के मुताबिक वह शुक्रवार को अम्मापकना गांव में लगे मेले में घूमने जाने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटे। काफी देर तक घर नहीं आने पर परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों में उनकी खोजबीन की, लेकिन देर रात तक उनका कोई पता नहीं चल सका। शनिवार की सुबह स्थानीय लोगों ने गांव के समीप खेत में बने डोभा में एक शव देखा और इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे तो शव की पहचान भोजो मुंडा के रूप में की गई।

प्रवेशोत्सव में बच्चों की गूंज: रैली निकाल 7 बच्चों का कराया गया नामांकन

बाल कल्याण संघ की पहल, घर-घर अभियान चलाकर अभिभावकों को किया जागरूक, 150 बच्चे रैली में शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बाल कल्याण संघ के तत्वावधान में पटमदा प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, जाल्ला में शनिवार को प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बाल कल्याण संघ के ब्लॉक कॉर्डिनेटर जितेंद्र मुर्मू ने बताया कि लगभग 150 बच्चों की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं स्कूल से बाहर रह रहे बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूरे गांव में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में शामिल बच्चों ने "हर बच्चा स्कूल जाए", शिक्षा ही विकास की कुंजी है आधी रोटी खाएंगे - फिर

भी स्कूल जाएंगे,जैसे नारों के साथ गांव का भ्रमण किया। जिससे ग्रामीणों में सकारात्मक संदेश गया। रैली के उपरांत बाल कल्याण संघ की टीम एवं शिक्षकों द्वारा घर-घर जाकर अभिभावकों से संपर्क किया गया और उन्हें बच्चों की नियमित पढ़ाई के लिए प्रेरित किया गया। अभियान का सकारात्मक परिणाम सामने आया, जहां कुल 7 बच्चों का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित किया गया। इनमें कक्षा 8 में 4 बच्चे, कक्षा 5 में 1 बच्चा तथा कक्षा 3 में 2 बच्चे शामिल हैं। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक अरविंद कुइला ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए सरकार द्वारा निःशुल्क शिक्षा, पाठ्य सामग्री, मध्याह्न भोजन सहित कई सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिनका लाभ हर जरूरतमंद बच्चे तक पहुंचाना हम सब की जिम्मेदारी है।कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र से निकलने वाले बच्चों के समय पर विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया।ताकि प्रारंभिक शिक्षा मजबूत हो सके और भविष्य में ड्रॉपआउट की समस्या को रोका जा सके।बाल कल्याण संघ के प्रतिनिधि ने कहा कि यह प्रयास केवल एक विद्यालय तक सीमित नहीं रहेगा।बल्कि पूरे प्रखंड में अभियान के रूप में चलाया जाएगा। जब तक सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित नहीं हो जाता। तब तक यह अभियान जारी रहेगा। साथ ही संस्था द्वारा नामांकन के बाद बच्चों की नियमित उपस्थिति एवं पढ़ाई की सतत निगरानी भी की जाएगी, ताकि कोई भी बच्चा पुनः स्कूल से बाहर न हो।

संक्षिप्त खबरें

मुखिया संघ की बैठक, पेयजल व आवास भुगतान मुद्दे पर चर्चा

बड़कागांव : प्रखंड स्तरीय मुखिया संघ की बैठक सांढ़ पंचायत भवन में की गई। जिसकी अध्यक्षता मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार व संचालन मुखिया प्रतिनिधि भीखन महतो ने किया। इस बैठक में पेयजल की समस्या, आबुआ आवास लाभुकों के खाते में भुगतान नहीं होना एंव 15 वीं वित्त से बोरिंग की मांग की गई। बैठक में बताया गया कि 52 लाख राशि पंचायत में आने की बात कही गई है, वह अफवाह है,अब तक पंचायत को पिछले वित्तिय वर्ष 2025-26 की राशी एवं इस वित्तिय वर्ष 26-27 की राशी अप्राप्त है। बैठक में मुखिया संघ के प्रखड अध्यक्ष रंजीत कुमार,चेपाकला पंचायत के मुखिया अनिकेत कुमार नायक , मध्य पंचायत के मुखिया मोहम्मद तकरीमुल्ला खान ,हरली पंचायत मुखिया कविता देवी, तलसवार पंचायत के मुखिया गीता देवी, सिंदवारी पंचायत के प्रभारी मुखिया भाग्यवंती देवी ,चौपदार पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि चंदन पुरी, सांढ़ पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि भीखन महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

27 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बरही : बरही प्रखंड के रसोइया धमना गांव की एक 27 वर्षीय महिला ने अपने घर के पंखे में शनिवार शाम को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आनन फनान में परिजनों एवं ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल लाया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी अनुसार महिला दो दिनों से बीमार चल रही थी। महिला दो बच्चों की मां है वहीं पति मुंबई में ड्राइवरी कर परिवार का जीवन यापन करता है।

सरिया के ठाकुरबाड़ी मैदान में हिंदू सम्मेलन आज, तैयारी पूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सरिया के ठाकुरबारी मैदान में सकल हिंदू समाज द्वारा रविवार की दोपहर 3:00 बजे से हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें सकल हिंदू समाज व सनातन संस्कृति की समस्त जीवंत लौकिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए जन-जन में बौद्धिक चेतना, आत्मीय चेतना और वैदिक चेतना के उत्कृष्ट आयामों को स्थापित करने हेतु विभिन्न संतों का आशीर्वचन प्राप्त होगा। जिससे सामाजिक एकता सद्भावना पर समरसता से सकल समाज में मंगलकारी एक नई ऊर्जा के संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक और पारिवारिक उत्थान को हमेशा के लिए एक नई दिशा मिलेगी। इसके लिए सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। स्टेज एवं भव्य पंडाल का निर्माण कराया गया है। पेयजल वह अन्य आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था की गई है। उक्त जानकारी हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति के अध्यक्ष अनूप कुमार तर्वे तथा सचिव रामावतार पांडेय ने संयुक्त रूप से दी। कहा कि इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम,संतों की अमृतवाणी, मंगलाचरण, हनुमान चालीसा का पाठ आदि किए जाएंगे। उन्होंने इलाके के लोगों से अपील किया है कि वे हजारों की संख्या में उपस्थित होकर इस सम्मेलन को सफल बनावें।

विभावि में आईक्यूएसी द्वारा एनएएसी जागरूकता एवं बेंचमार्किंग कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा एनएएसी संवेदीकरण एवं बेंचमार्किंग पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के गुणवत्ता उन्नयन के उद्देश्य से आयोजित की गई, जिसमें आईक्यूएसी निदेशक डॉ. अविनाश कुमार मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहे। डॉ अविनाश ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा विश्वविद्यालय को सर्वोत्तम एनएएसी ग्रेडिंग दिलवाना चाहते हैं। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला में डॉ. अविनाश कुमार ने अपनी हालिया इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय एवं केआर मंगलम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम की यात्रा के अनुभवों पर आधारित एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने आकर्षक पावर प्वाइंट प्रस्तुति द्वारा इन विश्वविद्यालयों द्वारा अपनाई जा रही उत्कृष्ट प्रथाओं पर प्रकाश डाला। इसमें दस्तावेजीकरण, वेबसाइट अपडेट्स, फीडबैक सिस्टम तथा पारदर्शिता प्रमुख रूप से शामिल हैं। प्रस्तुति के दौरान विभावि में इन क्षेत्रों में विद्यमान कमी को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया तथा उनके समाधान पर गहन चर्चा की गई। बताया कि उन विश्वविद्यालय में प्रत्येक विषय पर एक नीति होती है तथा भविष्य के लिए सुपरिभाषित दृष्टि। डॉ. अविनाश कुमार ने बताया कि IGNOU और केआर मंगलम विश्वविद्यालय ने एनएएसी मानदंडों के अनुरूप अपनी प्रक्रियाओं को डिजिटल रूप से मजबूत किया है। यहां फीडबैक सिस्टम हितधारकों से वास्तविक समय में प्राप्त होता है। इसी प्रकार, वेबसाइट अपडेट्स के माध्यम से सभी जानकारियां तत्काल उपलब्ध कराई जाती हैं, जो पारदर्शिता को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने विभावि को इन प्रथाओं को अपनाने की सिफारिश की, ताकि एनएएसी मूल्यांकन में उच्च ग्रेड प्राप्त किया जा सके। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारी एवं आईक्यूएसी सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर स्थित जमशेदपुर महिला समिति प्रेक्षागृह में सामाजिक संस्था अन्वेषा के तत्वावधान में विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य पर शनिवार को स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सजग करना और गंभीर बीमारियों के बारे में जानकारी देना था। कार्यक्रम का संचालन संस्था की महासचिव आल्पना भट्टाचार्य ने किया।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

इश्तिहार का प्रकाशन

सरकार

बनाम

01. सरफराज अंसारी,

पिता–एजाज अंसारी, साकीन–टांगराटोली, थाना–सिसई, जिला–गुमला।

जलडेगा थाना काण्ड सं0–60/25, दिनांक–20.09.2025, धारा–317(5)/3(5) BNS 2023, 12(1)@12(2) झा0 गोवंशीय पशु हत्या प्रति0 अधि0 2005 एवं 11(i)(A)/11(i)(D) पशु क्रु0 प्र0 अधि0 1960

आपको इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वाद में आप के विरूद्ध दिनांक–18.03.2026 को इश्तिहार माननीय Judicial Magistrate 1st Class, सिमडेगा के द्वारा जारी किया गया है।

अतः आप से इस प्रकाशन के जरिए आग्रह किया जाता है कि प्रकाशन की तिथि से तीस (30) दिनों के भीतर उपस्थित होकर माननीय Judicial Magistrate 1st Class, सिमडेगा के पास अपना पक्ष रखें। इसे ताकिद जानें।

पुलिस अधीक्षक,
सिमडेगा

PR.NO.377256 Simdega(26-27):D

सापारुम गांव में जंगली हाथी का कहर, एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिले के तिरूलडीह थाना क्षेत्र के सापारुम गाँव में जंगली हाथियों के हमले से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान राधा तंतुबाई के रूप में हुई है, जिनकी उम्र लगभग 55 से 60 वर्ष के बीच बताई जा रही है। घटना की सुचना मिलते ही प्रभारी वनपाल मुकेश महतो, थाना प्रभारी कौशल कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और वन विभाग कि ओर से परिजनों को 50 हजार रुपए नगद मुआवजा का भूगतान किया। वहीं तिरूलडीह पुलिस लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया। वनपाल मुकेश महतो ने

बताया कि मृतक शनिवार सुबह शौच के लिए तालाब जा रहा था जहां 6 कि संख्या में जंगली हाथी गांव में घुस आया और इसी दौरान राधा तंतुबाई उसकी चपेट में आ गए। हाथी के हमले से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों में काफी भय व्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। परिजनों ने वन विभाग से समुचित मुआवजा एवं कम-से-कम चतुर्थ श्रेणी का नौकरी मृतक के एक आश्रीत को देने का मांग किया है। मौके पर मुखिया सुधीर सिंह मुण्डा, पूर्व मुखिया तपन सिंह मुण्डा, झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता इंद्रजीत महतो सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग है कि हाथियों के बढ़ते आतंक से निजात दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

काश्मार गांव में तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान आयोजित, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड के बंगाल सीमावर्ती क्षेत्र में बसे काश्मार गांव में शुक्रवार से तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम 10 अप्रैल से 12 अप्रैल तक होगा। इस दौरान जानकारी देते हुए मुख्य यजमान बाबा विकास तिवारी ने बताया कि तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान में रुद्राभिषेक,चंडीपाठ, गीता पाठ, भागवत कथा, रामचरित मानस पाठ, साढ़े तीन घंटा सप्तसती हवन,भजन ,आरती सहित कई प्रकार का आयोजन शामिल हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए भंडारा का आयोजन भी किया गया। झारखंड, बंगाल, बनारस, उड़ीसा से पधारे 22 पुरोहित अनुष्ठान को सफल बनाने के लिए यज्ञ,आरती,हवन आदि को

संपन्न करवा रहे हैं। इस आयोजन के सफलता में काश्मार गांव के ग्रामीणों सहित आसपास के ग्रामीणों का भरपूर सहयोग रहा। अनुष्ठान के मुख्य यजमान बाबा विकास तिवारी ने बताया कि अनुष्ठान आयोजन का उद्देश्य नकारात्मक शक्ति को समाप्त कर धर्म की स्थापना , विश्व कल्याण की कामना, क्षेत्रवासियों ,ग्रामवासियों के कल्याण की कामना के लिए किया जा रहा हैं।

JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY LIMITED

(Govt. of Jharkhand Undertaking)
JUIDCO Bhawan, Kutchery Road, Ranchi-834001, Jharkhand.
Ph No.: +91-651-2225878,
CIN: U45200JH2013SGC001752, e-mail Id-juidcolimited@gmail.com

NIT No.: JUIDCO/NIT/BS/JT - 696 Date- 10.04.2026

e-Procurement (Tender Notice)

1	Name of Work	Construction Of Jhumri Telaiya Bus Stand, Koderma, Jharkhand
2	Mode of Bid Submission	e-tendering (http://jharkhandtenders.gov.in)
3	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 21,32,68,469/- (Rupees Twenty-One Crore Thirty-Two Lakh Sixty-Eight Thousand Four Hundred Sixty-Nine) Only
4	Time of Completion	18 Months
5	Tender Fee and Bid Security to be submitted online	Tender document fee: Rs 25,000/ - (Rupees Twenty -Five Thousand) only. Non-Refundable. Bid Security: Rs. 21,33,000/ - (Rupees Twenty -One Lakh Thirty-Three Thousand) only
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	13.04.2026 at 15:00 Hrs.
7	Last Date/Time of Bid Submission	04.05.2026 at 17:00 Hrs.
8	Date/Time of opening of Bid	05.05.2026 at 17:00 Hrs.
9	Bid Submission Address	Jharkhand Urban Infrastructure Development Company Limited, JUIDCO Bhawan, Kutchery Chowk, Ranchi, Jharkhand- 834001
10	Helpline Number of e-procurement Cell	0651-2225878

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Project Director (Technical)
JUIDCO Ltd, Ranchi

PR 377274 Urban Development(26-27)D

नीमडीह प्रखंड के 61 झारखंड अलग राज्य चिह्नित आंदोलनकारियों के बीच विधायक ने बांटे प्रमाण पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नीमडीह : नीमडीह प्रखंड सभागार में शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के 61 झारखंड अलग राज्य चिह्नित आंदोलनकारियों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण विधायक सविता महतो ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आंदोलनकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक सविता महतो ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण में आंदोलनकारियों का योगदान अतुलनीय रहा है। उनके संघर्ष और बलिदान के कारण ही आज अलग झारखंड राज्य की पहचान स्थापित हो सकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आंदोलनकारियों के सम्मान और अधिकारों को लेकर प्रतिबद्ध है

तथा उन्हें उचित मान-सम्मान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक ने आगे कहा कि यह प्रमाण पत्र केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि आंदोलनकारियों के संघर्ष की पहचान है।यह आने वाली पीढ़ियों को भी उनके योगदान की याद दिलाता रहेगा। उन्होंने सभी आंदोलनकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके बेहतर भविष्य और सम्मानजनक जीवन की कामना की। इस दौरान विधायक के हाथों 4 पारिवारिक प्रमाण पत्र,3 जाती आवासीय प्रमाण पत्र एवं एक मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी का वितरण किया गया। प्रखंड कार्यालय के समीप 14 लाख की लागत से बने नए भवन का भी विधिवत उद्घाटन किया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार एस अभिनव, अंचलाधिकारी अभय द्विवेदी, प्रमुख फूलमनी हांसदा, मुखिया वरुण सिंह, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू महतो, प्रखंड अध्यक्ष सचिन गोप, हरि चरण महतो, नील कमल महतो, टिंकू राम महतो, पतित पवन दास, सुजीत महतो आदि ग्राम प्रधान, उप प्रमुख सभी आंदोलनकारी उपस्थित थे।

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा
(E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

सूचना

जिला परिषद द्वारा हण्टरगंज प्रखण्ड अन्तर्गत निर्मित किसान भवन को एक वर्ष के लिए बंदोबस्ती /लीज पर उपलब्ध कराया जाना है। परिसम्पति विवरणी निम्नवत् है:–

क्र. स.	जिला परिषद द्वारा निर्मित भवन	क्षेत्रफल	बन्दोबस्ती की सुरक्षित राशि एक वर्ष का	जमानत की राशि तीन माह का
1	2	3	4	5
2	किसान भवन हण्टरगंज	1806 sqft	48000/	12000/

अतएव सूचित करना है कि दिनांक 21/04/2026 को 3:00 बजे अपराह्न में उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद,चतरा के सभागार में अद्योहस्ताक्षरी द्वारा या प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा उपरोक्त परिसम्पतियों के बन्दोबस्ती प्रक्रिया की जायेगी।

जो व्यक्ति बन्दोबस्ती में भाग लेना चाहते हैं आवेदन के साथ 2000.00 (दो हजार) रू0 का बैंक ड्राफ्ट जो उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिशद,चतरा के पदनाम से देय हो जमा कर निम्नलिखित शर्तों का अनुपालन करते हुए निर्धारित समय पर डाक में भाग ले सकते हैं,जो लौटाया नहीं जायेगा।

शर्त :–

1. बन्दोबस्ती एक वर्ष के लिए की जायेगी।
2. डाक बोलने वाले को डाक में भाग लेने हेतु कॉलम–5 में वर्णित राशि जमानत के रूप में बैंक द्वारा उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,जिला परिषद, चतरा के पदनाम से जिला परिषद, कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमाकर्ताओं की जमानत की राशि वापस कर दी जायेगी।
3. उच्चतम बोली द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST भुगतान करना होगा।
4. डाक में भाग लेने वाले व्यक्तियों को अपना पहचान पत्र /पैन कार्ड की अभिप्रमाणित प्रति जमा करना अनिवार्य होगा तथा मूल कागजात साथ में सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
5. बन्दोवस्तधारी द्वारा सभी शर्तो को पुरा करने की स्थिति में निबंधित एकरारनामा किया जाना अविवार्य होगा। एकरारनामा के पश्चात् डाकबंगला आवंटित होगा।
6. बन्दोबस्तीधारी को बन्दोबस्ती राशि का 25% जमानत राशि एवं 25% भवन का संचालन हेतु एकरारनामा के समय जमा करना अनिवार्य होगा।
7. निर्धारित निबंधन एवं एकरारनामा स्टाम्प शुल्क की राशि बन्दोबस्तधारी को स्वयं वहन करना होगा।
8. अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
9. संबंधित दुकान का एकरारनामा की तिथि सें जिस स्थिति में है (As it is where it is) एकरारनामा किया जायगा।
10. भवन जिस स्थिति में है उस स्थिति में एकरारनामा की जायेगी।
11. बन्दोबस्ती में भाग लेने एंव सफल बन्दोबस्तीधारी को दो दिनों के अन्दर एकरारनामा करना अनिवार्य होगा, अन्यथा जमानत राशि जब्त करते हुए बिना कारणपृच्छा के बन्दोबस्ती रद्द कर दी जायेगी।
12. किसी भी प्रकार का विवाद होने पर चतरा जिला अन्तर्गत न्यायालय के jurisdiction में सुनवाई होगी।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, चतरा

PR 377265 (District)26-27*D

वैश्विक संकटों के बीच विश्व बैंक अकेला नहीं जो भारत की गाथा कह रहा

इस समय पश्चिम एशिया में संघर्ष, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें विश्व अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई हैं, पर इन सबके बीच भारत का प्रदर्शन आश्चर्यजनक रूप से संतुलित और सुदृढ़ दिखाई देता है। विश्व बैंक से लेकर तमाम अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं आश्वस्त कर रही हैं कि भारत जिस तरह से अपनी अर्थव्यवस्था और भविष्य की दृष्टि से हर चुनौती के लिए तैयार दिख रहा है, वह काबिले तारीफ है।

वस्तुतः वर्ल्ड बैंक द्वारा 2026 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 6.6 प्रतिशत तक बढ़ाना इस बात का प्रमाण है कि भारत हर परिस्थिति पर नियंत्रित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। यहां समझनेवाली बात है कि यह इतना आसान भी नहीं है, जितना कि बाहर से किसी को दिखाई दे, क्योंकि महंगाई, ऊर्जा लागत और वैश्विक अस्थिरता जैसे खतरे सामने खड़े हैं। ऐसे मे यदि हम वर्ल्ड बैंक के अतिरिक्त अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुमानों पर दृष्टि डालें, तब एक समान संदेश सामने आता है, वह है कि भारत स्थिर है, सक्षम है और आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने भी 2026 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान व्यक्त किया है। इसका मानना है कि भारत की आर्थिक संरचना इतनी मजबूत है कि वह बाहरी झटकों को सहजता से झेल सकती है, क्योंकि इसकी रीढ़ घरेलू मांग है, न कि केवल निर्यात। इसी प्रकार एशियन डेवलपमेंट बैंक ने 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाते हुए स्पष्ट किया है कि भारत का बुनियादी ढांचा निवेश और विनिर्माण क्षेत्र में सुधार इसे 2026 में पूरे वर्ष भर वैश्विक संकटों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यही विचार ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट के भी हैं, जोकि भारत की वृद्धि को 6.6 प्रतिशत से 6.9 प्रतिशत के बीच मानता है और यह रेखांकित करता है कि भारत की कर प्रणाली, श्रम सुधार और निर्यात रणनीति इसे अन्य अर्थव्यवस्थाओं से अलग बनाती है।

अब बात यहां मूडीज के साथ स्टैंडर्ड एंड पुअर्स और फिच रेटिंग्स जैसी रेटिंग एजेंसियों की भी कर लेते हैं, यह भी भारत के संदर्भ में लगभग 6.4 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि का अनुमान देती हैं। इन संस्थाओं का एकमत विश्वास इस तथ्य को पुष्ट करता है कि भारत आज के समय में सिर्फ संभावनाओं की अर्थव्यवस्था से कहीं आगे होकर अपना प्रदर्शन कर रहा है।

भारत की आर्थिक मजबूती का सबसे बड़ा आधार उसकी घरेलू मांग है। जब वैश्विक बाजारों में मांग घटती है, तब भी भारत के भीतर उपभोग का स्तर अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। यह एक ऐसी विशेषता है जो बहुत कम देशों में देखने को मिलती है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में संभावित कटौती, सरकारी योजनाओं के माध्यम से आय में वृद्धि और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती क्रय शक्ति ने उपभोग को निरंतर बनाए रखा है। यही कारण है कि वैश्विक मंदी का प्रभाव भारत पर सीमित रहता है। वहीं, भारत सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे में किया जा रहा निवेश आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। सड़कें, रेलवे, बंदरगाह और डिजिटल नेटवर्क इन सभी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पूंजीगत व्यय किया जा रहा है। यह निवेश वर्तमान विकास को सतत बढ़ा रहा है, बल्कि यह भी कह सकते हैं कि यह भविष्य के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार करता है। क्योंकि जब निजी निवेश अनिश्चितता के कारण धीमा पड़ता है तब सरकारी निवेश अर्थव्यवस्था को गति देने का कार्य करता है। भारत की डिजिटल क्रांति इन दिनों आर्थिक गतिविधियों को एक नई दिशा दे रही है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), आधार और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) जैसी प्रणालियों ने आर्थिक लेन-देन को सरल और तेज बना दिया है।

सूडोकु नवताल- 7762

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7761 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल हो

ललित गर्ग

भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है।

दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुतः, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मर्यादाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण

लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुनः समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है।

दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निमार्ताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आक्रामकता आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी गंभीर संकट का रूप ले सकती है।

सबरीमाला मंदिर पुनर्विचार में आस्था और परंपरा का ध्यान रखना जरूरी है

डॉ. निवेदिता शर्मा

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2018 के सबरीमला निर्णय पर पुनर्विचार की प्रक्रिया को लेकर आज हमने यह माल लिया है कि यह भारत की सभ्यतागत चेतना, उसकी आध्यात्मिक परंपराओं और आधुनिक संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर प्रयास है। सबरीमाला मंदिर विवाद का मूल प्रश्न महिलाओं के प्रवेश से जुड़ा अवश्य है, किंतु इसकी गहराई इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह उस बिंदु को छूता है जहां भारतीय सभ्यता की हजारों वर्षों से चली आ रही जीवंत परंपराएं आधुनिक न्यायशास्त्र के साथ संवाद करती हैं।

इससे पूर्व 2018 में दिए गए 4:1 बहुमत के निर्णय ने 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी परंपरागत रोक को समाप्त कर दिया था। इसे एक वर्ग ने लैंगिक समानता की जीत के रूप में प्रस्तुत किया, किंतु इस निर्णय का विरोध हुआ, यहां समझनेवाली बात यह है कि इसे लेकर पुरुषों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी सामने आईं, जिन्होंने इस न्यायालयीन निर्णय का विरोध किया । सभी को समझना होगा कि सबरीमाला मंदिर में भगवान अयप्पा को नैष्ठिक ब्रह्मचारी के रूप में पूजा जाता है। यह एक विशिष्ट आध्यात्मिक अनुशासन का प्रतीक है।

भारतीय परंपरा में देवता का स्वरूप ही उपासना की पद्धति को निर्धारित करता है। ऐसे में यदि उस स्वरूप से जुड़ी परंपराओं में परिवर्तन किया जाता है, तब वह सिर्फ सामाजिक सुधार नहीं होता है, उस देवता की अवधारणा में हस्तक्षेप के समान हो जाता है। यही कारण है कि अनेक श्रद्धालु इस मामले को समानता बनाम भेदभाव के सरल द्वंद्व के रूप में नहीं देखते, बल्कि इसे आस्था की अखंडता के प्रश्न के रूप में समझते हैं। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण आयाम न्यायपालिका की बढ़ती भूमिका है, विशेषकर धार्मिक मामलों में। अनिवार्य धार्मिक प्रथाओं का सिद्धांत, जो शिरूर मठ मामले में विकसित हुआ था, प्रारंभ में धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए था, किंतु समय के साथ यह सिद्धांत न्यायालयों को यह निर्धारित करने का अधिकार देने लगा है कि किसी धर्म की मूलभूत प्रथाएं कौन-सी हैं। यह परिवर्तन चिंताजनक है, क्योंकि इससे न्यायपालिका उन क्षेत्रों में प्रवेश करने लगती है, जो मूलतः धर्मशास्त्रीय और आध्यात्मिक हैं।

याचिकाकताओं का यह तर्क महत्वपूर्ण है कि न्यायाधीश, चाहे कितने ही विद्वान क्यों न हों, वे सदियों पुरानी परंपराओं की आध्यात्मिक गहराई का पूर्ण आकलन नहीं कर सकते। यदि न्यायालय यह तय करने लगें कि कौन-सी प्रथा आवश्यक है और कौन-सी नहीं, तो वे आस्था के निर्णायक बन जाते हैं। यह धार्मिक स्वायत्तता के सिद्धांत के विपरीत है, जोकि भारतीय संविधान की आत्मा में निहित है।

इस पूरे विवाद के केंद्र में एक और गहरी समस्या है, पाश्चात्य कानूनी ढांचे और भारतीय सभ्यतागत वास्तविकताओं के बीच असंगति का होना। पश्चिमी विचारधारा में धर्म को प्रायः एक संगठित, केंद्रीकृत संस्था के रूप में देखा जाता है, जहां नियम स्पष्ट और संहिताबद्ध होते हैं। उनके लिए ये धर्म सिर्फ एक रिलीजन है। ऐसे में रिलीजन के अर्थ में धर्म बहुत सीमित हो जाता है, इसके विपरीत भारत में धर्म जीवन का समग्र दर्शन है, जोकि विविधता, बहुलता और संदभार्नुकूलता पर आधारित है। यहां परंपराएं स्थानीय, जीवंत और निरंतर विकसित होती रहती हैं।

ऐसी स्थिति में यदि पश्चिमी उदारवादी अवधारणाओं, जैसे कि व्यक्तिगत अधिकारों की पूर्ण प्राथमिकता को भारतीय संदर्भ में बिना समुचित अनुकूलन के लागू किया जाता है तो यह स्वाभाविक रूप से टकराव उत्पन्न करता है। सबरीमाला मंदिर का निर्णय इसी टकराव का एक उदाहरण माना जा सकता है, जहां व्यक्तिगत अधिकारों को सामूहिक आध्यात्मिक परंपराओं के ऊपर प्राथमिकता दी गई।

न्यायालय को आज यह भी ध्यान देना चाहिए कि सबरीमला आंदोलन का एक उल्लेखनीय पहलू यह रहा कि इसमें महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली है। यह तथ्य उस धारणा को चुनौती देता है कि यह संघर्ष केवल महिलाओं के अधिकारों के विरुद्ध था। अनेक महिलाएं स्वयं इस परंपरा के पक्ष में खड़ी हुईं, क्योंकि वे इसे भेदभाव नहीं, बल्कि एक विशेष आध्यात्मिक अनुशासन का हिस्सा मानती हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारतीय समाज में आस्था और पहचान के प्रश्न केवल अधिकारों की भाषा में नहीं समझे जा सकते हैं।

पुनर्विचार याचिकाओं में धार्मिक स्वायत्तता की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। धार्मिक संगठनों का तर्क है कि भारतीय धर्मों को अब तक स्पष्ट कानूनी पहचान नहीं मिली है, जिसके कारण वे अपने अधिकारों की प्रभावी रक्षा नहीं कर पाते। इस स्थिति में राज्य का हस्तक्षेप बढ़ जाता है, जोकि धार्मिक स्वतंत्रता के लिए चुनौती बन सकता है। इस संदर्भ में यह सुझाव भी महत्वपूर्ण है कि न्यायालयों को धार्मिक मामलों में विशेषज्ञों और धमार्चार्यों से परामर्श करना चाहिए। जैसे तकनीकी मामलों में विशेषज्ञों की राय ली जाती है, वैसे ही धर्म से जुड़े मामलों में भी संबंधित परंपराओं के ज्ञाताओं की सहभागिता आवश्यक है। यह दृष्टिकोण न्यायिक प्रक्रिया को अधिक संतुलित और संवेदनशील बना सकता है।

केरल सरकार के रुख में आया परिवर्तन भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। पहले जहां उसने 2018 के निर्णय का समर्थन किया था, वहीं अब उसने यह स्वीकार किया है कि दीर्घकालिक परंपराओं पर निर्णय लेने से पहले धार्मिक विद्वानों से परामर्श आवश्यक है। यह बदलाव इस तथ्य को रेखांकित करता है कि आस्था से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों के माध्यम से हल नहीं किए जा सकते। ह्लसंवैधानिक नैतिकताह्व बनाम ह्लसामाजिक नैतिकताह्व का विमर्श भी इस विवाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संवैधानिक नैतिकता हमें स्वतंत्रता, समानता और न्याय के मूल्यों की ओर उन्मुख करती है, किंतु इसका प्रयोग सावधानीपूर्वक होना चाहिए। यदि इसे इस प्रकार उपयोग किया जाए कि वह ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपराओं को पूरी तरह नकार दे, तो यह एक प्रकार की न्यायिक अतिरेकता बन सकती है। वहीं, ह्लसामाजिक नैतिकताह्व का हवाला देकर हर परंपरा को बिना जांच के स्वीकार करना भी उचित नहीं है।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि इन दोनों के बीच एक संतुलन स्थापित किया जाए। न्यायालय को यह समझना होगा कि भारतीय समाज में धर्म केवल व्यक्तिगत आस्था नहीं, बल्कि सामूहिक पहचान और सांस्कृतिक निरंतरता का आधार है।

सबरीमाला प्रकरण में प्रस्तुत उदाहरण जैसे कुछ मंदिरों में पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित होना या विशेष परिस्थितियों में ही अनुमति मिलना यह दशार्ते हैं कि भारतीय धार्मिक परंपराएं अत्यंत विविध और विशिष्ट हैं। इन्हें एक समान मानक से नहीं परखा जा सकता। प्रत्येक परंपरा का अपना ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संदर्भ होता है।

भविष्य का अमृत ईंधन है थोरियम

डॉ. नुपूर निखिल देशकर

तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित परमाणु ऊर्जा केंद्र से हाल ही में प्राप्त एक महत्वपूर्ण उपलब्धि ने भारत की ऊर्जा यात्रा को नई दिशा दी है। वैज्ञानिकों ने परमाणु अभिक्रिया की संतुलित अवस्था, जिसे क्रिटिकैलिटी कहा जाता है, सफलतापूर्वक प्राप्त कर ली है। यह उपलब्धि एक वैज्ञानिक प्रयोग की सफलता के साथ भारत के ऊर्जा आत्मनिर्भरता के सपने की ओर एक ठोस कदम है। इस परिप्रेक्ष्य में थोरियम एक ऐसे भविष्य के अमृत ईंधन के रूप में उभर रहा है, जिसे लेकर अब उम्मीद है कि आने वाले समय में ऊर्जा क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी।

थोरियम की सबसे बड़ी विशेषता उसका अत्यधिक ऊर्जा घनत्व है। सामान्यतः यह माना जाता है कि एक टन थोरियम से उतनी ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है जितनी लगभग 35 लाख टन कोयले से मिलती है। यह तुलना न केवल थोरियम की क्षमता को दशार्ती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि यदि इसका प्रभावी उपयोग किया जाए तो ऊर्जा संकट का स्थायी समाधान संभव है।

भारत की भौगोलिक संरचना इसे थोरियम के मामले में विशेष रूप से समृद्ध बनाती है। विश्व के सबसे बड़े थोरियम भंडारों में भारत का महत्वपूर्ण स्थान है। केरल के अलप्पुझा और कोल्लम तट, तमिलनाडु के कन्याकुमारी और मनावलकुरिची, ओडिशा के चांदीपुर तट तथा आंध्र प्रदेश के कुछ तटीय क्षेत्रों में मोनाजाइट रेत के रूप में थोरियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह संसाधन भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की स्थिति में भी ला सकता है। अनुमान है कि यह भंडार हजारों वर्षों तक देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है।

थोरियम की इस अपार संभावना को भारत ने बहुत पहले पहचान लिया था। वर्ष 1950 में महान वैज्ञानिक डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने इस दिशा में दूरदर्शिता दिखाई। उन्होंने यह समझ लिया था कि भारत में यूरेनियम की सीमित उपलब्धता के कारण थोरियम ही भविष्य का विकल्प बन सकता है। हालांकि, थोरियम का सीधा उपयोग संभव नहीं है; इसे पहले यूरेनियम-233 में परिवर्तित करना पड़ता है, जो एक जटिल और महंगी प्रक्रिया है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए डॉ. भाभा ने भारत के लिए त्रि-स्तरीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की परिकल्पना की।

इस कार्यक्रम के पहले चरण में प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग कर ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ प्लूटोनियम तैयार किया जाता है। दूसरे चरण में इस प्लूटोनियम की सहायता से थोरियम को यूरेनियम-233 में परिवर्तित किया जाता है। तीसरे और अंतिम चरण में इस परिवर्तित ईंधन का उपयोग कर बड़े पैमाने पर ऊर्जा उत्पादन किया जाता है। यह एक दीर्घकालिक और वैज्ञानिक रूप से जटिल योजना थी, लेकिन इसकी सफलता भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकती है।

थोरियम का उपयोग केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है। यह एक रेडियोधर्मी धातु है जिसका उपयोग रेडियोमेट्रिक डेटिंग में किया जाता है, जिससे चट्टानों और जीवाश्मों की आयु का निर्धारण संभव होता है। इसके अलावा, मैग्नीशियम के साथ मिश्रधातु के रूप में इसका उपयोग उच्च ताप सहनशील और मजबूत सामग्री बनाने में होता है, जो विमानन और उन्नत तकनीकी क्षेत्रों में अत्यंत उपयोगी है। हालांकि, इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को अपने प्रारंभिक वर्षों में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। प्रशासनिक उदासीनता, संसाधनों की कमी और 1974 के पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों ने इसकी गति को धीमा कर दिया। इसके अतिरिक्त, तकनीकी चुनौतियों और वैश्विक सहयोग की कमी के कारण भी यह कार्यक्रम अपेक्षित प्रगति नहीं कर सका।

इक्कीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में एक और गंभीर समस्या सामने आई थोरियम की तस्करी और अवैध खनन। 2004 के बाद से समुद्री तटीय क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर मोनाजाइट रेत के गायब होने की घटनाएं सामने आईं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, लाखों टन सामग्री अवैध रूप से विदेशों, विशेषकर चीन, को भेजी गई। यदि ये आरोप सत्य हैं, तो यह न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। वर्तमान समय में भारत सरकार ने इस दिशा में नए सिरे से प्रयास शुरू किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में थोरियम आधारित ऊर्जा कार्यक्रम को प्राथमिकता दी जा रही है। डॉ. भाभा का जो सपना दशकों पहले अधूरा रह गया था, वह अब साकार होता दिखाई दे रहा है। भारत के पास विश्व के लगभग 25 फीसद थोरियम भंडार हैं, जो इसे इस क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति बना सकते हैं। सरकार ने स्वदेशी तकनीकों के विकास पर जोर देते हुए छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर और उन्नत भारी जल रिएक्टर जैसी परियोजनाओं को बढ़ावा दिया है। इन रिएक्टरों का उद्देश्य थोरियम के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करना है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय सहयोग, नीतिगत सुधार और निवेश में वृद्धि ने इस क्षेत्र को नई ऊर्जा प्रदान की है। आज जब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब थोरियम एक स्वच्छ, सुरक्षित और दीर्घकालिक विकल्प के रूप में सामने आया है। थोरियम आधारित ऊर्जा उत्पादन में रेडियोधर्मी कचरा अपेक्षाकृत कम होता है और इसकी सुरक्षा भी अधिक होती है। यही कारण है कि इसे भविष्य का गेम-चेंजर ईंधन कहा जा रहा है। अतः यह कहा जा सकता है कि थोरियम न केवल भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि यह देश को वैश्विक ऊर्जा मानचित्र पर एक अग्रणी स्थान भी दिला सकता है।

दैनिक पंचांग

12 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.53 बजे से
चंद्र	मकर में	वृष	07.33 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.31 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.44 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.00 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.12 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.23 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.38 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.54 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	मकर	00.59 बजे से
		कुंभ	02.45 बजे से
		मीन	04.18 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 102 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण **तिथि** दशमी 01.17 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 15.14 बजे को समाप्त।
योग साध्य 18.16 बजे को समाप्त।
करण वणिज 13.03 बजे तदनन्तर विष्टि 01.17 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 23.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 36'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872677
जूलियन दिन 2461142.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 23

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

स्कूली बच्चों एवं वृद्धजनों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

पाकुड़ : ज़िले में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुख स्वास्थ्य एवं गैर-संचारी रोग से संबंधित स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सोनजोड़ी, पाकुड़ एवं ओल्ड एज होम, सोनजोड़ी, पाकुड़ में किया गया। इस शिविर का संचालन स्वास्थ्य विभाग की जिला एनसीडी टीम के तत्वावधान में किया गया, जिसमें डॉक्टर रविश कुमार सिंह, डॉक्टर शारुख अकबर, डॉक्टर साना गौहर एवं उनकी टीम द्वारा सक्रिय भागीदारी निभाई गई। उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सोनजोरी में कुल 68 बच्चों का स्वास्थ्य स्क्रीनिंग किया गया, वहीं ओल्ड एज होम में 7 वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श के साथ दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर के दौरान उपस्थित लाभुकों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई तथा नियमित जांच एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

अवैध बालू लदे ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत, एक गंभीर

साहेबगंज : रांगा थाना क्षेत्र के पतना चौक में देर रात एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।मिली जानकारी के अनुसार, बरहेट निवासी 25 वर्षीय मजीबुर अंसारी अपने साथी अजरुल अंसारी के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पतना चौक के समीप अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मजीबुर अंसारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अजरुल अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तुरंत बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने अजरुल अंसारी का प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही रांगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर अवैध बालू से लदा हुआ था और चालक कथित रूप से नशे की हालत में वाहन चला रहा था, जिससे यह हादसा हुआ। फिलहाल पुलिस ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुटी है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है।

सिदो-कान्हू जयंती पर साहिबगंज में उमड़ा जनसैलाब

साहिबगंज: जिले के बरहेट में वीर शहीद सिदो-कान्हू जयंती पर शनिवार को अलग-अलग राज्य के आदिवासी विदिन समाज के लोग का जनसैलाब उमड़ा। जयंती समारोह में शुक्रवार की देर रात पूजा पाठ शुरू हुआ जो शनिवार दिन भर चला। समारोह में झारखंड बंगाल, असम, राज्य के आदिवासी विदिन धर्म मानने वाले हजारों कि संख्या में लोग बरहेट के आरगोरी स्थित जाहेरथान मैदान में शामिल हुए। इस दौरान पूरा क्षेत्र सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो अमर रहे नारे से गूंज उठा। अरगोरी जाहेर थान से अपने धर्मगुरु के साथ पदयात्रा निकालकर बाबूपुर स्थित क्रांति स्थल (बरगद का पेड़ जहां पर सिदो-कान्हू को फांसी दी गई थी) पहुंचा। यहां बरहेट-बोरियो मुख्य सड़क पर लंबी कतार लगी। सभी आदिवासी महिला और पुरुष पारंपरिक तीर धनुष हथियार के साथ लैस रहे।

जिरवाबाड़ी पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 3.6 किलो गांजा बरामद, महिला गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। शनिवार को जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के बड़ा पचगढ़ कमरसी इलाके में छापेमारी कर पुलिस ने साढ़े तीन किलो से अधिक गांजा बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने अवैध कारोबार में संलिप्त एक महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। शनिवार को जिरवाबाड़ी थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसडीपीओ किशोर तिर्की ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि बड़ा पचगढ़ कमरसी स्थित एक घर और वहां स्थित दुकान से अवैध रूप से गांजा की बिक्री की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया, जिसमें दंडाधिकारी के रूप में अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू और जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे। पुलिस की टीम ने जब चिन्हित घर और दुकान पर छापेमारी की तो वहां से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। एसडीपीओ ने बताया कि आरोपी महिला अपने घर में किराने की दुकान चलाती थी और इसी की आड़ में वह पुड़िया बनाकर गांजा बेचती थी। पुलिस ने मौके से करीब 3 किलो 617 ग्राम गांजा जब्त किया है, जिसे अलग-अलग आकार की पुड़िया और खुले पैकेटों में रखा गया था। इसके साथ ही पुड़िया बनाने में इस्तेमाल होने वाला करीब 815 ग्राम प्लास्टिक भी बरामद किया गया है। बताया कि इस मामले में पुलिस ने लक्ष्मी कुमारी (32) को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में यह बात सामने आई है कि वह यह कारोबार पिछले करीब एक माह से कर रही थी। पुलिस ने जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 56/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी महिला को जेल भेज दिया है। छापामारी दल में सदर सीओ बासुकीनाथ टुडू, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, पुअनि पंकज वर्मा, सअनि विक्रम कुमार, संजय कुमार, सुबोध यादव, अरुण कुजूर और महिला हवलदार हिमांगनी बेसरा सहित अन्य जवान शामिल थे।

आरपीएफ ने 53 बोतल अवैध शराब के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

साहिबगंज : पश्चिम बंगाल में चल रहे विधानसभा चुनाव एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लागू आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में, आरपीएफ/सीबीआई/मालदा द्वारा आईपीएफ/ राज कुमार (आरपीएफ/सीबीआई/मालदा) के पर्यवेक्षण में, एसआई नंदन कुमार सिंह, एएसआई/रवि शंकर यादव एवं एचसी/नुपुर बरन मिड्या, के साथ ट्रेन संख्या 15743 (फरक्का एक्सप्रेस) में मालदा टाउन से बरहरवा रेलवे स्टेशन तक अवैध/प्रतिबंधित वस्तुओं, आपत्तिजनक सामग्री एवं अवांछनीय गतिविधियों के विरुद्ध नियमित चेकिंग अभियान चला रहे थे। जहां चेकिंग के दौरान, जब उक्त ट्रेन में समय लगभग 20:50 बजे प्लेटफॉर्म संख्या 01, बरहरवा रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाली थी, तब आरपीएफ/सीआईबी टीम द्वारा केएम संख्या 176/45 (न्यू फरक्का एंड की ओर) एक व्यक्ति को भारी सामान के साथ संदिग्ध अवस्था में देखा गया। संदेह होने पर उक्त व्यक्ति को रोका गया एवं उसके सामान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके बैग से विदेशी शराब (व्हिस्की) बरामद हुई। पूछताछ करने पर वह शराब के परिवहन के संबंध में कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका तथा कोई वैध अनुमति/दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। आगे पूछताछ में उसने अपना नाम शंभू कुमार साह उम्र 28 वर्ष, पिता सरयूग साह, निवासी साहाबाद गोरियासी सुल्तानगंज, पोस्ट गंगापुर, थाना सुल्तानगंज, जिला भागलपुर, बिहार बताया। वही उसके कब्जे से दो बैगों में विदेशी शराब बरामद हुई, 08 बोतल ब्लेंडर्स प्राइड व्हिस्की, प्रत्येक 750 एमल, पकुल मूल्य 8,960 रुपए, 04 बोतल ब्लेंडर्स प्राइड व्हिस्की, प्रत्येक 180 एमल, कुल मूल्य 1,160 रुपए, 18 बोतल रॉयल स्टैग व्हिस्की, प्रत्येक 375 एमल, कुल मूल्य 7,380 रुपए, उपरोक्त के सामग्री हल्के आसमानी रंग के प्लास्टिक बैग में पाई गई। जहां 23 बोतल रॉयल स्टैग व्हिस्की, प्रत्येक 375 एमल, कुल मूल्य 9,430 रुपए, उपरोक्त सामग्री मैरून रंग के बैक पैक में पाई गई। उपरोक्त दोनों बैग एवं उनमें रखी शराब को उपलब्ध गवाहों की उपस्थिति में विधिवत जब्त किया गया। तत्पश्चात उक्त व्यक्ति को उसी स्थान से विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी से पूर्व अभियुक्त को उसके अपराध एवं गिरफ्तारी के आधार की लिखित जानकारी दी गई तथा उसके विधिक अधिकारों से अवगत कराया गया। अभियुक्त के अनुरोध पर उसके परिजनों को मोबाइल के माध्यम से सूचना दी गई। उक्त गिरफ़्तार व्यक्ति और जब्त सामान को आबकारी विभाग, साहेबगंज को भी अग्रिम कार्रवाई हेतु सुपुर्द किया गया।

बरहरवा में आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई : ट्रेन से आठ चोरी के मोबाइल के साथ आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंज : मालदा रेल मंडल अंतर्गत आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार को बीते रात्रि लगभग 20:55 बजे सक्षम प्राधिकारी से गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ट्रेन संख्या 14004 (नई दिल्ली-मालदा टाउन एक्सप्रेस) में एक व्यक्ति रेलवे यात्रियों से चोरी किए गए एंड्रॉयड मोबाइल फोन ले कर जा रहा हैं। उक्त सूचना संजीव कुमार, निरीक्षक/आरपीएफ पोस्ट/बरहरवा को प्राप्त हुई थी। उक्त सूचना प्राप्त कर इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने अपने साथ ऑन ड्यूटी आरपीएफ बरहरवा प्लेटफार्म स्टाफ हेड कांस्टेबल पिनाकी सरकार, कांस्टेबल अनिल कुमार साह, कांस्टेबल अजय कुमार, सीपीडीएस टीम से एएसआई/बबूल दास, कांस्टेबल राजीव कुमार, कांस्टेबल नितेश कुमार और हेड कांस्टेबल आए.के. साह एवं सीआईबी आरपीएफ मालदा इंस्पेक्टर राज कुमार के नेतृत्व में एएसआई रवि शंकर यादव, एसआई नंदन कुमार सिंह एवं एचसी नुपुर बरन मिद्या यादव की संयुक्त टीम ने उक्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए ट्रेन संख्या 14004, जो लगभग 21:05 बजे प्लेटफॉर्म संख्या 03 पर पहुँची, की तलाशी ली।तलाशी के दौरान टीम ने सामान्य कोच (जीएस कोच संख्या एनआर-163408/सी) में बैठे एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की। तलाशी लेने पर उसके शरीर में पहने हॉफ गंजी में बने पॉकेट में छिपाकर रखे गए रेलवे यात्रियों के 08 चोरी के एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम इकबाल शेख, उम्र 57 वर्ष, पिता मेघु शेख, निवासी ग्राम महब्बतपुर दुईसताबिघी, थाना कालियाचक, जिला मालदा, पश्चिम बंगाल बताया तथा यह स्वीकार किया कि उसने उक्त ट्रेन में नई दिल्ली से बरहरवा के बीच यात्रा के दौरान यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी किए थे।उक्त व्यक्ति को प्लेटफॉर्म संख्या 03 पर उतारा गया, जहाँ उसके कब्जे से 08 मोबाइल फोन को उपलब्ध गवाहों की उपस्थिति में विधिवत जब्ती सूची तैयार कर जब्त किया गया। जब्ती किए गए मोबाइल का कुल कीमत 5,01,992 रुपए (पाँच लाख एक हजार नौ सौ बानवे रुपये) निर्धारित किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति को जब्त चोरी के मोबाइल के साथ और संबंधित दस्तावेजों सहित एवं शिकायत पत्र के साथ जीआरपी बरहरवा को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द किया गया। वहीं जीआरपी बरहरवा ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत उक्त व्यक्ति को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

निसात आलम ने ग्रामीण क्षेत्रों का किया दौरा समस्याओं के त्वरित समाधान का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम ने शनिवार को सदर प्रखंड अंतर्गत पंचायत झिकरहटी पश्चिम, उदयनारनपुर एवं कि स्मतकदमसर के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं का जायजा लिया। दौरे के क्रम में विधायक ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि आम लोगों को बेहतर और सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की मुख्य जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा विधायक ने एसआईआर के संबंध में भी लोगों को जागरूक किया। उन्होंने अपील की कि यदि किसी भी सरकारी दस्तावेज या सूची में नाम या अन्य विवरण में त्रुटि हो, तो उसे जल्द से जल्द सुधार कराएं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, मिरजाहन विश्वास, रामविलास महतो, मुखिया राजा, आबूतहर, सिराजुद्दीन शेख, अबस अली, डॉ. ऐनुल हक, अनारूल शेख, जमीरुल अंसारी, मोनीरूल शेख, सोहिदुल शेख सहित कांग्रेस के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जुगाड़ वाहन और मोटरसाइकिल में भिड़ंत, दो की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र के दिग्घी के समीप शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई। जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। हादसा एक जुगाड़ वाहन (भुटभुटिया) और मोटरसाइकिल के बीच हुई भिड़ंत के कारण हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुँचाया गया। जहाँ डॉक्टरों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। घायल युवक का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज जारी है। हादसे का शिकार हुए युवकों की पहचान करीम खान (20), धोबी पोखर बरहरवा, व कलीम शेख (25), उत्तर प्रदेश, बताया जा रहा है कि कलीम एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बरहरवा आया था। घायल नईम शेख (21), निवासी ग्राम कहारपाड़ा का रहने वाला को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा लाया गया। जहां ड्यूटी में तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया, ले जाने के क्रम में घायल युवक ने दम तोड़ दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया है। विशेष रूप से कलीम शेख की मौत ने परिवार को झकझोर कर रख दिया है। जो उत्तर प्रदेश से यहां एक वैवाहिक कार्यक्रम में खुशियां बांटने आया था। लेकिन सड़क हादसे ने उसकी जिंदगी छीन ली। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय बरहरवा और रांगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

देश सेवा का जज्बा जगाया, एयरफोर्स अधिकारियों ने दी विद्यार्थियों के बीच करियर बनाने की टिप्स

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड के जे के हाई स्कूल के रानी जमाहेर कुमारी देवी स्मार्ट सभागार में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बिहार के बिहटा एयरफोर्स ट्रेनिंग सेंटर से पहुंचे अधिकारियों ने छात्रों को भारतीय वायुसेना में करियर बनाने की जानकारी दी।कार्यक्रम में विंग कमांडर अरविंद सिंह रावत, सार्जेंट पी.के. द्विवेदी एवं सार्जेंट जी. एस. नेगी ने भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण व्यवस्था और आवश्यक शैक्षणिक योग्यताओं पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय वायुसेना में शामिल होना केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि देश सेवा का सम्मानजनक अवसर है। इसके लिए अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा, मेडिकल जांच और इंटरव्यू जैसे विभिन्न चरणों से गुजरना होता है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे अभी से अपनी पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस और अनुशासन पर विशेष ध्यान दें। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने एयरफोर्स में उपलब्ध विभिन्न पदों और उनके लिए निर्धारित योग्यताओं की जानकारी भी दी। साथ ही 10वीं और 12वीं के बाद उपलब्ध विभिन्न अवसरों की जानकारी भी दी गई, जिससे छात्र-छात्राएं अपने करियर की दिशा तय कर सकें। उन्होंने बताया कि 10वीं के बाद एयरमैन ग्रुप 'वाई' (नॉन-टेक्निकल) जैसे विकल्प उपलब्ध होते हैं, जबकि 12वीं के बाद विज्ञान संकाय के छात्र तकनीकी शाखाओं में आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा एनडीए जैसी परीक्षाओं के माध्यम से अधिकारी पद पर भी चयन का अवसर मिलता है। करीब 200 की संख्या में मौजूद छात्र-छात्राओं ने पूरे ध्यान और उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। कई छात्रों ने अपने करियर से जुड़े सवाल पूछे, जिनका अधिकारियों ने सरल और स्पष्ट जवाब दिया। एयरफोर्स से जुड़ी प्रश्नों के साथ छात्रों के बीच क्विज प्रतियोगिता किया गया और प्राइज भी दिया गया, इससे विद्यार्थियों में एयरफोर्स के प्रति रुचि और देश सेवा के प्रति नई ऊर्जा को जगाया। मौके पर प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. अभिजीत कुमार ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों के लिए बेहद प्रेरणादायक होते हैं। इससे उन्हें अपने भविष्य के प्रति स्पष्ट दिशा मिलती है। उन्होंने एयरफोर्स के अधिकारियों का विद्यालय पहुंचकर छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई गई सिदो-कान्हू जयंती

हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत रामनाथपुर गांव में महान स्वतंत्रता सेनानी सिदो-कान्हू की जयंती पूरे श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर गांव में स्थापित उनकी आदमकद प्रतिमा पर प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं कर्मियों ने भाग लिया। सभी ने बारी-बारी से सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके अद्वितीय साहस और बलिदान को याद किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण श्रद्धा और देशभक्ति से ओतप्रोत रहा। इसके पश्चात प्रखंड सभागार में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें प्रखंड के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया। सभा में सिदो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित की गई तथा उनके जीवन और संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि सिदो-कान्हू ने संताल विद्रोह के माध्यम से अंग्रेजी शासन के खिलाफ ऐतिहासिक संघर्ष छेड़ा था, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने अपने अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता और बलिदान से आदिवासी समाज ही नहीं, बल्कि पूरे देश को अन्याय के विरुद्ध लड़ने की प्रेरणा दी। मौके पर वक्ताओं ने यह भी कहा कि आज के समय में उनके आदर्शों और विचारों को आत्मसात करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि समाज में समानता, न्याय और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने और समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम का आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से किया गया, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।

डीसी ने विभिन्न संस्थानों का किया निरीक्षण

साहिबगंज: उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय चांदवासी तथा आंगनवाड़ी केंद्र सहराजढाब का भ्रमण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी लाभुकों को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों। इसके पश्चात उन्होंने अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय चांदवासी का निरीक्षण कर छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को व्यवस्था सुदृढ़ करने एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में आंगनवाड़ी केंद्र सहराजढाब में बिजली कनेक्शन नहीं होने की जानकारी मिलने पर उपायुक्त ने संबंधित विभाग को शीघ्र विद्युत कनेक्शन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्राथमिकता है, ताकि बच्चों एवं महिलाओं को बेहतर सेवाएं मिल सकें।उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे निरीक्षण के दौरान दिए गए दिशा-निदेर्शों का अनुपालन समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करें।

रेलवे फाटक पर बड़े वाहनों और ट्रैक्टरों की लगी लंबी कतार, जाम लगने से लोगों ने किया विरोध

साहेबगंज: शनिवार को कोटालपोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे फाटक पर शनिवार सुबह भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे स्कूली बच्चों को स्कूल पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम के कारण कई स्कूल बसें और अन्य वाहन करीब एक घंटे तक फंसे रहे। मिली जानकारी के अनुसार, सुबह लगभग 7 बजे के आसपास रेलवे फाटक पर बड़े वाहनों और ट्रैक्टरों की लंबी कतार लग गई, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। इस दौरान विभिन्न स्कूलों की बसें एवं बच्चों को ले जाने वाले वाहन फाटक के दोनों ओर फंस गए। बताया जाता है कि सुबह के समय स्कूलों का टाइम मॉर्निंग होने के कारण बच्चों को करीब 6 बजे से ही स्कूल ले जाया जाता है, लेकिन जाम के कारण उन्हें समय पर स्कूल पहुंचने में लगभग एक घंटे की देरी हुई। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। लोगों का कहना है कि नो एंट्री समय समाप्त होने के बाद भी बड़े वाहनों का परिचालन जारी रहता है, जिससे रोजाना इस तरह की समस्या उत्पन्न होती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सुबह कम से कम 6 बजे तक बड़े वाहनों के परिचालन पर सख्ती से रोक लगाई जाए, ताकि स्कूली बच्चों को समय पर स्कूल पहुंचने में कोई दिक्कत न हो।

सिद्धो-कान्हू जयंती पर पाकुड़ में श्रद्धांजलि प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

पाकुड़: अमर शहीद सिद्धो-कान्हू की जयंती के अवसर पर आज सिद्धो-कान्हू पार्क में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी, परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरुण कुमार एक्का, सिविल सर्जन डॉ सुरेन्द्र मिश्रा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, जिला योजना पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार, नगर परिषद अध्यक्ष सबरी पाल, कार्यपालक पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार चौधरी एवं नगर परिषद, उपाध्यक्ष राणा ओझा सहित अन्य पदाधिकारी द्वारा सिद्धो- कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया गया तथा हूल विद्रोह के महान सेनानियों—सिद्धो-कान्हू, चाँद-भैरव सहित सभी वीरों को नमन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि सिद्धो-कान्हू की जयंती केवल एक स्मरण का दिन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को उनके बलिदान और संघर्ष से प्रेरणा लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्रता और स्वच्छंद जीवन का आनंद ले रहे हैं, वह अनेक वीरों के त्याग और बलिदान का परिणाम है। हमें उनके संघर्षों को समझते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सिद्धो-कान्हू ने अंग्रेजों की गुलामी और शोषण के विरुद्ध क्रांति का बिगुल फूंका था और हूल विद्रोह के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। उनका जीवन हमें साहस, त्याग और देशभक्ति का संदेश देता है।

विधायक ने सरस्वती विद्या मंदिर में ए.आई. लैब पुस्तकालय व डिजिटल कक्षा का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : स्थानीय कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर में झारखंड की पूर्व शिक्षा मंत्री सह कोडरमा की वर्तमान विधायक डॉ. नीरा यादव द्वारा कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का संपादन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की वंदना सभा में दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ हुई। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह, उपाध्यक्ष अशोक राय एवं अरविन्द चौधरी, सचिव अनुराग सिंह, कोषाध्यक्ष नारायण शर्मा, समिति सदस्य तथा विद्यालय के प्राचार्य आनन्द मोहन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों का परिचय विद्यालय

के प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य आनन्द मोहन ने कहा कि आज का दिन विद्यालय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि विधायक महोदया द्वारा ए.आई. लैब, पुस्तकालय एवं डिजिटल कक्षा का उद्घाटन किया गया है, जो सीबीएसई विद्यालयों के लिए एक आवश्यक सुविधा है। इस दौरान शिशु वाटिका की छात्राओं ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि डॉ. नीरा यादव ने अपने संबोधन में कहा कि यह विद्यालय भारतीय संस्कृति और परंपराओं का सशक्त संवाहक है। यहां प्रवेश करते ही आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव होता है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दें, जिससे वे एक आदर्श एवं पूर्ण नागरिक बन सकें। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों की महत्ता को भी बनाए रखना आवश्यक है। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नारायण सिंह ने कहा कि विद्यालय के लिए यह सौभाग्य की बात है कि विधायक महोदया हर आह्वान पर विद्यालय के बीच उपस्थित होती हैं। अंत में विद्यालय के सचिव अनुराग सिंह ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूर्व वार्ड पार्षद विजय शुक्ला सहित विद्यालय के सभी आचार्य एवं दीदीजी उपस्थित रहे।

बड़ाजामदा बाजार के दो मोबाइल दुकानों में लाखों की चोरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिम सिंहभूम जिले के बड़ाजामदा थाना क्षेत्र अंतर्गत मुख्य बाजार में चोरी की बढ़ती घटनाओं ने स्थानीय व्यापारियों की नींद उड़ा दी है। शुक्रवार देर रात अज्ञात चोरों ने बाजार स्थित दो मोबाइल दुकानों को निशाना बनाते हुए उनके शटर का ताला तोड़ दिया और करीब 30 लाख रुपये मूल्य के महंगे मोबाइल फोन व अन्य सामान लेकर फरार हो गए। सुबह जब दुकानदार अपनी दुकानें खोलने पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पूरे बाजार में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ाजामदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की। पुलिस ने दुकानों के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके। शुरूआती जांच में यह भी सामने आया है कि चोरों ने पूरी योजना के साथ वारदात को अंजाम दिया और कम समय में बड़ी संख्या में मोबाइल लेकर फरार हो गए। थाना प्रभारी बालेश्वर उरांव ने बताया कि पिछले एक महीने से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। खासकर मोबाइल दुकानों और छोटे प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक दिन पहले हुई चोरी के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को चोरी किए गए मोबाइल के साथ पकड़ा था, जिससे पूछताछ में कई अहम सुराग मिले हैं। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस को आशंका है कि इन वारदातों में पड़ोसी राज्य ओडिशा से आने वाले कुछ नाबालिग शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि नशे की लत के कारण ये बच्चे चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

गिरती विधि-व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिला युवा कांग्रेस कमिटी के जिला उपाध्यक्ष मंगल देव सिंह उर्फ सन्नी सिंह के नेतृत्व में शहर में गिरती विधि-व्यवस्था, बढ़ते अपराध और ट्रैफिक अव्यवस्था को लेकर शनिवार को वरीय पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में शहर की मौजूदा स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। पत्र में कहा गया है कि जमशेदपुर में हाल के दिनों में अपराध की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे आम नागरिकों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। हत्या, चापड़ जैसे घातक हथियारों से हमले और संगठित अपराधों की बढ़ती घटनाएं पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही हैं। आरोप लगाया गया कि अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और वे बेखौफ होकर

वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, जबकि अपेक्षित सख्ती नहीं दिख रही है। ज्ञापन में शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को भी पूरी तरह चरमराई हुई बताया गया है। जगह-जगह जाम की समस्या से आम लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ट्रैफिक सुधार के नाम पर पुलिस केवल हेलमेट जांच पर अधिक ध्यान दे रही है, जिससे आम जनता अनावश्यक रूप से परेशान हो रही है, जबकि जाम की समस्या जस की तस बनी हुई है। इसके अलावा शहर में नशीले पदार्थों, विशेषकर स्मैक जैसे ड्रग्स की बढ़ती बिक्री पर भी चिंता जताई गई है। कहा गया है कि यह स्थिति युवाओं के भविष्य के लिए बेहद खतरनाक है, लेकिन इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया जा रहा है। साथ ही सट्टा जैसे अवैध कारोबार भी बड़े पैमाने पर संचालित हो रहे हैं, जिन पर अंकुश लगाने में प्रशासन विफल साबित हो रहा है। युवा कांग्रेस नेताओं ने अपने पत्र में स्पष्ट कहा है कि इन सभी परिस्थितियों से यह साफ है कि शहर की कानून-व्यवस्था दिन-प्रतिदिन कमजोर होती जा रही है और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

कोडरमा जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी घोषित, संगठन को मजबूती देने पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा कोडरमा जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी के गठन को मंजूरी दे दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के हस्ताक्षर से जारी पत्र के अनुसार, इस कार्यकारिणी का कार्यकाल अधिसूचना की तिथि से 5 वर्षों तक प्रभावी रहेगा। जारी सूची में जिला उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव समेत विभिन्न पदों पर कई नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही ब्लॉक प्रभारी, नगर पंचायत प्रभारी एवं मंडल स्तर पर संगठनात्मक कार्यों के लिए भी पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इस नई टीम में संगठन के विस्तार और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। नई कार्यकारिणी में अनंत कुमार मेहता, मालती चंद्रा, चंद्र भूषण साव, अज्जू सिंह, अनिल दास, दशरथ पासवान, मिसबाह उधीन सहित कई नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। वहीं जिला महासचिव और सचिव स्तर पर भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को संगठन में शामिल किया गया है। जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने नई कार्यकारिणी के गठन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह नई टीम कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का काम करेगी। सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ संगठन को मजबूत करने और जनता के मुद्दों को उठाने का निर्देश दिया गया है। आने वाले समय में कोडरमा में कांग्रेस पार्टी और भी मजबूत होकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी में युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाया गया है, जिससे संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और पार्टी की नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा।

जंगली हाथी के कुचलने से एक व्यक्ति की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल अनुमंडल अंतर्गत कुकडू प्रखंड के तिरुलडीह पंचायत स्थित सापारुम गांव में शनिवार सुबह जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान राधा तंतुबाई के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह एक जंगली हाथी अचानक गांव में घुस आया। ग्रामीण कुछ समझ पाते, इससे पहले ही हाथी ने राधा तंतुबाई को अपनी चपेट में ले लिया और उन्हें कुचल दिया।

हमले की भयावहता ऐसी थी कि मौके पर मौजूद लोग डर के कारण कोई बचाव नहीं कर सके और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए घरों में छिप गए और काफी देर तक बाहर निकलने से डरते रहे। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों से इलाके में जंगली हाथियों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। हाथियों के झुंड अक्सर गांव के पास पहुंच जाते हैं, जिससे न केवल फसलें बर्बाद हो रही हैं बल्कि लोगों की जान पर भी खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और वन विभाग से तत्काल ठोस कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जाए, गांवों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और हाथियों को जंगल की ओर वापस भेजने के लिए स्थायी व्यवस्था बनाई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।

गैर-पारंपरिक ग्राम सभाओं को न मिले मान्यता : भीम सिंह मुंडा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : अखिल भारतीय सरना समाज ने पेसा अधिनियम 1996 में राज्य सरकार द्वारा हाल ही में किए गए संशोधन और जारी अधिसूचना पर आपत्ति जताई है। खूंटी में शनिवार को नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टुटी के आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में समाज के अध्यक्ष भीम सिंह मुंडा और अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में शासन व्यवस्था पारंपरिक आदिवासी प्रणाली के अनुसार ही संचालित होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि गैर-पारंपरिक ग्राम सभाओं को मान्यता दी जाती है, तो समाज इसका पुरजोर विरोध करेगा और ऐसी ग्राम सभाओं को जनता पूरी तरह खारिज कर देगी। उनके अनुसार केवल पारंपरिक

ग्राम सभा व्यवस्था को ही मान्यता मिलनी चाहिए। भीम सिंह मुंडा ने ग्राम प्रधान, पाहन और पड़हा राजा जैसे पारंपरिक पदों की महत्ता बताते हुए कहा कि ये केवल प्रशासनिक पद नहीं हैं, बल्कि धार्मिक और सामाजिक जिम्मेदारियों से भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण कर चुके आदिवासी इन पदों की धार्मिक जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं कर सकते, विशेषकर पाहन (पुजारी) जैसे पदों पर उनकी नियुक्ति पर आपत्ति जताई। भीम सिंह मुंडा ने कहा कि ग्राम सभा को केवल प्रशासनिक इकाई के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह एक पारंपरिक, सामाजिक और धार्मिक संस्था है, जिसकी मूल संरचना को बनाए रखना आवश्यक है। सर्ना समाज के अध्यक्ष ने इस मौके पर आरोप लगाया कि धर्मांतरित आदिवासी दोहरा लाभ उठा रहे हैं। एक आदिवासी होने का और दूसरा अल्पसंख्यक होने का। इससे पारंपरिक सर्ना आस्था को मानने वाले आदिवासी पीछे छूटते जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पेसा अधिसूचना लागू होने के बाद इस स्थिति को स्वीकार नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सरकार वोट बैंक की राजनीति कर रही है, जबकि आदिवासी परंपरा और अस्तित्व खतरे में है। साथ ही उन्होंने ग्राम प्रधान शब्द को अस्वीकार करते हुए इसे हातू मुंडा नाम से संबोधित करने की मांग की। इस मौके पर समाज के सचिव लीलू पाहन, नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टुटी, कोषाध्यक्ष नौरी पूर्ति, सदस्य बिरसा पाहन और नीरा हस्सा सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

डिवाइडर से टकराकर स्कूटर सवार की मौत

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के सीएच एरिया में शुक्रवार देर रात एक सड़क हादसे में स्कूटर सवार व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सर्किट हाउस के पास तेज रफ्तार में जा रहा स्कूटर अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया, जिससे चालक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की रात्रि गश्ती टीम मौके पर पहुंची और घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान उसकी जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर बलिराम रजक के रूप में हुई है। आधार कार्ड में उनके पिता का नाम राम प्रसाद रजक और पता सोनारी के रामनगर का दर्ज है। उनकी उम्र करीब 55 वर्ष बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है। बिष्टुपुर थाना प्रभारी अशोक दुबे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जंगली हाथी के कुचलने से एक व्यक्ति की मौत

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल अनुमंडल अंतर्गत कुकडू प्रखंड के तिरुलडीह पंचायत स्थित सापारुम गांव में शनिवार सुबह जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान राधा तंतुबाई के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह एक जंगली हाथी अचानक गांव में घुस आया। ग्रामीण कुछ समझ पाते, इससे पहले ही हाथी ने राधा तंतुबाई को अपनी चपेट में ले लिया और उन्हें कुचल दिया। हमले की भयावहता ऐसी थी कि मौके पर मौजूद लोग डर के कारण कोई बचाव नहीं कर सके और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए घरों में छिप गए और काफी देर तक बाहर निकलने से डरते रहे। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों से इलाके में जंगली हाथियों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। हाथियों के झुंड अक्सर गांव के पास पहुंच जाते हैं, जिससे न केवल फसलें बर्बाद हो रही हैं बल्कि लोगों की जान पर भी खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और वन विभाग से तत्काल ठोस कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जाए, गांवों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और हाथियों को जंगल की ओर वापस भेजने के लिए स्थायी व्यवस्था बनाई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।

महिला की हत्या जांच में जुटी पुलिस

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जेटेया थाना क्षेत्र में बाहा पर्व की खुशियों के बीच शुक्रवार की देर रात बड़ा पासेया गांव के चिरु पासेया टोला में 50 वर्षीय महिला टुरिया गगराई की हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। अज्ञात हमलावर ने महिला के सिर पर हथौड़े से कई वार किए और फिर लाठी-डंडों तथा पत्थरों से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। सिर और पसलियों पर गंभीर चोट लगने के कारण महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के समय गांव में बाहा पर्व मनाया जा रहा था और अधिकांश ग्रामीण उत्सव में व्यस्त थे। इसी बीच महिला अपने घर से कुछ दूरी पर थी, तभी पहले से घात लगाकर बैठे हमलावर ने उस पर अचानक हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपित पास के एक आम के पेड़ के पीछे छिपा हुआ था और मौका मिलते ही उसने वारदात को अंजाम दिया।

संक्षिप्त खबरें

सीसीएल सौंदा में ज्योतिबा फुले जयंती पर जागरूकता और सम्मान का संदेश

भुरकुंडा : राजकीय मध्य विद्यालय, सीसीएल सौंदा में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की 199वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन माली मालाकार संघर्ष मोर्चा इंडिया फाउंडेशन के तत्वावधान में किया गया, जिसमें शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और समरसता का संदेश प्रमुख रूप से उभरकर सामने आया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर माल्यार्पण के साथ की गई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर स्कूली बच्चों के बीच कॉपी और पेन का वितरण किया गया। आयोजकों ने कहा कि शिक्षा ही समाज को आगे बढ़ाने का सबसे सशक्त माध्यम है और इसी सोच को आगे बढ़ाने के लिए यह पहल की गई है। बच्चों में उत्साह देखने लायक था और उन्होंने इस आयोजन को प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन और उनके संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। बताया गया कि उन्होंने समाज को रूढ़िवादी सोच और कुरीतियों से बाहर निकालने के लिए निरंतर संघर्ष किया। शिक्षा के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का उनका प्रयास आज भी प्रेरणा देता है। साथ ही माता सावित्रीबाई फुले के योगदान को भी याद किया गया, जिन्होंने महिलाओं की शिक्षा के लिए ऐतिहासिक पहल की और समाज में नई चेतना जगाई। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी सती प्रथा, बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई और बदलाव की नींव रखी। र्यक्रम के दौरान माली मालाकार संघर्ष मोर्चा इंडिया फाउंडेशन ने झारखंड सरकार के माध्यम से भारत सरकार से महात्मा ज्योतिबा फुले को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग उठाई। साथ ही उनके जीवन संघर्ष और विचारों को पाठ्यक्रम में शामिल करने का आग्रह किया गया, ताकि नई पीढ़ी उनके आदर्शों से प्रेरणा ले सके। 05

कोडरमा में झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की हुई बैठक, संगठन की मजबूती पर जोर

झुमरीतिलैया : झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को सेक्रेट हार्ट स्कूल सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुमार रमेशम ने जबकि संचालन सचिव अनिल सिंह ने किया। बैठक में मुख्य रूप से संस्थापक शाहनवाज हुसैन उपस्थिति रहे। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने, पत्रकारों की एकजुटता बढ़ाने तथा यूनियन के सभी सदस्यों के बीमा की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। यूनियन के संस्थापक शाहनवाज हुसैन ने कहा कि संगठन की मजबूती ही पत्रकारों की ताकत है। उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि वे संगठन को और सशक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेश संगठन हर परिस्थिति में अपने सभी सदस्यों के साथ खड़ा है और उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने भी संगठन को मजबूत करने के लिए अपने सुझाव रखे और एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में आगामी 1 मई को पतरातू में होने वाले बीएसपीएस के राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक पर भी चर्चा हुई। मौके पर बीएसपीएस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी संजीव समीर, कानूनी सलाहकार जगदीश सलूजा के अलावा प्रेम भारती, चन्द्रशेखर जोशी, रामकृष्ण मेहता, रवि छाबड़ा, राम कुमार, राजेन्द्र बर्णवाल, सत्येंद्र सिंह, सुधीर पांडेय, रंजन सिंह, जयकांत मोदी सहित कई पत्रकार सदस्य मौजूद थे।

अधूरे ओवरब्रिज से स्कूटी सहित गिरकर छात्र की मौत

पलामू : मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के चियांकी में नेशनल हाईवे के अधूरे ओवरब्रिज पर जन्मदिन पार्टी मनाने के क्रम में स्कूटी सहित गिरकर एक छात्र की मौत हो गई। युवक की पहचान 15 वर्षीय अमन उरांव पिता अर्जुन उरांव के रूप में हुई है। वह पांकी रोड पोखराहा का रहने वाला था। घटना के समय उसकी मां सतबरवा इलाके में शादी समारोह में शामिल होने गई थी, जबकि पिता बनारस में काम करने के सिलसिले में गए हुए थे। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एमएमसीएच में शनिवार को सुबह 10 बजे शव का पोस्टमार्टम हुआ। अमन दो भाई और एक बहन में सबसे छोटा था। आठवीं कक्षा में पढ़ता था। जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर शाम अमन के अलावा उसके कई साथी जन्मदिन पार्टी मनाने के लिए चियांकी में नेशनल हाईवे के अधूरे ओवरब्रिज पर गए थे। एमएमसीएच में मृतक के भाई चुन्नू उरांव ने जानकारी दी कि अमन को बर्थडे पार्टी में ले जाया गया था। उसे स्कूटी चलाने नहीं आता था। बावजूद उसके दोस्त ने चलाने के लिए दे दिया था। चलाने के क्रम में अचानक अनियंत्रित होकर ऊपर से नीचे गिर गया। चुन्नू के अनुसार बर्थडे पार्टी में पोखराहा गांव के ही अमन के पांच दोस्त शामिल थे जिनमें लड़कियां भी शामिल थी। इधर सदर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। स्कूटी का रजिस्ट्रेशन नंबर (जेएच03ए 3175) है। सदर थाना प्रभारी लाल जी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जन्मदिन मनाने के लिए पांच बच्चे फ्लाईओवर पर गए थे। मृतक की चचेरी बहन का जन्मदिन था। इसी क्रम में स्कूटी सहित गिरने से किशोर की मौत हो गयी। अभी तक इस संबंध में कोई आवेदन नहीं मिला है। मामले में अपने स्तर से जांच की जा रही है।

खराब नलकूप से पेयजल संकट, ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के झींकपानी प्रखंड अंतर्गत ग्राम कैलेंडे के कुम्हार टोला में पिछले लगभग चार महीनों से नलकूप खराब होने के कारण गंभीर पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। हर घर जल योजना के तहत लगाया गया यह नलकूप लंबे समय से बंद पड़ा है, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए ग्रामीणों ने बैनर के साथ विरोध प्रदर्शन किया। बस्ती चलो अभियान के तहत शुक्रवार को क्षेत्र का दौरा करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष गीता बालमुचू गांव पहुंचीं और ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभाग को नलकूप की शीघ्र मरम्मत कराने का निर्देश दिया। मौके पर मंडल अध्यक्ष दिलीप महतो और झींकपानी मंडल महामंत्री वरुण सवैया भी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने बताया कि नलकूप खराब रहने के कारण उन्हें दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है। इस समस्या से सबसे ज्यादा महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि खराब नलकूप की जल्द मरम्मत कराई जाए, ताकि उन्हें पेयजल संकट से राहत मिल सके।

संक्षिप्त डायरी

बिहार के इस जिले में खुलेगी मॉडर्न चीनी मिल

पटना (एजेंसी) पूर्वी चंपारण के चकिया में नई चीनी मिल की स्थापना को लेकर प्रक्रिया तेज हो गई है. केंद्रीय टीम ने प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया, जिससे किसानों, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को नई उम्मीद मिली है. पूर्वी चंपारण जिले के चकिया में नई चीनी मिल की स्थापना को लेकर हलचल तेज हो गई है. नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्री लिमिटेड (एनएफसीएसएफ) की केंद्रीय टीम ने प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर परियोजना को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम कदम उठाया है. इस पहल से क्षेत्र में औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसर बनने की उम्मीद जगी है. पुरानी मिल के साथ नई साइट का भी हुआ निरीक्षण केंद्रीय टीम ने सबसे पहले वर्षों से बंद पड़ी चकिया चीनी मिल का जायजा लिया. यहां की मौजूदा स्थिति, मशीनरी और आधारभूत ढांचे का आकलन किया गया. इसके बाद टीम ने करीब पांच किलोमीटर पश्चिम राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे महुआवा में चिन्हित नई जमीन का निरीक्षण किया और उसकी उपयुक्तता पर विचार किया. किसानों से सीधा संवाद, जुटाए गए आंकड़े निरीक्षण के दौरान टीम ने आसपास के किसानों से बातचीत कर गन्ना उत्पादन, आपूर्ति और उनसे जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली. इसके साथ ही कृषि विभाग और अन्य अधिकारियों से मिलकर सिंचाई, उत्पादन और तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई. 3500 एमटी क्षमता की होगी आधुनिक मिल निरीक्षण के बाद टीम के अधिकारी आरडी डोले ने बताया कि पुरानी चीनी मिल की क्षमता महज 500 मीट्रिक टन थी और वह पुरानी तकनीक पर आधारित थी. नई प्रस्तावित मिल 3500 एमटी क्षमता की होगी, जिसमें आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा. इस मिल में इथेनॉल, बायो-सीएनजी और अन्य बायो प्रोडक्ट्स के उत्पादन की भी संभावना जताई जा रही है

मुजफ्फरपुर बनेगा डेयरी हब, 85 करोड़ की लागत से लगेगी यूनिट

पटना (एजेंसी) बिहार में इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए मुजफ्फरपुर में 85 करोड़ रुपये की लागत से डेयरी प्रोसेसिंग यूनिट लगाई जाएगी. इस प्रोजेक्ट से 227 लोगों को रोजगार मिलेगा. किसानों को बेहतर बाजार मिलेगा. यह कदम फूड प्रोसेसिंग सेक्टर और लोकल इकॉनमी को मजबूत करेगी. : बिहार में कृषि आधारित उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुजफ्फरपुर में एक बड़ी डेयरी प्रोसेसिंग यूनिट लगने जा रही है. ओसम डेयरी (एचआर फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड) करीब 85.03 करोड़ रुपये का निवेश कर प्लांट लगाएगी. इस प्रोजेक्ट से लगभग 227 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है. प्रोजेक्ट के लिए मिल चुकी है मंजूरी इस परियोजना को प्रोजेक्ट क्लीयरेंस कमेटी से मंजूरी मिल चुकी है. बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार ने मोतीपुर क्लस्टर के डुमरिया औद्योगिक क्षेत्र में करीब 7.14 एकड़ जमीन भी आवंटित कर दी है. इससे प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारने का रास्ता साफ हो गया है. इस प्लांट में दूध, दही, पनीर, लस्सी, मक्खन, घी, फ्लेवर्ड मिल्क और दूध से बनने वाली मिठाइयों का उत्पादन किया जाएगा. इससे डेयरी सेक्टर में वैल्यू एडिशन बढ़ेगा और किसानों को भी बेहतर बाजार मिलेगा. क्या बोले मंत्री दिलीप जायसवाल उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि सरकार कृषि आधारित और फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है. ऐसे प्रोजेक्ट न सिर्फ रोजगार बढ़ाते हैं बल्कि किसानों से जुड़ी सप्लाई चेन को भी मजबूत करते हैं. बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और तेजी से मिलने वाली मंजूरी के कारण बिहार अब इन्वेस्टमेंट के लिए आकर्षक जगह बन रहा है. यह प्रोजेक्ट भी इसी दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है. स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा बड़ा फायदा इस यूनिट के लगने से आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी.

बिहार में चिलचिलाती धूप ने बढ़ाई बेचैनी

पटना (एजेंसी) बिहार में पिछले तीन-चार दिनों तक मौसम सुहावना बना रहा. ऐसे में अब तपती गर्मी का प्रकोप झेलना पड़ेगा. चिलचिलाती धूप से बेचैनी बढ़ेगी. लू चलने की संभावना भी जताई गई है. ऐसी स्थिति में लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है. बिहार में अब लोगों को चिलचिलाती धूप का असर झेलना पड़ सकता है. पिछले तीन-चार दिनों से हल्की बारिश और तेज हवा की वजह से मौसम सुहावना बना हुआ था. लेकिन अब कुछ दिनों तक मौसम पूरी तरह शुष्क बने रहने की संभावना जताई गई है. इसके साथ ही लू चलने को लेकर अलर्ट भी जारी किया गया है. खासकर दोपहर के वक्त लोगों से घर में ही रहने की अपील की गई है. मौसम विभाग ने क्या जताई संभावना? मौसम विभाग की माने तो, बिहार में अगले तीन से चार दिनों के दौरान राज्य के कई हिस्सों के अधिकतम तापमान में 4 से 6 डिग्री की बढ़ोतरी होने की संभावना है. अगले दो से तीन दिनों के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों के न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री की बढ़ोतरी होने की संभावना है. मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रविवार तक 32 से 38 डिग्री के बीच में दिन का तापमान रहेगा. जबकि राज्य के अधिकतर भागों में आसमान साफ रहेगा और तेज हवा चलने का पूर्वानुमान है. बिहार में पिछले 24 घंटों के दौरान कई जगहों पर हल्की बारिश हुई है. लू चलने को लेकर भी अलर्ट जारी मौसम विभाग की ओर से अगले कुछ दिनों के दौरान लू चलने की भी संभावना जताई गई है. विभाग की माने तो, राज्य के दक्षिण और मध्य हिस्से में लू का प्रकोप ज्यादा देखा जा सकता है. इसके साथ ही 16 अप्रैल तक मौसम में कुछ खास बदलाव होने की संभावना भी नहीं जताई गई है. पिछले 24 घंटे में मोतिहारी सबसे ज्यादा गर्म रहा, जहां का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. जबकि किशनगंज में सबसे कम अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. लोगों से सतर्क रहने की अपील बिहार में लू की संभावना को देखते हुए लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है

छपरा समेत इन स्टेशनों से गुजरेगी बनारस-कोलकाता स्पेशल ट्रेन

पटना (एजेंसी) रेलवे की ओर से यात्रियों को खास राहत दी गई है. बनारस और कोलकाता के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. यह ट्रेन छपरा समेत कई स्टेशनों से गुजरेगी. अप्रैल में यह ट्रेन तीन दिन चलेगी. रेल यात्रियों के लिए रेलवे की ओर से खास फैसला लिया गया है. गर्मी के मौसम में स्टेशनों पर उमड़ने वाली भीड़ की संभावना को देखते हुए बनारस और कोलकाता के बीच समर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. यह ट्रेन अप्रैल में तीन चक्कर लगाएगी, जिससे यात्रियों को राहत मिलेगी. स्पेशल ट्रेन की क्या होगी टाइमिंग? ट्रेन नंबर- 05048, 14, 21 और 28 अप्रैल को सुबह 10:45 बजे बनारस से रवाना होगी. यह वाराणसी जंक्शन सहित प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी और दोपहर 3:10 बजे छपरा जंक्शन पहुंचेगी. हावड़ा जैसे विभिन्न स्टेशनों से होते हुए, यह अगले दिन सुबह 6:15 बजे कोलकाता पहुंचेगी. इसके बाद वापसी में ट्रेन नंबर- 05047, 15, 22 और 29 अप्रैल को सुबह 8:25 बजे कोलकाता से रवाना होगी और रात 11:20 बजे छपरा जंक्शन पहुंचेगी. यह अगले दिन सुबह 4:15 बजे बनारस पहुंचेगी. इन स्टेशनों पर होगा ट्रेन का स्टॉपेज जानकारी के मुताबिक, यह ट्रेन वाराणसी जंक्शन, औंड़िहार, गाजीपुर सिटी, बलिया, रेवती और सुरेमनपुर होते हुए दोपहर 3:10 बजे छपरा जंक्शन पहुंचेगी. इसके बाद दिघवारा, सोनपुर, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी, किऊल, झाझा, जसीडीह, मधुपुर, चित्तरंजन, आसनसोल, दुगार्पुर, बर्द्धमान, बैंडेल और नैहाटी जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन सुबह 6:15 बजे कोलकाता पहुंच जाएगी

बिहार में 'नीतीश युग' का नया अध्याय

राज्यसभा की शपथ के बाद पटना लौटे सीएम

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सांसद बने. शपथ ग्रहण के बाद शुक्रवार की शाम ही सीएम नीतीश कुमार पटना वापस लौट आए. ऐसे में अब आज सीएम नीतीश जेडीयू नेताओं संग बैठक कर सकते हैं. इस बैठक में जेडीयू की आगे की भूमिका पर चर्चा हो सकती है. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सांसद बनने के बाद अब राज्य में नए सीएम को लेकर चर्चा और भी तेज हो गई है. शुक्रवार को शपथ ग्रहण के बाद शाम तक नीतीश कुमार पटना लौट आए. ऐसे में अब पटना में जेडीयू और बीजेपी के बैठकों का दौर शुरू हो सकता है. आज ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जेडीयू नेताओं के साथ बैठक कर सकते हैं. बैठक को लेकर संभावना जताई जा रही है कि इसमें राज्य के नए सीएम के साथ-साथ जेडीयू की आगे की भूमिका पर भी चर्चा की जा सकती है. दूसरी तरफ बीजेपी भी बैठक करने वाली है, जिसमें नए सीएम और बिहार में नई सरकार के स्वरूप को लेकर ही चर्चा हो सकती है. शपथ ग्रहण से पहले सीएम नीतीश ने क्या कहा था? शुक्रवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सीएम नीतीश कुमार को शपथ दिलाया. शपथ ग्रहण के एक दिन पहले सीएम ने कहा था, हम अब दिल्ली में ही रहकर काम करेंगे. वहां का सबकुछ छोड़कर अब यहीं रहेंगे. लेकिन जब उनसे बिहार के मुख्यमंत्री पद और वहां की जिम्मेदारियों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वे तीन-चार दिन के बाद वापस जायेंगे और सब कुछ व्यवस्थित कर देंगे. ऐसे में आज क्या कुछ गतिविधियां होती हैं, यह देखने वाली बात होगी. बिहार में कब तक बन सकती है नई सरकार? राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सीएम नीतीश कुमार 13 अप्रैल को आखिरी कैबिनेट की बैठक कर सकते हैं. 14 अप्रैल को खरमास खत्म होने के बाद 15 अप्रैल को नई सरकार का गठन हो सकता है. इससे पहले ठऊअ के सभी घटक दल अपने-अपने नेता का चयन करेंगे. संभावित कार्यक्रम के अनुसार, 14 अप्रैल को विधायक दल के नेता का ऐलान और उसके बाद नीतीश कुमार राज्यपाल को इस्तीफा सौंप सकते हैं. दिल्ली में इखढ की कैंसिल हुई बैठक दिल्ली में प्रस्तावित भाजपा कोर कमेटी की अहम बैठक ऐन वक्त पर रद्द कर दी गई. यह बैठक भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार प्रभारी विनोद तावड़े के आवास पर होनी थी, जिसमें राज्य की आगामी रणनीति, सीट बंटवारे और संभावित नेतृत्व पर चर्चा होनी थी. बैठक रद्द होने के तुरंत बाद दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट और विजय सिन्हा पटना वापस लौट आये. सूत्रों के अनुसार, उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल सहित अन्य नेता शनिवार को पटना पहुंचेंगे. बैठक में बिहार के अगले मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर मंथन होना था. इसके अलावा कैबिनेट विस्तार और आगामी चुनावी रणनीति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे एजेंडे में शामिल थे. लेकिन अब तक बैठक स्थगित किए

बिहार में करोड़ों रुपए की लागत से बनेगी रेल फैक्ट्री, हजारों युवाओं को मिलेगा

पटना (एजेंसी) बिहार के डालमियानगर में करोड़ों रुपए की लागत से रेल फैक्ट्री लगाई जाएगी. इससे बिहार के हजारों युवाओं को रोजगार मिल सकेगा. जल्द ही इस परियोजना पर काम शुरू किया जाएगा. इसे लगभग 219 एकड़ की जमीन पर विकसित किया जाएगा. बिहार के रोहतास जिले के डालमियानगर में रेल वैगन मरम्मत कारखाने का निर्माण किया जाएगा. फैक्ट्री के निर्माण को लेकर भारतीय रेलवे के डीडीयू रेल मंडल और राइट्स की तरफ से आधिकारिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. रेल फैक्ट्री के बनने से बिहार के युवाओं को बड़ा फायदा हो सकेगा. नई फैक्ट्री की क्या है अनुमानित लागत? जानकारी के मुताबिक, इस परियोजना की लागत लगभग 403.20 करोड़ रुपए है. इसे 219 एकड़ की जमीन पर विकसित किया जाएगा. रेल बजट 2026-27 में इस परियोजना के लिए राशि आवंटित की गई थी. समय के अंदर ही इस परियोजना के पूरा होने की संभावना जताई जा रही है. डीडीयू रेल मंडल के डीआरएम की माने तो, रोजगार के लिए यह बड़ा केंद्र बन सकेगा. युवाओं के साथ व्यापारियों को फायदा रेल फैक्ट्री के लगने से युवाओं के लिए रोजगार तो उपलब्ध होगा ही लेकिन इसके साथ-साथ आस-पास के इलाकों में वेल्डिंग, स्पेयर पार्ट्स निर्माण, पेंटिंग जैसे छोटे-बड़े उद्योगों को स्थापित भी किया जाएगा. इससे जिले की इकोनॉमी भी मजबूत हो सकेगी. नई रेल फैक्ट्री को लेकर आस-पास के लोगों और व्यापारियों के बीच उत्साह का माहौल है. 1984 में ही बंद हुआ था कारखाना डालमियानगर देश के फेमस औद्योगिक केंद्र में से एक है. 1984 में ही यह बंद हो गया था. लेकिन 2007 में फिर इसे चालू करने के लिए जमीन का अधिग्रहण किया गया. 2009 में शिलान्यास भी किया गया. लेकिन किसी ना किसी कारण से काम शुरू नहीं हो पाया. लेकिन अब कारखाने को स्थापित किए जाने के काम को तेज कर दिया गया है. पहलेजा रेलवे स्टेशन से कारखाना तक नया रेलवे फ्लाईओवर और ट्रैक बनाया जाएगा. इससे वैगनों को मरम्मत के लिए वर्कशॉप तक आसानी से लाया जा सकेगा.

मरीन ड्राइव पर फोटोशूट कराते दिखे अनंत सिंह, फेवरेट घोड़ा 'करण' भी दिखा साथ

पटना (एजेंसी) मोकामा के विधायक अनंत सिंह जेल से निकलते ही एक्टिव हैं. इस बीच आज अनंत सिंह पटना के मरीन ड्राइव पर दिखे. यहां उन्होंने फोटोशूट कराया. इस दौरान अनंत सिंह का फेवरेट घोड़ा 'करण' भी साथ में दिखा. मोकामा के विधायक अनंत सिंह जेल से रिहा होने के बाद कभी अपने बेटे को घुड़सवारी सिखाते तो कभी खुद फोटोशूट कराते दिख रहे हैं. इस बीच इस बार अनंत सिंह पटना के मरीन ड्राइव पहुंच गए हैं. मरीन ड्राइव पर काले चश्मे में उन्होंने फोटोशूट कराया. इस दौरान उनका फेवरेट घोड़ा ह्यकरणह्न भी मौजूद रहा. घोड़े के साथ दिखे अनंत सिंह एक वीडियो में देखा गया कि अनंत सिंह अपनी लग्जरी गाड़ी रेंज रोवर में बैठे हुए हैं और गाड़ी के साथ-साथ उनका घोड़ा सड़क पर दौड़ रहा है. इससे पहले भी कई बार उन्होंने अपने पसंदीदा घोड़ा करण के साथ वीडियो शेयर किया है. अनंत सिंह अपने अलग अंदाज और हाजिर जवाबी के लिए लोगों को काफी पसंद आते हैं. अनंत सिंह को घुड़सवारी का शौक बताया जाता है कि अनंत सिंह को घुड़सवारी का काफी शौक है जेल से बाहर आने के बाद से एक्टिव दुलारचंद हत्याकांड को लेकर अनंत सिंह बेऊर जेल में बंद थे. जेल से निकलने के बाद मंदिर जाकर अनंत सिंह ने माता रानी का आशीर्वाद लिया था. इसके बाद कई बार उन्हें जनता के बीच और मीडिया से बातचीत करते हुए देखा गया. इस बीच उनका यह बदला हुआ अंदाज लोगों के बीच चर्चा में बना हुआ है

बेतिया राज की 175 एकड़ जमीन को बिहार सरकार कराएगी मुक्त, डिप्टी सीएम ने बताया पूरा प्लान

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार अब दूसरे राज्यों में स्थित बेतिया राज की जमीन को भी अवैध कब्जे से मुक्त कराने की तैयारी में है. 175 एकड़ से अधिक भूमि पर कार्रवाई को लेकर सख्त कदम उठाए जा रहे हैं. इस बात की जानकारी डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने दी है. बिहार सरकार अब बेतिया राज की जमीन को लेकर बड़े एक्शन मोड में है. राज्य के बाहर स्थित संपत्तियों को भी अवैध कब्जे से मुक्त कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है. उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी. उन्होंने साफ किया कि किसी भी कीमत पर सरकारी जमीन पर कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. दूसरे राज्यों में भी चलेगा अभियान डिप्टी सीएम ने बताया कि उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में फैली बेतिया राज की जमीन को चिन्हित कर उसे अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा. कि उत्तर प्रदेश में स्थित बेतिया राज की संपत्तियों से जुड़े मामलों के लिए सचिव, राजस्व परिषद को विशेष अधिकारी नामित किया जाएगा. इन्हें वही अधिकार दिए जाएंगे, जो बिहार में विशेष पदाधिकारी को प्राप्त हैं. आपत्ति दर्ज कराने का मिलेगा मौका अधिसूचना जारी होने के बाद यदि किसी व्यक्ति या पक्ष को जमीन को लेकर आपत्ति है, तो वह राजस्व परिषद के सचिव के समक्ष आवेदन कर सकेगा. इसके बाद मामले की सुनवाई और निर्णय लिया जाएगा. सरकार ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई अधिभोगी जमीन को अपने नाम करवाना चाहता है, तो उसे निर्धारित राशि जमा करनी होगी. इसके लिए संबंधित जिले के समाहर्ता (कलेक्टर) द्वारा मूल्य तय किया जाएगा. अगर निर्धारित राशि जमा नहीं की जाती है, तो संबंधित व्यक्ति को कानून के तहत बेदखल कर जमीन का कब्जा सरकार को सौंप दिया जाएगा. यूपी के कई शहरों में फैली है जमीन बेतिया राज की कुल 175.53 एकड़ जमीन उत्तर प्रदेश के कई जिलों में फैली हुई है. इसमें इलाहाबाद में 26.56 एकड़, गोरखपुर में 50.92 एकड़ और कुशीनगर में सबसे अधिक 69.59 एकड़ जमीन शामिल है. इसके अलावा बस्ती, अयोध्या (फैजाबाद), महाराजगंज, मिजार्पुर और वाराणसी में भी जमीन मौजूद है. सरकार के इस फैसले को अतिक्रमण के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है. इससे न सिर्फ सरकारी जमीन की सुरक्षा होगी, बल्कि अवैध कब्जाधारियों पर भी दबाव बढ़ेगा.

यूट्यूब से लिया आइडिया, कस्टम अफसर बन 20 करोड़ का सोना उड़ाया

पटना (एजेंसी) पटना में कस्टम अधिकारी बनकर 20 करोड़ का सोना लूटने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. तीन आरोपी गिरफ्तार हुए हैं, जबकि बाकी की तलाश में छापेमारी जारी है. पटना में कस्टम अधिकारी बनकर करीब 14.900 किलोग्राम सोना लूटने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. इस हाई-प्रोफाइल लूटकांड में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि बाकी की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है. पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि मेहंदीगंज थाना क्षेत्र से अमरनाथ उर्फ गोपी, आदित्य गिरी उर्फ सोनी और संजय कुमार को गिरफ्तार किया गया है. इनके पास से सोना, नकदी और हथियार भी बरामद हुए हैं. पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास से 5.400 ग्राम सोना, 9 राउंड गोली और करीब 1.97 लाख रुपये कैश बरामद किया गया है. डेढ़ साल तक की रेकी, डायरी में रखते थे हिसाब जांच में खुलासा हुआ है कि बदमाश पिछले डेढ़ साल से कारोबारी की रेकी कर रहे थे. वे उसकी हर गतिविधि पर नजर रखते थे और एक डायरी में आने-जाने का पूरी डिटेल लिखते थे. घटना के बाद सबूत मिटाने के लिए उस डायरी को जला दिया गया. यूट्यूब से सीखी थी ह्यकस्टम अधिकारीह्न बनने की चाल पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने यूट्यूब देखकर खुद को कस्टम अधिकारी जैसा दिखाने की योजना बनाई थी. सफेद शर्ट और खाकी पैंट पहनकर उन्होंने पूरा प्लान तैयार किया ताकि किसी को शक न हो. मुख्य सरगना पहले भी जा चुका है जेल इस लूटकांड का मास्टरमाइंड अमरनाथ उर्फ गोपी है, जो पहले भी डकैती के मामलों में जेल जा चुका है. उसी ने पूरी वारदात की योजना बनाई थी, जबकि गुड्डू नाम के शख्स ने गाड़ी उपलब्ध कराई थी. वारदात को अंजाम देने के बाद सभी बदमाश नौबतपुर भागे और वहां से ट्रेन पकड़कर फरार हो गए. इस कांड में कुल 8 से 9 अपराधियों के शामिल होने की बात सामने आई है. कैसे हुई थी 20 करोड़ की लूट दरअसल, गुजरात के राजकोट निवासी महेश मामतोरा और उनके साथी अहमदाबाद से पटना पहुंचे थे. वे सोने के जेवर लेकर बाकरगंज जा रहे थे. खगौल ओवरब्रिज पर पुलिस स्टीकर लगी कार और बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया. खुद को कस्टम अधिकारी बताकर जांच के नाम पर तीनों बैग जब्त कर लिए और फरार हो गए. लूटे गए सोने की कीमत करीब 20 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है. बाकी आरोपियों की तलाश जारी पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है

तेजस्वी यादव को अशोक चौधरी ने बताया घटिया, मीडिया का सवाल सुनते ही भड़के

पटना (एजेंसी) नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर मंत्री अशोक चौधरी भड़क गए. मीडिया ने उनसे तेजस्वी यादव को लेकर सवाल किया, जिस पर वे गुस्सा गए और तेजस्वी यादव को घटिया सोच वाला इंसान बताया. इसके अलावा उन्होंने अखिलेश यादव पर भी तंज कसा. सीएम नीतीश कुमार के राज्यसभा सांसद बनने पर विपक्ष हमलावर है. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा था, सीएम राज्यसभा का शपथ लिए हैं, पीएम पद की थोड़ी न लिए हैं. तेजस्वी यादव के इस बयान पर आज मंत्री अशोक चौधरी ने पलटवार किया है. एयरपोर्ट पर मीडिया ने अशोक चौधरी से इसी बयान से जुड़ा सवाल किया, जिसे सुनते ही वे भड़क गए. मंत्री अशोक चौधरी ने दिया ये जवाब मंत्री अशोक चौधरी ने कहा, राज्यसभा जाना नीतीश जी का निर्णय है. राज्यसभा का चुनाव हुआ, इनकी घटिया सोच है. आगे अशोक चौधरी ने तेजस्वी यादव को निशाने पर लेते हुए यह भी कहा कि उनके परिवार में एक ही उदाहरण है. पिताजी जेल गए थे तो माता जी को मुख्यमंत्री बना दिए थे. नीतीश जी ने तो 2014 में जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बना दिया था. उनकी मानसिक स्थिति खराब है. अब जनता ने तो इन्हें दिखा दिया है और 25 सीट पर ला दिया है. आने वाले समय में राजद का सत्यानाश होगा. इस तरह से अशोक चौधरी ने करारा जवाब दे दिया है. शुक्रवार को सीएम नीतीश कुमार ने लिया शपथ दिल्ली में शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लिया. इसके बाद वे शाम में ही लौट आए. सीएम नीतीश के शपथ ग्रहण के बाद राज्य में नई सरकार को लेकर चर्चा तेज है. बिहार के नए सीएम फेस को लेकर अब तक सस्पेंस बरकरार है. लेकिन संभावना जताई जा रही है कि खरमास बाद नई सरकार बन सकती है. तेजस्वी यादव ने कसा था तंज तेजस्वी यादव ने कहा था, जिस तरह से इस खबर को पेश किया जा रहा है, उससे ऐसा लग रहा है जैसे कोई बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल हुई हो. उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली है, जो इतनी चर्चा हो रही है? नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि नीतीश कुमार अपनी मर्जी से नहीं, बल्कि राजनीतिक दबाव में यह कदम उठा रहे हैं. उन्होंने कहा कि अगर उनकी इच्छा होती तो वे मुख्यमंत्री बनने के कुछ ही महीनों के भीतर राज्यसभा जाने का फैसला नहीं लेते.

बिहा रएम.एल.सी. उपचुनाव: आरजेडी ने खेला बड़ा दांव, जानिए लालू-तेजस्वी ने किसे बनाया

पटना (एजेंसी) भोजपुर-बक्सर एमएलसी उपचुनाव के लिए आरजेडी ने सोनू राय को उम्मीदवार बनाया है. उनके मैदान में उतरने से इस सीट पर मुकाबला दिलचस्प और त्रिकोणीय होने के संकेत मिल रहे हैं. बिहार विधान परिषद की भोजपुर-बक्सर स्थानीय निकाय सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है. राष्ट्रीय जनता दल (फखऊ) ने इस सीट के लिए अपने उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है. पार्टी ने एक्टिव नेता सोनू राय पर भरोसा जताते हुए उन्हें मैदान में उतारा है. आरजेडी के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक जानकारी दी. उन्होंने बताया कि भोजपुर-बक्सर स्थानीय निकाय सीट से सोनू कुमार राय को पार्टी का प्रत्याशी बनाया गया है. यह सीट जदयू के राधाचरण साह के विधायक बनने के बाद खाली हुई थी, जिसके चलते यहां उपचुनाव कराया जा रहा है. कौन हैं सोनू राय? सोनू राय भोजपुर जिले के आरा के मीरगंज के निवासी हैं और लंबे समय से आरजेडी से जुड़े हुए हैं. उनके पिता लालदास राय भी पार्टी से एमएलसी रह चुके हैं और लालू प्रसाद यादव के करीबी माने जाते थे. सोनू राय को 2022 में आरजेडी का उपाध्यक्ष बनाया गया था और वे संगठन में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं. पहले भी जता चुके हैं चुनाव लड़ने की इच्छा बताया जाता है कि पिछले विधानसभा चुनाव में भी सोनू राय टिकट के दावेदार थे. वे बड़हरा सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन उस समय पार्टी ने उन्हें मौका नहीं दिया था. अब उन्हें एमएलसी उपचुनाव में मौका मिला है. लालू ने किया था राइस मिल का उद्घाटन सोनू राय ने भोजपुर जिले के चरपोखरी प्रखंड के सेमरांव गांव में एक राइस मिल स्थापित की है. करीब एक साल पहले खुद लालू प्रसाद यादव इस मिल का उद्घाटन करने पहुंचे थे, जो उनके पारिवारिक और राजनीतिक संबंधों को दशार्ता है. उपचुनाव का पूरा कार्यक्रम निर्वाचन आयोग के अनुसार, इस सीट पर 16 अप्रैल को अधिसूचना जारी होगी. नामांकन की आखिरी तारीख 23 अप्रैल रखी गई है. 24 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 27 अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे. मतदान 12 मई को होगा, जबकि 14 मई को मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे. त्रिकोणीय मुकाबले के संकेत इस उपचुनाव में मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना है. एनडीए की ओर से अभी उम्मीदवार की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन जदयू से किसी प्रत्याशी के उतरने की चर्चा है. वहीं, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने भी अपना उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है. ऐसे में इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है.

हिम्मतः डरपोक राजू की बहादुरी की प्रेरक कहानी

भारत के एक बहुत ही सुंदर और हरे-भरे राज्य में 'शांतिपुर' नाम का एक गाँव था। इस गाँव के किनारे से एक साफ़ और ठंडे पानी की नदी बहती थी। गाँव में आम, अमरूद और नीम के बड़े-बड़े पेड़ थे। इसी शांतिपुर गाँव में एक दस साल का लड़का रहता था, जिसका नाम था राजू। राजू पढ़ाई में बहुत होशियार था और उसका दिल बहुत साफ था। लेकिन राजू की एक बहुत बड़ी परेशानी थी-वह बहुत डरपोक था।

उसे हर चीज़ से डर लगता था। रात के अंधेरे से, तेज आवाज से, ऊँचाई से, और यहाँ तक कि गली के छोटे-छोटे जानवरों से भी। जब भी आसमान में बिजली कड़कती, राजू डर के मारे अपने बिस्तर के नीचे छिप जाता था।

राजू के इस डरपोक स्वभाव की वजह से गाँव के दूसरे बच्चे अक्सर उसका मजाक उड़ाते थे। जब बच्चे क्रिकेट खेलते और गेंद किसी पुरानी हवेली या झाड़ियों में चली जाती, तो वे राजू को डराने के लिए कहते, 'राजू, जा जाकर गेंद ले आ, वहाँ भूत रहता है!' राजू डर के मारे कांपने लगता और रोने-रोने को हो जाता। सब बच्चे उस पर ज़ोर-ज़ोर से हँसते थे। राजू को यह सब बहुत बुरा लगता था। वह अक्सर सोचता था कि काश उसके अंदर भी दूसरे बच्चों की तरह बहादुरी होती।

बच्चों, क्या आप जानते हैं कि असली साहस या हिम्मत किसे कहते हैं? हिम्मत का मतलब यह नहीं होता कि आपको कभी डर ही न लगे। असली हिम्मत तो वह होती है जब आप बहुत डरे हुए हों, लेकिन फिर भी सही काम करने के लिए आगे कदम बढ़ाएं। राजू को भी जल्द ही इस बात का मतलब समझ आने वाला था।

राजू वैसे तो जानवरों से बहुत डरता था, लेकिन एक दिन स्कूल से लौटते समय उसने देखा कि सड़क के किनारे एक छोटा सा भूरे रंग का पिल्ला (कुत्ते का बच्चा) ठंड से कांप रहा था। वह बहुत भूखा और कमज़ोर लग रहा था। राजू को पहले तो डर लगा, लेकिन पिल्ले की मासूम आँखों को देखकर राजू का दिल पसीज गया।

राजू ने अपने टिफिन में बची हुई आधी रोटी उस पिल्ले के सामने डाल दी। पिल्ला तुरंत रोटी खा गया और अपनी छोटी सी पूंछ हिलाते हुए राजू के जूतों को चाटने लगा। उस दिन से राजू और उस पिल्ले की पक्की दोस्ती हो गई। राजू ने उसका नाम 'शेरू' रखा। अब रोज़ स्कूल आते-जाते राजू शेरू के लिए कुछ न कुछ खाने को लाता। शेरू राजू को देखकर उछल-कूद करता। शेरू के साथ रहकर राजू अपना डर भूल जाता था।

गर्मियों का मौसम खत्म हुआ और बारिश का मौसम आ गया। इस बार शांतिपुर गाँव में बहुत भयानक बारिश हुई। लगातार तीन दिनों तक मूसलाधार बारिश होती रही। आसमान में काले-काले बादल छाए रहते और तेज़ बिजली कड़कती रहती। सूरज तो जैसे कहीं छिप ही गया था।

इतनी तेज बारिश के कारण गाँव के किनारे बहने वाली नदी का पानी बहुत बढ़ गया। नदी में बाढ़ जैसी स्थिति आ गई।

तभी अचानक, बाहर हवा की आवाज़ के बीच राजू को एक जानी-पहचानी आवाज़ सुनाई दी। कूँई... कूँई... कूँई...

राजू ने तुरंत अपनी रज़ाई हटाई। यह आवाज़ शेरू की थी! राजू ने खिड़की से बाहर झाँक कर देखा। उसका घर नदी के थोड़ा पास ही था। राजू ने देखा कि शेरू नदी के किनारे एक बड़े से पत्थर पर फँसा हुआ था। बाढ़ का पानी तेज़ी से उस पत्थर की तरफ बढ़ रहा था। शेरू बहुत डरा हुआ था और मदद के लिए रो रहा था।

राजू के पिता ने भी खिड़की से बाहर देखा और बोले, 'अरे बाप रे! नदी का बहाव बहुत तेज है। उस पिल्ले का बचना नामुमकिन है। बाहर जाना बहुत खतरनाक है।'

यह सुनकर राजू का दिल ज़ोर से धड़कने लगा। उसका प्यारा दोस्त शेरू मौत के मुँह में था!

राजू को बहुत डर लग रहा था। उसके हाथ-पैर कांप रहे थे। बिजली कड़क रही थी, जिससे उसका डर और भी बढ़ रहा था। लेकिन जब उसने शेरू की रोती हुई मासूम आँखें देखीं, तो उसे लगा कि अगर वह नहीं गया तो शेरू डूब जाएगा।

राजू ने अपनी आँखें बंद कीं और गहरी साँस ली। आज उसे अपने डर से ज्यादा शेरू की फिक्र हो रही थी। यही वह पल था जब राजू के अंदर हिम्मत जागी। बिना किसी को बताए, राजू ने अपनी चमकीली पीली रेनकोट (ऋड्डद्बद्वष्श्ड्डह्ल) पहनी। उसने घर के आंगन से एक लंबी और मज़बूत लकड़ी उठाई और दरवाज़ा खोलकर तूफानी बारिश में बाहर निकल गया।

'राजू! बेटा, वापस आओ! यह खतरनाक है!' राजू के माता-पिता घबरा कर चिल्लाए। लेकिन राजू तब तक नदी के किनारे पहुँच चुका था।

नदी का पानी बहुत ठंडा था और बहाव तेज था। राजू ने एक कदम पानी में रखा। पानी उसके घुटनों तक आ रहा था। उसे लगा कि वह बह जाएगा, लेकिन उसने अपनी लकड़ी को ज़मीन पर ज़ोर से टिकाया। 'डरो मत शेरू! मैं आ रहा हूँ!' राजू ने तेज़ हवाओं के बीच चिल्लाकर कहा।

राजू धीरे-धीरे, एक-एक कदम सावधानी से बढ़ाते हुए उस पत्थर की तरफ जाने लगा जहाँ शेरू फँसा था। पानी की लहरें राजू को पीछे धकेल रही थीं, लेकिन उसने हार नहीं मानी। कड़कती बिजली भी अब उसे डरा नहीं पा रही थी।

आखिरकार, राजू उस पत्थर तक पहुँच गया। उसने शेरू को उठाया और अपने रेनकोट के अंदर, अपने सीने से लगा लिया। शेरू ने राजू का चेहरा चाटना शुरू कर दिया। राजू को अब वापस लौटना था। वापसी का सफर और भी मुश्किल था क्योंकि उसके एक हाथ में शेरू था। लेकिन राजू की हिम्मत अब दोगुनी हो चुकी थी।

नुकीले पत्थर से सीख

रवि और दादाजी की प्रेरणादायक कहानी

भारत के एक बहुत ही सुंदर और शांत शहर 'देहरादून' में एक 12 साल का लड़का रहता था, जिसका नाम था 'रवि'। रवि पढ़ाई में बहुत होशियार था और उसके अंदर एक जन्मजात टैलेंट था-वह बहुत शानदार चित्रकला करता था। उसके द्वारा बनाए गए चित्र एकदम असली लगते थे। लेकिन, रवि के अंदर एक बहुत बड़ी कमी थी। वह स्वभाव से बहुत कामचोर था और थोड़ी सी मेहनत या कठिनाई आने पर तुरंत हार मान लेता था।

प्रकृति में हर चीज़, चाहे वह एक छोटा सा पौधा हो या एक कठोर पत्थर, हमें जीवन की कोई न कोई बड़ी सीख ज़रूर देती है। रवि को भी जल्द ही एक नुकीले पत्थर से सीख मिलने वाली थी, जो उसकी ज़िंदगी को हमेशा के लिए बदलने वाली थी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता और रवि की हार

एक दिन रवि के स्कूल में घोषणा हुई कि अगले महीने पूरे राज्य स्तर की 'राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता' होने वाली है। स्कूल के प्रिंसिपल सर ने रवि को बुलाया और कहा, 'रवि, तुम्हारी कला बहुत बेहतरीन है। इस साल हमारे स्कूल की तरफ से तुम इस प्रतियोगिता में हिस्सा लोगे। लेकिन याद रखना, इसके लिए तुम्हें रोज़ कम से कम चार घंटे अभ्यास करना होगा।'

रवि शुरुआत में बहुत खुश हुआ। उसने घर आकर नए रंग और ब्रश निकाले और पेंटिंग बनानी शुरू की। लेकिन दो-तीन दिन बाद ही उसका उत्साह खत्म होने लगा। लगातार बैठकर पेंटिंग करने से उसकी कमर में दर्द होने लगा और उंगलियां सुन्न हो गईं।

'मुझसे यह सब नहीं होगा! इतना दर्द कौन सहेगा? मैं तो वैसे भी अच्छा चित्र बनाता हूँ, मुझे इस अभ्यास की क्या ज़रूरत है?' यह सोचकर रवि ने अपने रंग और ब्रश मेज पर फेंक दिए और बिस्तर पर लेटकर मोबाइल देखने लगा।

रवि के दादाजी, 'रामनाथ जी', घर के एक बहुत ही समझदार और अनुभवी व्यक्ति थे। वे कई सालों तक में काम कर चुके थे और उन्हें पता था कि बिना अनुशासन और मेहनत के कोई भी इंसान महान नहीं बन सकता।

जब दादाजी ने देखा कि रवि ने प्रतियोगिता की तैयारी छोड़ दी है और वह मुश्किलों से भाग रहा है, तो उन्हें बहुत चिंता हुई। वे जानते थे कि अगर रवि को सही समय पर नहीं समझाया गया, तो उसका सारा टैलेंट (Talent) बर्बाद हो जाएगा।

अगले दिन रविवार था। दादाजी सुबह-सुबह रवि के कमरे में आए और बोले, 'रवि बेटा, उठो! आज हम दोनों शहर के बाहर 'नीलधारा' नदी के किनारे एक छोटी सी ट्रैकिंग (पहाड़ी सैर) पर जाएंगे।'

रवि ने मुँह बनाते हुए कहा, 'दादाजी, मुझे नहीं जाना। वहाँ बहुत चलना पड़ेगा और मेरे पैरों में दर्द हो जाएगा।' लेकिन दादाजी ने उसकी एक न सुनी। वे उसे लगभग ज़बरदस्ती अपने साथ लेकर निकल पड़े।

नीलधारा नदी शहर से कुछ किलोमीटर दूर एक पहाड़ी इलाके में बहती थी। वहाँ पहुँचने का रास्ता बहुत ही कच्चा, ऊबड़-खाबड़ और कंटीला था। रवि पूरे रास्ते शिकायत करता रहा। 'दादाजी, कितनी धूप है! रास्ता कितना खराब है! हम यहाँ क्यों आए हैं?'

दादाजी बस मुस्कुराते रहे और अपनी छड़ी के सहारे आगे बढ़ते रहे। अचानक, नदी के किनारे पहुँचने से थोड़ा पहले, रवि का पैर एक बहुत ही तीखे और खुरदरे पत्थर पर पड़ा। पत्थर इतना नुकीला था कि वह रवि के जूतों के सोल (स्ध्द्ग) को पार करता हुआ उसके पैर में हल्का सा चुभ गया।

'आउच! मम्मा!' रवि दर्द के मारे ज़ोर से चिल्लाया। उसने गुस्से में उस पत्थर को उठाया और दूर फेंकने लगा। 'यह कितना गंदा और नुकीला पत्थर है! इसने मेरे पैर में चोट लगा दी। इसे तो यहाँ होना ही नहीं चाहिए!'

दादाजी ने रवि का हाथ पकड़ लिया। उन्होंने वह नुकीला पत्थर रवि के हाथ से लिया और कहा, 'रुको बेटा! इस पत्थर को फेंको मत। आज तुम्हें इस नुकीले पत्थर से सीख लेनी है। इसे अपने पास रखो और चलो, अब नदी आ गई है।'

दोनों नीलधारा नदी के किनारे पहुँचे। नदी का पानी बहुत ही साफ, ठंडा और तेज़ी से बहने वाला था। पानी के बहाव की आवाज़ से मन को बहुत शांति मिल रही थी।

दादाजी ने रवि से कहा, 'बेटा, तुम्हारे हाथ में जो पत्थर है, वह बहुत ही भद्दा और नुकीला है। अब ज़रा इस नदी के पानी के अंदर हाथ डालो और जो सबसे सुंदर, चिकना और गोल पत्थर (Pebble) तुम्हें मिले, उसे बाहर निकालो।'

रवि ने अपने जूते उतारे और नदी के ठंडे पानी में गया। नदी का तल (ढ्ढड्डद्यद्ग) अनगिनत छोटे-बड़े, रंग-बिरंगे और बेहद चिकने पत्थरों से भरा हुआ था। रवि ने एक बहुत ही सुंदर, बिल्कुल गोल और चमकता हुआ 'सफ़ेद पत्थर' पानी से बाहर निकाला। वह पत्थर इतना चिकना था कि उसे हाथ में पकड़ने पर बहुत अच्छा लग रहा था।

'दादाजी, देखिए! यह पत्थर कितना सुंदर और चिकना है। मैं इसे अपने घर ले जाकर अपनी मेज पर सजाऊंगा,' रवि ने खुशी से कहा।

दादाजी ने एक पास के बड़े से पत्थर पर बैठते हुए रवि को अपने पास बुलाया। उन्होंने रवि के एक हाथ में वह 'नुकीला और भद्दा पत्थर' रखा और दूसरे हाथ में वह 'चिकना और सुंदर पत्थर' रखा।

दादाजी ने गंभीर और शांत स्वर में कहा, 'रवि बेटा, क्या तुम जानते हो कि

ये दोनों पत्थर एक ही पहाड़ से टूटकर नीचे गिरे थे? सालों पहले ये दोनों बिल्कुल एक जैसे ही खुरदरे और नुकीले थे।'

रवि ने हैरानी से पूछा, 'तो फिर यह दूसरा पत्थर इतना गोल और सुंदर कैसे बन गया, दादाजी?'

यही वह पल था जहाँ इस कहानी की सबसे बड़ी नुकीले पत्थर से सीख छिपी थी। दादाजी ने मुस्कुराते हुए समझाया, 'बेटा, तुम्हारे दाहिने हाथ में जो नुकीला पत्थर है, वह पहाड़ से टूटकर नदी के बाहर सूखे किनारे पर गिर गया। उसने नदी के तेज़ बहाव से डरकर पानी में जाने से इंकार कर दिया। वह अपनी जगह पर आराम से पड़ा रहा। उसे कोई दर्द नहीं सहना पड़ा, किसी तेज़ धारा का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन इसका नतीजा क्या हुआ? आज वह वैसा का वैसा ही नुकीला, खुरदरा और भद्दा है। लोग उसे देखकर गुस्सा करते हैं क्योंकि वह पैरों में चुभता है।'

दादाजी ने फिर उस सुंदर पत्थर की तरफ इशारा किया और कहा, 'लेकिन इस दूसरे पत्थर ने आराम नहीं चुना। यह पहाड़ से सीधा इस नदी के तेज़ और खतरनाक बहाव में कूद गया। सालों तक यह पानी के थपेड़े सहता रहा। यह कभी दूसरे पत्थरों से टकराया, तो कभी ज़मीन पर रगड़ाया। इसे बहुत दर्द हुआ होगा, यह बहुत घिसा होगा। लेकिन उस 'घिसने' और 'कठिनाइयों को सहने' का नतीजा क्या हुआ? आज यह पत्थर एकदम गोल, चिकना और इतना सुंदर बन गया है कि तुम इसे अपने घर में सजाना चाहते हो।'

दादाजी की बातें रवि के दिल में किसी तीर की तरह जाकर लगीं। उसे अचानक अपनी और उस पेंटिंग प्रतियोगिता की याद आ गई।

दादाजी ने रवि के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'बेटा, इंसान का जीवन भी बिल्कुल इन पत्थरों की तरह होता है। अगर तुम मेहनत से डरोगे, अपनी कमर के दर्द और उंगलियों की थकान से भागोगे, तो तुम जीवन भर उस नुकीले पत्थर की तरह ही रह जाओगे—एकदम साधारण, जिससे कोई प्यार नहीं करता। लेकिन अगर तुम 'सफलता की नदी' में कूदकर मेहनत की रगड़ सहोगे, अभ्यास का दर्द बर्दाश्त करोगे, तो एक दिन तुम इस 'गोल पत्थर' की तरह चमकोगे, जिसे पूरी दुनिया सम्मान देगी।'

रवि की आँखों से अज्ञानता का पर्दा हट चुका था। उसने उन दोनों पत्थरों को अपनी जेब में रख लिया। 'मुझे माफ़ कर दीजिए दादाजी,' रवि ने नम आँखों से कहा। 'मुझे आपकी नुकीले पत्थर से सीख पूरी तरह समझ आ गई है। मैं अब अपनी मेहनत से पीछे नहीं हटूंगा। दर्द चाहे जितना भी हो, मैं अभ्यास करूँगा और उस प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ दूँगा।' अगले दिन से रवि का रूटीन पूरी तरह बदल गया। उसने मोबाइल फोन एक तरफ रख दिया। वह रोज़ स्कूल से आकर लगातार पाँच घंटे अपनी पेंटिंग का अभ्यास करता। उसकी उंगलियों में दर्द होता, उसकी आँखें थक जातीं, लेकिन वह रुकता नहीं था। जब भी उसका मन हार मानने को करता, वह अपनी मेज पर रखे उस 'चिकने पत्थर' को देख लेता और उसे दादाजी की बात याद आ जाती।

एक महीने बाद प्रतियोगिता का दिन आया। रवि ने वहां एक बहुत ही शानदार और जीवंत पेंटिंग बनाई। जब प्रतियोगिता का परिणाम (ऋद्गह्यह्वद्यह्ल) घोषित हुआ, तो पूरे राज्य में रवि को 'प्रथम पुरस्कार' मिला!

मंच पर जब रवि को गोल्ड मेडल और ट्रॉफी दी जा रही थी, तो उसने दर्शकों में बैठे अपने दादाजी की तरफ देखा और मुस्कुरा दिया। उसे पता था कि यह मेडल उसकी कला का नहीं, बल्कि उस 'रगड़' और 'मेहनत' का है जो उसने पिछले एक महीने में सही थी।

बच्चों, लोटपोट की ये हिंदी कहानियां हमें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण सच्चाई से रूबरू कराती हैं। बिना दर्द सहे, कोई भी महान नहीं बन सकता।

सीख

मेहनत और संघर्ष: सफलता पाने के लिए हमें मेहनत की आग में तपना ही पड़ता है। बिना संघर्ष और कठिनाइयों का सामना किए कोई भी इंसान महान नहीं बन सकता।

आराम का लालच: जो लोग आराम का रास्ता चुनते हैं और मेहनत से भागते हैं, वे जीवन में कभी भी निखर नहीं पाते और पीछे रह जाते हैं (नुकीले पत्थर की तरह)।

दर्द ही दवा है: अभ्यास करते समय होने वाला दर्द असल में हमारी कमियों को दूर कर रहा होता है, इसलिए उससे घबराने के बजाय उसका डटकर सामना करना चाहिए।

पूरे ज़ोर और सावधानी के साथ, राजू नदी से बाहर आ गया।

जब राजू शेरू को लेकर घर पहुँचा, तो उसके माता-पिता दौड़कर आए और उसे गले लगा लिया। वे रो रहे थे और साथ ही बहुत गर्व भी महसूस कर रहे थे। बारिश रुकने के बाद, यह खबर पूरे गाँव में फैल गई कि डरपोक राजू ने तूफानी नदी में जाकर एक पिल्ले की जान बचाई है।

गाँव के लोग राजू के घर आए। जो बच्चे कल तक राजू को 'डरपोक' कहकर चिढ़ाते थे, वे आज हैरान थे। गाँव के सरपंच ने राजू की पीठ थपथपाई और कहा, 'शाबाश बेटा! तुमने आज जो किया है, वह हर कोई नहीं कर सकता। तुमने साबित कर दिया कि असली हिम्मत शरीर की ताकत में नहीं, बल्कि दिल की अच्छाई और इरादों में होती है।'

उस दिन के बाद से, शांतिपुर गाँव में किसी ने भी राजू को डरपोक नहीं कहा। राजू का भी अपने अंदर का सारा डर हमेशा के लिए खत्म हो गया था। शेरू अब राजू के साथ ही उसके घर में रहने लगा था। राजू ने समझ लिया था कि डर लगना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन डर के आगे हार मान लेना बुरी बात है। अगर हम अपने मन में ठान लें और थोड़ी सी हिम्मत दिखाएं, तो हम किसी भी बड़ी से बड़ी मुसीबत का सामना कर सकते हैं।

प्यारे बच्चों, लोटपोट की इस कहानी से हमें यही सीख मिलती है कि डर के आगे ही असली जीत है!

सीख

डर पर काबू पाना: असली हिम्मत कभी न डरने में नहीं है, बल्कि डरे हुए होने के बावजूद सही काम करने में है।

दूसरों की मदद: जब हम किसी कमज़ोर या ज़रूरतमंद की मदद करने का फैसला करते हैं, तो हमारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाती है।

खुद पर विश्वास: हमें कभी भी खुद को कमज़ोर नहीं समझना चाहिए। मुसीबत के समय हमारे अंदर छिपी हुई ताकत ही हमारा सबसे बड़ा हथियार होती है।

जीटी के सामने एलएसजी की घरेलू पिच पर अग्निपरीक्षा: नए सितारे संग वापसी की चुनौती

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को अपने घरेलू मैदान एकाना क्रिकेट स्टेडियम पर निराशाजनक रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में वापसी करनी होगी। इस महत्वपूर्ण मैच से पहले, एलएसजी के पास मुकुल चौधरी के रूप में एक नया सितारा उभरा है, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है, लेकिन घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। दोनों टीमों ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज कर अपना खाता खोला था, जबकि एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत हासिल की थी। हालांकि, एलएसजी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लगातार संघर्ष कर रहा है। उसे अपने घरेलू मैदान को एक मजबूत गढ़ बनाना है तो खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

घरेलू मैदान पर एलएसजी का प्रदर्शन वाकई चिंताजनक रहा है। पिछले सत्र में, टीम ने यहां खेले गए आठ में से छह मैच हारे थे, जिसमें लगातार पांच हार शामिल थीं। यही वजह थी कि वे पिछले साल अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहे। कुल मिलाकर, उन्होंने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में ही जीत हासिल की है। मौजूदा सत्र में भी, घरेलू मैदान पर उनका पहला मैच निराशाजनक रहा, जहां दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 141 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज की थी। यह एलएसजी का इस सत्र में घरेलू मैदान पर दूसरा मैच होगा, और वे यहां अपने जीत के रिकॉर्ड को सुधारने के लिए बेताब होंगे।

एलएसजी के लिए केकेआर के खिलाफ पिछला मैच विशेष रूप से यादगार रहा, जब 21 वर्षीय राजस्थानी बल्लेबाज मुकुल चौधरी एक नए फिनिशर के रूप में उभरे। उन्होंने

आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, जिसमें उनके आदर्श महेंद्र सिंह धोनी का पसंदीदा हेलीकॉप्टर शॉट भी शामिल था, जिससे उन्होंने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। आयुष बडोनी की फॉर्म में वापसी, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया, एलएसजी के लिए एक और सकारात्मक पहलू है, जो उनके बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करता है।

यह मैच दोपहर में खेला जाएगा, और एकाना की धीमी पिच पर गुजरात के अनुभवी स्पिनरों राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर का सामना करना आसान नहीं होगा। राशिद ने दिल्ली के खिलाफ 17 रन देकर तीन विकेट लिए थे और अपनी टीम की एक रन से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। एलएसजी को अपनी घरेलू जमीन पर जीत की राह पर लौटने के लिए गुजरात के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करते हुए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जायंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान.

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा.

आलोचकों पर बरसे सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग, बताया रणनीति में बदलाव का कारण

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आईपीएल में टीम के हालिया प्रदर्शन को लेकर उठ रही आलोचनाओं का करारा जवाब दिया है। उन पर आरोप लग रहे थे कि वे मौजूदा टी20 क्रिकेट की बदलती जरूरतों के हिसाब से खुद को ढाल नहीं पा रहे हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह पूरी तरह से खेल के नए आयामों से जुड़े हुए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच से पहले फ्लेमिंग ने अपनी बात रखते हुए स्वीकार किया कि खराब नतीजों के बाद आलोचना होना स्वाभाविक है, क्योंकि खेल में परिणाम ही लोगों की सोच तय करते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आईपीएल से पहले खेल की दिशा से अनभिज्ञ नहीं हैं, बल्कि वह पूरे साल दुनिया भर के अलग-अलग टी20 टूर्नामेंट्स में कोचिंग देते हैं और खिलाड़ियों की नीलामी प्रक्रियाओं में भी शामिल रहते हैं। इससे उन्हें इस फॉर्मेट में हो रहे बदलावों और वैश्विक खिलाड़ियों की गहरी समझ है, जो आईपीएल में भी उनके काम आती है। फ्लेमिंग ने पिछले सीजन के प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए कहा, पिछले साल हम लय में नहीं थे, ये मैं खुद मानता हूं। लेकिन हमने जल्दी बदलाव किए हैं और अब टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं। मुझे इस ग्रुप पर पूरा भरोसा है। हालांकि, इस सीजन में हम इसे अभी तक मैदान पर पूरी तरह दिखा नहीं पाए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि फ्रेंचाइजी ने टीम में युवा खिलाड़ियों को शामिल कर एक नई रणनीति के साथ आगे बढ़ने की कोशिश की है।

अक्सर शांत और सौम्य रहने वाले स्टीफन फ्लेमिंग को बखूबी अंदाजा है कि आजकल उनके बारे में क्या बातें हो रही हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें चेन्नई को रिकॉर्ड पांच आईपीएल ट्रॉफियां जिताने का पर्याप्त श्रेय मिला है, तो उन्होंने विनम्रता, लेकिन दृढ़ता से अपनी बात रखी। फ्लेमिंग ने कहा, नहीं, असल में क्रेडिट मेरा नहीं, सिर्फ खिलाड़ियों का है। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए यह सिर्फ कोचिंग का एक और साल है। हमेशा से ऐसा ही रहा है कि खिलाड़ी ही मैदान पर कमाल करते हैं। मैदान के बाहर कोचिंग जरूरी होती है, लेकिन खिताब मैदान पर प्रदर्शन से जीते जाते हैं। फ्लेमिंग ने एमएस धोनी जैसे दुनिया के सबसे महान कप्तानों में से एक के साथ काम करने को अपना सौभाग्य बताया और कहा कि उन्हें अपने नतीजों पर गर्व है, लेकिन वह तारीफ या वाहवाही पाने के भूखे नहीं हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप वैभव सूर्यवंशी को, पर्पल कैप रवि बिश्नोई के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार 10 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। जयपुर में खेले गए इस रोमांचक मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 201 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसे मेजबान राजस्थान ने दो ओवर शेष रहते हुए ही सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। राजस्थान की इस शानदार जीत के सूत्रधार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल रहे, जिन्होंने अपनी ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारियों से टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। मैच के हीरो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने महज 26 गेंदों पर 8 चौकों और 7 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेली। इस धमाकेदार प्रदर्शन के साथ ही वैभव ने आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया और टूर्नामेंट में 200 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। अभी तक चार मैचों में उनके बल्ले से 50 की औसत और 266.67 के हैरतअंगेज स्ट्राइक रेट के साथ कुल 200 रन निकल चुके हैं। वैभव के साथ ध्रुव जुरेल ने भी 43 गेंदों पर 81 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जुरेल की इस पारी ने उन्हें आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में जगह दिलाई। दिलचस्प बात यह है कि अब इस लिस्ट के टॉप-3 में राजस्थान रॉयल्स के ही खिलाड़ी शामिल हैं, जिसमें वैभव सूर्यवंशी (200), यशस्वी जायसवाल (183) और ध्रुव जुरेल (176) शामिल हैं। इनके अलावा दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी (160) और कोलकाता नाइट राइडर्स के अंगकृश रघुवंशी (155) भी टॉप-5 में शामिल हैं। आरसीबी की ओर से कप्तान रजत पाटीदार ने 40 गेंदों पर सर्वाधिक 63 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने भी 200 के स्ट्राइक रेट से 32 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। पाटीदार 142 रनों के साथ सातवें और कोहली 129 रनों के साथ आठवें पायदान पर हैं। ऑरेंज कैप की तरह ही, पर्पल कैप भी इस समय राजस्थान रॉयल्स के नाम है, जिसे युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपने नाम किया है। बिश्नोई ने अभी तक चार मैचों में 9 विकेट चटकाए हैं और बेंगलुरु के खिलाफ भी उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबला आज

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल -2026 में रविवार शाम को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (MI) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (RCB) से होगा मुकाबला होगा। आईपीएल की दो सबसे पॉपुलर टीमों के बीच अब तक कुल 34 मुक़ाबले हुए हैं, जिसमें MI 19-15 से आगे है। हालांकि 2021 से हुए सात मुक़ाबलों में RCB की टीम ने पांच मुक़ाबले जीते हैं, जबकि MI को सिर्फ़ दो में ही जीत हासिल की है। वानखेड़े में हुए 12 मुक़ाबलों में मेज़बान MI 8-4 से आगे है।

यह मुक़ाबला ना सिर्फ़ दो पॉपुलर टीमों बल्कि लीग के दो सबसे सफल दिग्गज खिलाड़ियों के बीच भी होगा। RCB और MI के बीच हुए मैचों में विराट कोहली 922, जबकि रोहित शर्मा 629 रन बना चुके हैं। पिछली छह पारियों में कोहली ने MI के ख़िलाफ़ चार बार 40+ का स्कोर खड़ा किया है, जबकि वानखेड़े में रोहित, RCB के ख़िलाफ़ चार अर्धशतक लगा चुके हैं।

जॉश हेज़लवुड, रोहित को सात पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं, हालांकि रोहित का उनके ख़िलाफ़ स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 116 का है। वहीं भुवनेश्वर कुमार भी रोहित को 16 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट किया है, जबकि रोहित उन पर 136 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। वहीं अगर कोहली की बात की जाए तो जसप्रीत बुमराह ने उन्हें पांच बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए उन्होंने 17 पारियां ले ली हैं और 149 के स्ट्राइक रेट से रन ख़र्च किए हैं। ट्रेंट बोल्ट तो कोहली को 13 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं। मिचेल सैंटनर और हार्दिक पंड्या ने कोहली को 2-2 बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए क्रमशः नौ और 10 पारियां ली हैं। वहीं दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर उन्हें सिर्फ़ एक-एक ही बार आउट कर पाए हैं।

डेथ ओवरों (17 से 20) में MIके निचले क्रम का सामना भुवनेश्वर कुमार से हो सकता है। भुवनेश्वर तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या दोनों को IPL में दो-दो बार आउट कर चुके हैं। हालांकि चार पारियों में दो बार आउट होने वाले तिलक उन पर 173 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

वहीं दूसरी ओर बुमराह के सामने RCB के लिए MI के पूर्व फ़िनिशर टिम डेविड होंगे। IPL 2025 से डेविड डेथ ओवरों में 237 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं और हर तीसरी गेंद को बाउंड्री पार भेजते हैं। हालांकि बुमराह इसी दौरान डेथ ओवरों में सिर्फ़ 7.8 की इकॉनमी से रन देते हुए 15 के स्ट्राइक रेट से छह विकेट झटक चुके हैं। ऐसे में बुमराह बनाम डेविड मुक़ाबला भी दिलचस्प होगा।

इस मुक़ाबले में दो भाईयों की भिड़ंत भी देखना दिलचस्प होगा। एक समय MI का अहम हिस्सा रहे क्रुणाल पंड्या पिछले साल अपने प्लेयर ऑफ़ द फ़ाइनल के प्रदर्शन से RCB को उनका पहला ख़िताब दिला चुके हैं। क्रुणाल ने MIके ख़िलाफ़ सात पारियों में 72 रन बनाने के साथ-साथ आठ विकेट भी लिए हैं। वहीं हार्दिक पंड्या RCB के ख़िलाफ़ 164 के स्ट्राइक रेट से 18 पारियों में 361 रन बना चुके हैं, साथ ही सात विकेट भी लिया है। हार्दिक ने क्रुणाल की गेंदबाज़ी का पांच पारियों में सामना किया है और उनके ख़िलाफ़ 31 गेंदों में एक बार आउट होते हुए सिर्फ़ 29 रन ही बना पाए हैं।

मुकुल चौधरी एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे : डु प्लेसिस

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने लखनऊ सुपर जायंट्स के युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपनी बल्लेबाजी से एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे हैंहै। डु प्लेसिस के अनुसार जिस प्रकार से वह आक्रामक होकर अंतिम ओवरों में खेलता दिखा इससे अंदाज होता है कि वह भविष्य में एक स्टार क्रिकेटर बनकर उभरेगा।मुकुल ने ईडन गार्डन्स में 27 गेंदों पर ही सात छक्के और दो चौके लगार नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम सुपर जायंट्स को असंभव सी जीत दिला दी। डु प्लेसिस ने कहा, मैच को अंतिम गेंद ले जाने की उनकी समझ जबरदस्त दिखी। इस युवा खिलाड़ी में जबरदस्त ताकत और क्षमता है और उसकी बल्लेबाज का अंदाज देखकर हैरानी होती है। साथ ही कहा कि उसके कुछ स्ट्रोक देखकर मुझे महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआत दिनों का खेल याद आ गया। उसके फिलक शॉट्स कमाल के रहे। प्लेसिस ने बताया कि केकेआर टीम को इस बार भाग्य का साथ भी नहीं मिलता दिख रहा है। डु प्लेसिस ने कहा, सीजन में कुछ ऐसे छोटे-छोटे पल आते हैं जो निर्णायक साबित हो सकते हैं, जब आप पीछे मुड़कर देखते हैं तो सोचते हैं कि अगर वो पल हमारे पक्ष में गया होता, तो सीजन का नजारा कुछ और ही होता। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और इस समय कठिन स्थिति में है।

ऋषभ कप्तान के तौर पर जिम्मेदारी से खेलें : कैफ

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को अब जिम्मेदारी से खेलना होगा। कैफ के अनुसार कप्तान होने के नाते उन्हें अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी , तभी वह टीम के अन्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर पायेंगे। कैफ के अनुसार वह अब सीनियर खिलाड़ी हैं और उन्हें कठिन हालातों में अंत तक टिके रहना चाहिये। वह इस सत्र में अभी तक केवल एक मैचम में ही अच्छी पारी खेल पाये हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें अपनी खेल की समझ में सुधार करते हुए लगातार अच्छे परिणामों के लिए जिम्मेदारी से खेलना होगा। सुपरजायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली पर कप्तान केवल केवल 10 रन बना पाए थे और उनके शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज भी असफल रहे। नये बल्लेबाज मुकुल चौधरी के नाबाद 54 रन की सहायता से सुपरजायंट्स ने ये मैच किसी प्राकर से जीता। इस दौरान देखा गया कि कप्तान के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही। कैफ ने कहा, टीम की हालत को देखते हुए उन्हें अंत तक खेलते रहना चाहिये। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं, और पिछले एक दशक से खेल रहे हैं। केकेआर के खिलाफ जब वह बल्लेबाजी करने आए तो स्थिति कठिन नहीं थी। उस समय टीम ने पहले पांच ओवरों में ही 40 से अधिक रन बना लिए थे। ऐसे में किसी एक बल्लेबाज को जिम्मेदारी लेनी थी और अंत तक बल्लेबाजी करनी थी। यह भूमिका कप्तान को निभानी चाहिए थी। उन्होंने साथ ही कहा, कप्तान होने के नाते अगर आप जिम्मेदारी नहीं लेते हैं, तो आप अपनी टीम को मैच में जीत नहीं दिला सकते। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन उन्हें निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। उन्हें मैच के हालातों के अनुसार और खेलते हुए ये सीखना होगा कि कब कैसी रणनीति अपनाने की जरुरत है। कैफ ने कहा, एक कप्तान का काम होता है कि वह लक्ष्य का पीछा करते हुए अंत तक खेलता रहे।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास: टी20 क्रिकेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में राजस्थान रॉयल्स के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस मुकाबले में जडेजा ने टी20 क्रिकेट में अपने 4000 रन पूरे किए और इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ हार्दिक पांड्या ही हासिल कर पाए हैं। वैश्विक स्तर पर, जडेजा यह खास उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के 25वें खिलाड़ी बन गए हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को दर्शाता है। इस मैच में जडेजा ने गेंदबाजी में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2 ओवर के स्पेल में सिर्फ 14 रन खर्च किए और रोमारियो शेफर्ड का महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किया।

मैच की बात करें तो, राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी से मिले 202 रनों के विशाल लक्ष्य को 6 विकेट से अपने नाम किया। आरसीबी द्वारा निर्धारित 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत हालांकि खराब रही, जब यशस्वी जायसवाल मात्र 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीत लिया। 15 साल के वैभव ने 300 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 26 गेंदों में 78 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। वैभव के आगे आरसीबी के गेंदबाज बेबस नजर आए। वहीं, ध्रुव जुरेल ने भी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए एक छोर संभाले रखा और नाबाद 81 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले, आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 201 रन बनाए थे। टॉप ऑर्डर के फ्लॉप होने के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। विराट कोहली अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 16 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। वेंकटेश अय्यर ने 15 गेंदों में नाबाद 29 रन और रोमारियो शेफर्ड ने 22 रनों का योगदान दिया। यह इस सीजन में आरसीबी की पहली हार है, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में अपना विजयी अभियान जारी रखा है।

आईपीएल में खरीददार न मिलने पर राइली रुसो का बड़ा बयान, आईपीएल को बताया फिल्म

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज राइली रुसो ने आईपीएल को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है, जिसमें उन्होंने इस लीग को क्रिकेट कम और फिल्म ज्यादा बताया है, जबकि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की जमकर तारीफ की है। यह बयान तब आया है जब आईपीएल 2026 की नीलामी में उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला और उन्होंने खुद इस साल नीलामी के लिए अपना नाम नहीं भेजा था। रुसो का यह रुख क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, खासकर उनके आईपीएल के साथ पुराने जुड़ाव को देखते हुए।

राइली रुसो का आईपीएल से रिश्ता पुराना रहा है। उन्होंने 2014 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रहे। हालांकि, वह इस लीग में कभी अपनी छाप नहीं छोड़ पाए और उनका प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। आईपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 4.60 करोड़ रुपये में खरीदा था, जबकि आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स ने उन पर 8 करोड़ रुपये खर्च किए थे। बावजूद इसके, खराब प्रदर्शन के चलते पंजाब किंग्स ने उन्हें रिलीज कर दिया, और इसके बाद उन्हें अगले साल की नीलामी में कोई खरीददार नहीं मिला। अब वह पीएसएल में क्वेटा ग्लेडिएटर्स के लिए खेल रहे हैं। रुसो ने आईपीएल और पीएसएल की तुलना करते हुए कहा, दोनों लीग के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। आईपीएल एक बहुत लंबा टूर्नामेंट है, जबकि पीएसएल एक ज्यादा छोटा टूर्नामेंट है, जहाँ मुकाबला कहीं ज्यादा कड़ा होता है। उन्होंने आईपीएल पर तंज कसते हुए कहा, जाहिर है, आईपीएल को पूरे बॉलीवुड का समर्थन हासिल है, इसलिए यह असल क्रिकेट से ज्यादा एक फिल्म जैसा लगता है। यह टिप्पणी आईपीएल के ग्लैमर और उसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर एक सीधा हमला है। उनके आईपीएल रिकॉर्ड की बात करें तो, रुसो ने कुल 22 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 23.65 की औसत से 473 रन बनाए हैं। इन आंकड़ों में कोई शतक शामिल नहीं है, और केवल कुछ ही अर्धशतक हैं, जो दर्शाता है कि वह आईपीएल में बड़े स्कोर बनाने में संघर्ष करते रहे हैं। एक समय आईपीएल टीमों द्वारा उन पर भारी-भरकम रकम खर्च की जा रही थी, तब उन्हें इस रंगारंग लीग से कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन जब उनकी परफॉर्मेंस में गिरावट आई और टीमों ने उनसे दूरी बनाना शुरू कर दी, तो उनका यह बयान सामने आया है, जो उनकी निराशा को उजागर करता है और क्रिकेट जगत में एक नई बहस छेड़ सकता है।

हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 : राजगीर में महिला व पुरुष वर्ग के फाइनल तय

राजगीर। बिहार/ बिहार के राजगीर में चल रही हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 का रोमांच अपने चरम पर पहुँच गया है। डिवीजन ए में पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले तय हो चुके हैं, जिससे खिताब के लिए रोमांचक जंग की उम्मीद बढ़ गई है। सभी मुकाबले 12 अप्रैल को राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। पुरुष वर्ग के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश का सामना हॉकी उत्तर प्रदेश से होगा, जबकि महिलाओं के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश की टीम गत चैंपियन हॉकी झारखंड से भिड़ेगी। इन मुख्य मुकाबलों के अतिरिक्त, तीसरे स्थान के लिए भी दिलचस्प मैच खेले जाएंगे। महिलाओं के वर्ग में हॉकी ओड़िशा और हॉकी उत्तर प्रदेश कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, वहीं पुरुषों में दादरा और नागर हवेली और दमन और दीव हॉकी का मुकाबला हॉकी पंजाब से होगा। सेमीफाइनल मुकाबलों की बात करें तो, पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव को 4-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरी ओर, हॉकी उत्तर प्रदेश ने एक कड़े मुकाबले में पिछले साल के चैंपियन पंजाब को 6-2 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला पिछले साल के तीसरे स्थान के मैच का रीमैच भी था, जिसमें यूपी ने जीत दर्ज की थी। इस बार उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी गोल स्कोरिंग में भी आगे रहे हैं, जहाँ शाहरुख अली 14 गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर बने हुए हैं। उनके साथी खिलाड़ी नीतीश यादव ने अपने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से दागे हैं, जबकि दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के धीरज पाल भी पांच गोल के साथ प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग में भी मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश और झारखंड दोनों ही टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया है।

वैभव सूर्यवंशी के इंडिया डेब्यू की जोरदार मांग, क्या टूटेगा सचिन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली(एजेंसी)। क्रिकेट जगत में इन दिनों 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम हर किसी की जुबान पर है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से उन्होंने न केवल सबको चौंका दिया है, बल्कि टीम इंडिया में उनके डेब्यू को लेकर भी जोरदार बहस छिड़ गई है। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वे महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सचिन ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पदार्पण किया था।

आईपीएल के मौजूदा सीज़न में, राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे वैभव ने सिर्फ चार मैचों में 266.66 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से 200 रन बनाए हैं, जिसमें दो ताबड़तोड़ अर्धशतक शामिल हैं। हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए मुकाबले में, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। 26 गेंदों में 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेलकर उन्होंने 202 रनों का लक्ष्य दो ओवर शेष रहते हासिल करने में अपनी टीम की मदद की। इस यादगार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

वैभव की इस शानदार फॉर्म से प्रभावित होकर, आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने उन्हें टीम इंडिया में डेब्यू का प्रबल दावेदार बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वैभव जैसा प्रतिभाशाली खिलाड़ी, इतनी कम उम्र में, भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का हकदार है। धूमल ने जोर देकर कहा कि ऐसे दुर्लभ मौके को भुनाना चाहिए। धूमल की इस पोस्ट पर प्रशंसकों की भी जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसमें कई यूजर्स ने वैभव को अविश्वसनीय टैलेंट करार देते हुए उनके तत्काल डेब्यू की वकालत की।

यह उल्लेखनीय है कि 15 वर्षीय वैभव अब सीनियर पुरुष टीम के लिए खेलने के पात्र हो चुके हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अंडर-19 टीम में भी अपना जलवा दिखाया है, जहां उन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की एक शानदार पारी खेली थी। आईपीएल में, वे जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज गेंदबाजों को भी चुनौती देने से नहीं हिचकिचाते। हाल ही में उन्होंने आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की गेंदों पर लगातार तीन चौके जड़कर अपनी निर्भीक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सामान्य तौर पर जहां 200 के स्ट्राइक रेट को बेहतरीन माना जाता है, वहीं वैभव ने कई बार 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी देखकर ऐसा लगता है कि वह सिर्फ रिकॉर्ड बनाने नहीं, बल्कि क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी की एक नई परिभाषा गढ़ने आए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर अब दबाव बढ़ रहा है कि वे इस युवा सनसनी को जल्द से जल्द अंतरराष्ट्रीय मंच पर मौका दें।

देश में चल रहा है किसानों के विकास का महायज्ञ : शिवराज सिंह

एजेंसी

भोपाल : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत के लिए कृषि का विकास आवश्यक है। हमारे लिए किसान ही भगवान है और उनकी सेवा ही हमारी पूजा है। देश में किसानों के विकास का महायज्ञ चल रहा है। हमारा लक्ष्य 140 करोड़ देशवासी को भरपेट भोजन उपलब्ध कराना है। हमें कृषि उत्पादन बढ़ाना है और कृषि की लागत भी घटानी है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान शनिवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में आयोजित ₹उन्नत कृषि महोत्सव-2026₹ को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पूर्व में देश के कृषि मंत्री भी रहे हैं। वे स्वयं एक किसान हैं। आज रायसेन की पवित्र

धरा पर ज्ञान, विज्ञान, अनुसंधान और कृषि का संगम हो रहा है। यह किसानों के लिए एक पाठशाला की तरह है, जहां किसानों को कृषि की नवीन तकनीकें सीखने का अवसर मिलेगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि रायसेन जिला कृषि सहित हर क्षेत्र में आगे हैं, यहां की धान और गेहूं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। रायसेन में दो विश्व धरोहर सांची और भीमबैठिका हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमें शक्तिशाली विकसित भारत बनाना है। देश को मजबूत इरादों वाले प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री मिले हैं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में कृषि से किसानों को आय बढ़ाने के लिए एकीकृत खेती पर जानकारी प्रदान की जाएगी। इंटीग्रेडेट फॉर्मिंग से एक एकड़ में दो लाख तक की आय प्राप्त की जा सकती है। खेती से जुड़े अलग-अलग विषयों पर 20 सत्र आयोजित किए गए हैं। इसमें बीज से लेकर बाजार तक किसानों को हर तरह के सपोर्ट की जानकारी दी जाएगी। मिट्टी की जांच के लिए नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है। किसान अपनी रुचि के अनुसार सत्रों में बैठकर जानकारियां लें। इस क्षेत्र के किसानों की तकदीर बदलने के लिए ही यह महोत्सव मनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सराहना की

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पूरा वर्ष ही कृषि कल्याण को समर्पित कर दिया है। उन्होंने बताया कि उन्नत कृषि महोत्सव में 12 अप्रैल को उनके संसदीय क्षेत्र के 4-5 जिलों का कृषि रोडमैप प्रस्तुत किया जाएगा। केंद्रीय कृषि मंत्रालय इसे रायसेन, भोपाल, विदिशा, सीहोर से शुरू कर पूरे देश में लागू करेगा। उन्होंने कहा कि रायसेन को हार्टिकल्चर हब बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। दलहन मिशन के अंतर्गत किसानों को तुअर, मसूर, उड़द, मूंगफली के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

किसानों के श्रम से देश का खाद्यान्न निर्यात हुआ दोगुना, रायसेन 47 देशों को निर्यात कर रहा बासमती: डॉ. यादव

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत की अलग छवि बन रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान देश में कृषि क्षेत्र की सफलता की पहचान बन चुके हैं। किसानों की मेहनत से अब हमारा देश दोगुना खाद्यान्न निर्यात कर रहा है। मध्य प्रदेश का केवल रायसेन जिला ही दुनिया के 47 से अधिक देशों को बासमती चावल का निर्यात कर रहा है।

बेंगलुरु के आयुर्वेद संस्थान को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

एजेंसी

नयी दिल्ली : आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले बेंगलुरु स्थित केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान की क्लिनिकल लैब को आईएसओ 15189:2022 की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि हासिल करने वाला यह केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद का पहला संस्थान बन गया है। यह मान्यता लैब में होने वाली जांचों की गुणवत्ता, सटीकता और विश्वसनीयता को वैश्विक स्तर पर प्रमाणित करती है। इससे मरीजों को बेहतर और भरोसेमंद जांच सेवाएं मिलेंगी। आयुष मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि संस्थान को राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड से 50 प्रकार के परीक्षणों के लिए मान्यता मिली है। यहां ब्लड शुगर, लिवर, किडनी,

थायरॉइड और अन्य महत्वपूर्ण जांच की सुविधा उपलब्ध है। लैब हर साल 1.5 लाख से अधिक परीक्षण करती है और हजारों मरीजों को सेवाएं देती है। रिपोर्ट एसएमएस, ईमेल और व्हाट्सएप के जरिए भी उपलब्ध कराई जाती है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि आईएसओ 15189:2022 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मान्यता प्राप्त होने से यह सुनिश्चित होता है कि रोगियों को विश्वसनीय और सटीक निदान सेवाएं मिलें। ये सेवाएं प्रभावी उपचार और बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए आवश्यक हैं।

चारधाम यात्रा को लेकर जबरदस्त उत्साह, 15 लाख पार रजिस्ट्रेशन

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा 2026 को लेकर देश भर के श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए अब तक 15 लाख से अधिक श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं। केदारनाथ धाम के लिए सर्वाधिक 5.21 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। पर्यटन विभाग के अनुसार शनिवार शाम पांच बजे तक यमुनोत्री धाम के लिए 2,67,097 श्रद्धालुओं, गंगोत्री धाम के लिए 2,74,297 श्रद्धालुओं, केदारनाथ धाम के लिए 5,21,841 श्रद्धालुओं और बद्रीनाथ धाम के लिए 4,50,477

श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। कुल 15,13,712 श्रद्धालु चार धाम के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। हेमकुंड साहिब के लिए 13,098 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। यात्रा के लिए ऑफलाइन पंजीकरण 17 अप्रैल से शुरू होगा। यात्रा कार्यक्रम के अनुसार गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट 19 अप्रैल को खोले जाएंगे। इसके बाद केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुलेंगे, जबकि बद्रीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। राज्य सरकार और पर्यटन विभाग यात्रा व्यवस्थाओं को सुचारु, सुरक्षित और श्रद्धालु-अनुकूल बनाने के लिए तैयारियों में जुटे हुए हैं। यात्रा मार्गों, स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा व्यवस्था और पंजीकरण प्रणाली को सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। श्रद्धालु आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल एप तथा हेल्पलाइन नंबर 1364 और 0135-3520100 के माध्यम से पंजीकरण करा सकते हैं।

ब्रेथ ईजी अस्पताल की 16वीं वर्षगांठ पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 74 मरीजों की जांच

एजेंसी

वाराणसी : ब्रेथ ईजी चेस्ट सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल, अस्सी वाराणसी के 16वीं वर्षगांठ के अवसर पर 8 अप्रैल 2026 को एक निःशुल्क विशाल चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ब्रेथ ईजी अस्पताल पर किया गया, जिसमे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में आए 74 मरीजो का स्वास्थ परिक्षण किया गया। इस चिकित्सा शिविर में मरीजों का कंप्यूटर मशीन द्वारा फेफड़े की जांच, रक्त में ऑक्सीजन मात्रा की जांच, ब्लड शुगर/ ब्लड प्रेशर की जांच, चेस्ट एक्सरे आदि की जांच की गयी क चिकित्सा शिविर में आए सभी मरीजों को निःशुल्क दवा वितरण किया गया क इस अवसर पर डॉ. एस.के पाठक ने बताया- “ब्रेथ ईजी अस्पताल पूर्वांचल का एक मात्र अग्रणी चेस्ट केयर अस्पताल बन गया

है, जहां पर मरीजो का कम समय व कम खर्च में जाँच, ईलाज व भर्ती की उत्कृष्ट सुविधा मिल जाती है क ब्रेथ जी समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता रैली, कैंप करके लोगो को श्वास रोगों के प्रति सजग कराता रहता है, जो एक स्वस्थ समाज के लिए जरूरी है । ब्रेथ ईजी की निदेशिका श्री मति सुनीता पाठक ने बताया - ब्रेथ ईजी में अब तक 3 लाख से भी ज्यादा मरीजों का उपचार किया, 1 लाख से ज्यादा मरीजों की जान बचायी गयी हैं जोकि गंभीर श्वांस की बीमारी से ग्रसित थे क हजारों स्वास्थ जन जागुरूकता रैली भी निकाली गई। विगत 16 वर्षो में ग्रामीण, कस्बों,एवं शहरी क्षेत्र में 6000 से ज्यादा निःशुल्क स्वास्थ कैंप लगाए गए आम नागरिकों स्वस्थ लाभ पहुंचाया गया। ब्रेथ ईजी द्वारा विगत 16 वर्षों में अब तक 50000 से अधिक जनरल प्रेक्टिसनर व स्वास्थकर्मियों को विभिन्न मेडिकल सेमिनार द्वारा प्रशिक्षित किया, जो दमा, टी.बी, एलर्जी आदि बीमारी का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। ब्रेथ ईजी की निदेशिका सुनीता पाठक ने बताया कि -“ब्रेथ ईजी, विगत 16 वर्षो में स्वास्थ सम्बंधित रोगों के बचाव व उपचार के लिए पूर्वांचल में एक स्तभ बिंदु बन गया है, जहा पर गंभीर स्वास के मरीज, एलर्जी व टी.बी. के मरीज का इलाज कम समय व कम खर्च में संभव हो जाता है कब्रेथ ईजी मे अब प्रत्येक शुक्र को मरीजों को निः शुल्क ओपीडी की भी सुविधा दी जा रही है । डॉ. पाठक ने बताया । “ब्रेथ ईजी चेस्ट फाउंडेशन फॉर ‘मैनिटी का गठन समाज को जागरूक करने के लिए किया गया हैं, यह संस्था गांव व आस-पास के क्षेत्र के हर उस वर्ग के लोगो को चिकित्सकीय सहायता करता है, जिसे उसकी जरूरत हैं, ताकि हम एक स्वस्थ्य भारत के निर्माण में अपनी मुख्य भूमिका निभा सके।

बीएसएनएल का विशेष प्लान लांच, मात्र एक रुपये में 4जी मोबाईल कनेक्शन

बीकानेर : सरकारी कम्पनी भारत संचार निगम लिमिटेड ने मोबाईल व फाईबर उपभोक्ताओं के लिए विशेष प्लान लांच किया है। मात्र एक रुपये में 4जी मोबाईल कनेक्शन जिसमें 30 दिन तक प्रतिदिन 2 जीबी हाई-स्पीड डाटा, अनलिमिटेड वाईस कॉल एवं 100 एसएमएस फ्री होंगे। यह जानकारी देते हुए बीकानेर व्यवसाय क्षेत्र के महाप्रबन्धक ओ.पी खत्री ने बताया कि मोबाईल में यह स्कीम मात्र एक रुपये में उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध है इसमें उपभोक्ताओं को एक माह तक फ्री सिम, दैनिक 2 जीबी डाटा, अनलिमिटेड कालिंग और प्रतिदिन 100 फ्री एसएमएस की सुविधा मिलेगी। खत्री ने बताया कि यह स्कीम 30 अप्रैल तक बीएसएनएल में नये जुडने वाले एवं दूसरी कम्पनी से बीएसएनएल में एमएनपी करवाने वाले उपभोक्ताओं के लिए मान्य है।

मप्र के रायसेन पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तीन दिवसीय राष्ट्रीय कृषि महोत्सव का करेंगे शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल : देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर रायसेन पहुंचे हैं। वे यहां दशहरा मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय उन्नत कृषि महोत्सव एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगो। उनके साथ केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी रायसेन पहुंचे हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वायुसेना का विशेष विमान से दोपह करीब 12 बजे भोपाल पहुंचे। यहां राजाभोज विमानतन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनकी आत्मीय

अगवानी की। उन्होंने रक्षा मंत्री सिंह का पुष्प-गुच्छ एवं शॉल ओढ़ाकर प्रदेश में आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को सिंह को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर, भोपाल के लोकसभा सांसद आलोक शर्मा, विधायक विष्णु खत्री, महापौर मालती राय, जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति, अन्य जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने भी केंद्रीय मंत्री सिंह को पुष्प भेंट किए। स्टेट हैंगर में अल्प-विश्राम के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. यादव भारतीय सेना के हेलीकॉप्टर से रायसेन के लिए रवाना हुए। वे रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय उन्नत कृषि महोत्सव एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होंगे। आगामी 13 अप्रैल तक चलने वाले इस आयोजन में देशभर से किसान, वैज्ञानिक और कृषि विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। वर्तमान में 300 से अधिक स्टॉलों वाली इस विशाल प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, ड्रोन और उन्नत पशुपालन की जानकारी दी जा रही है।

एक नजर

अरनिया सेक्टर में मिला संदिग्ध पाकिस्तानी गुब्बारा

जम्मू : सीमा पुलिस चौकी साई सेक्टर अरनिया के अधिकार क्षेत्र में आने वाले गरोरे नाले के पास सरदारी खेल मैदान में शनिवार को लगभग 06 :55 बजे एक संदिग्ध पाकिस्तानी गुब्बारा देखे जाने की पुलिस को सूचना प्राप्त हुई। सीमा पुलिस चौकी साई की एक पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और इलाके को सुरक्षित कर लिया। हरे और सफेद रंग के इस गुब्बारे को कब्जे में ले लिया गया। बरामद वस्तु को आगे की जांच और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार आवश्यक कार्रवाई के लिए सीमा पुलिस चौकी साई में रखा गया है। वस्तु के स्रोत और उद्देश्य का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस सतर्क है और जनता से आग्रह करती है कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन को दें।

महाराष्ट्र के तीन जिलों में भूकंप के हल्के झटके, कोई हताहत नहीं

मुंबई : महाराष्ट्र के तीन जिलों हिंगोली, नांदेड़ और परभणि में शनिवार को सुबह करीब आठ बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने इस भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी है। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तहसील के शिरली गांव में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। इन तीनों जिलों में प्रशासन अभी भूकंप से हुए नुकसान का आकलन कर रहा है। नांदेड जिले प्राशसनिक एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप के झटके पड़ोसी नांदेड़ जिले के अधार्पुर, हदगांव और हिमायत नगर तहसील में तथा परभणी जिले के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए। हालांकि, प्रभावित जिलों में से अब तक किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन इमारतों को मामूली नुकसान पहुंचने की खबरें जरूर आई हैं। नागरिकों से शांत रहने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। अधिकारी ने यह भी कहा कि एहतियात के तौर पर इन तीनों जिलों में इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों को तैयार रखा गया है। हिंगोली के जिलाधिकारी राहुल गुप्ता ने मीडिया को बताया कि उनके जिले पांगरा शिंदे गांव में घरों और कम्युनिटी हॉल में दरारें पडे की कुछ तस्वीरें मिली हैं। जिला प्रशासन मौके पर जायजा ले रहा है। गुप्ता ने लोगों को अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। नांदेड़ जिला प्रशासन ने कहा कि अगर आगे और झटके महसूस हों या कोई अजीब आवाज सुनाई दे, तो लोग तुरंत खुली जगह पर चले जाएं और इमरजेंसी हेल्पलाइन पर कॉल करके प्रशासन को जानकारी दें। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि हिंगोली जिले में पहला झटका 8.45 बजे महसूस किया गया, जबकि एक मिनट बाद, 8.46 बजे, परभणी और नांदेड़ जिलों में भी भूकंप महसूस किया गया।

ईसरदा बांध का कार्य जल्द पूरा करें : मुख्य सचिव

जयपुर : सवाई माधोपुर और दौसा जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण ईसरदा बांध का निर्माण कार्य इस वर्ष जुलाई तक पूरा हो जाएगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को परियोजना प्रगति की समीक्षा के बाद कहा कि प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं। उन्होंने अधिकारियों को परियोजना के प्रथम चरण के शेष रहे सभी कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्य सरकार इस बांध परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए संकल्पबद्ध हैं। इसी क्रम में परियोजना में धरातल पर कार्यरत अधिकारियों के साथ गहन समीक्षा की गई है।

संक्षिप्त खबरें

महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती पर नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली : महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर देशभर के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और शिक्षा, समानता तथा सामाजिक न्याय के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने महात्मा ज्योतिराव फुले को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा को समाज में सकारात्मक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम बनाया। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों से वंचितों, शोषितों और महिलाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खुले। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि महात्मा फुले ने अपना संपूर्ण जीवन वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया और शिक्षा एवं सामाजिक न्याय के लिए उनका संघर्ष आज भी प्रेरणास्रोत है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि महात्मा फुले शिक्षा को समाज सुधार का सबसे प्रभावी साधन मानते थे। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा के लिए अभूतपूर्व कार्य किए और सत्यशोधक समाज की स्थापना कर समानता और न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि फुले के विचार ह्यसबका साथ, सबका विकास’ और ‘अंत्योदय’ जैसे संकल्पों में आज भी झलकते हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उन्हें भारत की शैक्षिक क्रांति का जनक बताते हुए दलितों के उत्थान और महिला सशक्तिकरण के लिए उनके समर्पण को याद किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महात्मा फुले को ‘क्रांतिसूर्य’ बताते हुए कहा कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना उनके विचारों का मूल संदेश है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि महात्मा ज्योतिराव फुले ने बहुजनों के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित किया और उनके विचार आज भी समानता की राह दिखाते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ता है, जब हर व्यक्ति को शिक्षा, सम्मान और अवसर मिले, यह सीख हमें महात्मा ज्योतिराव फुले से मिलती है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महात्मा ज्योतिराव फुले को महिला शिक्षा का अग्रदूत बताते हुए उनके योगदान को वैचारिक क्रांति का आधार बताया। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी महात्मा ज्योतिराव फुले को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर एक न्यायपूर्ण और शिक्षित समाज का निर्माण किया जाना चाहिए।

दिल्ली की नयी इलेक्ट्रिक वाहन नीति का मसौदा जारी, 30 दिनों तक दे सकेंगे सुझाव

नयी दिल्ली : दिल्ली सरकार ने ‘दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2026’ का नया मसौदा शनिवार को जारी किया। जनता अगले 30 दिनों तक इस पर अपने सुझाव दे सकेगी। नई नीति में भारी सब्सिडी का प्रावधान भी किया गया है। यह नीति लागू होने के बाद वर्ष 2023 तक प्रभावी रहेगी। दिल्ली परिवहन विभाग के अनुसार इस नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली की हवा को साफ बनाना और लोगों को पेट्रोल-डीजल की जगह इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना है। सरकार ने नई नीति के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को बेहद किफायती बनाने के लिए कई प्रस्ताव रखे हैं। अलग-अलग गाड़ियों के लिए साल-दर-साल सब्सिडी तय की गयी है। यह पैसा सीधे आपके बैंक खाते में डीबीटी के जरिए आएगा। पंजीकरण का वर्ष प्रोत्साहन अधिसूचना की तारीख से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर के लिए पहले साल में 10 हजार रुपए , दूसरे साल में 6,600 हजार रुपए से अधिक, तीसरे साल में 3,300 हजार रुपए से अधिक तक का प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा इलेक्ट्रिक दो-पहिया वाहन की फैक्टरी से निकलने के समय की कीमत आईएनआर 2.25 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। वहीं, ई-ऑटो के लिए पहले साल में 50 हजार रुपए, दूसरे साल 40 हजार रुपए और तीसरे साल 30 हजार रुपये की मदद मिलेगी। ई-ट्रक के लिए पंजीकरण के वर्ष प्रोत्साहन अधिसूचना की तारीख से पहले साल में एक लाख रुपए, दूसरे साल 75 हजार रुपए और तीसरे साल 2.50 लाख रुपए से अधिक तक की बड़ी सब्सिडी दी जाएगी। अगर आप अपनी पुरानी पेट्रोल-डीजल कार को कबाड़ में देकर नई इलेक्ट्रिक कार खरीदते हैं, तो सरकार आपको एक लाख रुपए की अतिरिक्त छूट देगी। टू-व्हीलर के लिए यह स्क्रैपिंग बोनस 10 हजार रुपए तय किया गया है। पुराने ऑटो के बदले 25 हजार रुपए और पुराने हल्के ट्रक के बदले 50 हजार रुपए की अतिरिक्त छूट मिलेगी। 31 मार्च 2030 तक 30 लाख रुपये तक की इलेक्ट्रिक कारों के लिए रोड टैक्स और आवेदन फीस पूरी तरह माफ रहेगी। अगर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में रजिस्टर होने वाली सभी इलेक्ट्रिक कारों, जिनकी एक्स-शोरूम कीमत 30 लाख रुपये से अधिक है, उन्हें रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस में कोई छूट नहीं दी जाएगी। ईवी इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड को नोडल एजेंसी बनाया गया है।

भाजपा की सरकार बनी, तो 'सिंडिकेट राज' खत्म करेंगे, घुसपैठियों को खदेड़ेंगे : अमित शाह

कोलकाता : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के ओंडा-विष्णुपुर क्षेत्र में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने ह्लसिंडिकेट राजह्व, भ्रष्टाचार और घुसपैठ जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए दावा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर इन समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाएगा। सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि राज्य में हर स्तर पर सिंडिकेट का प्रभाव है। चाहे वह निर्माण कार्य हो या रोजमर्रा की जरूरतें। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनता से 23 अप्रैल को कमल के निशान पर वोट देने की अपील करते हुए कहा “प्रचंड बहुमत से भाजपा को जिताइए, हम बंगाल से सिंडिकेट राज को समाप्त कर देंगे। अमित शाह ने बांकुड़ा क्षेत्र के विकास को लेकर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों में इस इलाके की उपेक्षा हुई है, जिसके कारण युवाओं को रोजगार की तलाश में पलायन करना पड़ा। साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार बनने पर विष्णुपुर में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किया जाएगा और क्षेत्रीय विकास को गति दी जाएगी। महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर भी अमित शाह ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है और स्थिति चिंताजनक है। भाजपा सरकार बनने पर 24 घंटे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा ह्लघुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार बनने पर ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें बाहर किया जाएगा और मतदाता सूची से भी अवैध नाम हटाए जाएंगे।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातु, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**